हल्दी वाला दूध बढ़ायेगा प्रतिरोधक क्षमता -पेज 2

दैनिक ट्रिब्यून

आपकी आवाज

दिल्ली/एनसीआर ◆ वर्ष/VOL : 4 अंक : 94 ◆ चंडीगढ़/ गुरुग्राम/ बठिंडा ◆ चैत्र 23 प्रविष्टे, विक्रमी संवत् 2077 ◆ पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5.00 ◆ Regd. No. CHD/0005/2018-2020

ई-मेल : dt@tribuneindia.com

रविवार, 5 अप्रैल, 2020

www.dainiktribuneonline.com

वायरस का रहस्यमयी जाल -पेज 11

टीडीएस छूट का फॉर्म भरने की समय सीमा बढ़ी

नयी दिल्ली (एजेंसी) : आयकर विभाग ने जारी वित्त वर्ष के लिए 15जी तथा 15एच फॉर्म भरने के लिए 30 जून के बाद और समय देने की घोषणा की है। ये फॉर्म ब्याज आय पर स्रोत पर टैक्स कटौती (टीडीएस) से छूट के लिए भरे जाते हैं। फॉर्म 15एच वरिष्ठ नागरिकों को जमा कराना होता है, फॉर्म 15जी ऐसे लोगों को जमा कराना होता है जिनकी करयोग्य आय छूट की सीमा से कम होती है। आम तौर पर करदाता ये फॉर्म बैंकों और वित्तीय संस्थानों के पास अप्रैल में जमा कराते हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पिछले वित्त वर्ष में जमा कराए गए 15जी और 15एच फॉर्म 30 जून, 2020 तक वैध रहेंगे।

शाहरुख ने आइसोलेशन वार्ड के लिए दिया कार्यालय

मुंबई (एजेंसी) : कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में केंद्र और राज्य सरकारों की मदद के लिए कई पहलों की घोषणा करने के बाद सुपरस्टार शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान ने अब अपने कार्यालय के दरवाजे इस बीमारी के मरीजों के लिए खोल दिए हैं। स्थानीय नगर निकाय, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने शनिवार को सोशल मीडिया पर शाहरुख और गौरी को इस मदद के लिए धन्यवाद दिया। निगम ने ट्वीटर पर लिखा कि अपना चार मंजिला निजी कार्यालय देने के लिए हम शाहरुख खान और गौरी खान का शुक्रिया अदा करते हैं। इससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए आवश्यक सुविधाओं से लैस पृथक वास की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले 54 वर्षीय सुपरस्टार ने बृहस्पतिवार को देश की मदद के लिए विभिन्न पहलों की घोषणा की थी।

चीन पर लगे 'कड़ा जुर्माना' : आईसीजे

नयी दिल्ली (एजेंसी) : लंदन की इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट (आईसीजे) ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से अपील की है कि चीन पर 'मानवता के खिलाफ गंभीर अपराध करने के लिए कड़ा जुर्माना' लगाया जाए। संगठन ने आरोप लगाया है कि कोरोना वायरस महामारी प्राथमिक रूप से बीजिंग का षड्यंत्र है ताकि वह खुद को महाशक्ति बना सके। आईसीजे के अध्यक्ष आदिश सी. अग्रवाल ने कहा, 'वायरस को फैलने से रोकने के लिए चीन द्वारा कार्रवाई नहीं करने से पूरी दुनिया में मंदी आ गयी और खरबों डॉलर का नुकसान हुआ है तथा भारत एवं दुनिया के अन्य हिस्सों में लाखों लोग बेरोजगार हो गए।' उन्होंने कहा कि यह रहस्य है कि वायरस चीन के सभी प्रांतों में कैसे नहीं फैला, जबकि दुनिया के सभी देशों में यह फैल गया है।

देश में कोरोना के मामले 3 हजार पार, 17 राज्यों में मरकज से जुड़े 1023 लोग पॉजिटिव

30% मामले एक ही स्थान से जुड़े

तबलीगी और उनके संपर्क में आये 22 हजार लोगों को रखा अलग

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

देश में कोरोना संक्रमितों का कुल आंकड़ा 3 हजार के पार पहुंच गया है। शुक्रवार के बाद से संक्रमितों की संख्या में 600 से ज्यादा का इजाफा हुआ है, जो एक दिन में सर्वाधिक है। हालांकि, सरकार ने कहा है कि दहशत में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारत में इस वायरस के फैलने की दर कई अन्य देशों की तुलना में कम है और 30 फीसदी मामले सिर्फ 'एक ही जगह' के हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कोरोना संक्रमण के कम से कम 1023 मामले पिछले महीने दक्षिणी दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के धार्मिक कार्यक्रम से संबद्ध पाये गये हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम से जुड़े संक्रमण का 17 राज्यों में पता चला है, इससे जाहिर होता है कि करीब 30 प्रतिशत मामले, एक खास स्थान से हैं। वहीं, गृह मंत्रालय ने बताया कि तबलीगी जमात के सदस्यों और उनके संपर्क में आये करीब 22 हजार लोगों को अलग रखा गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के पोर्टल पर शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कुल 3072 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। मरने वालों का आंकड़ा 75 हो गया है।

अगरतला में शनिवार को दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज से लौटे लोगों को कोरोना जांच के लिए ले जाते स्वास्थ्यकर्मी। -पेट्र

हरियाणा में 26 नये मामले

चंडीगढ़ (ट्रिन्यू) : हरियाणा में कोरोना के 26 नये मामले सामने आ चुके थे। हरियाणा जैसे छोटे प्रदेश के लिए यह आंकड़ा काफी चिंताजनक है। प्रदेश में सबसे ज्यादा केस पलवल (17) और गुरुग्राम (17) से हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि कुल 70 पॉजिटिव मामलों में से वर्तमान में 55 ही ऐसे मरीज हैं, जो अस्पतालों में दाखिल हैं। 15 कोरोनो पॉजिटिव मरीज ठीक हो चुके हैं। फिलहाल अस्पतालों में दाखिल 55 कोरोना पॉजिटिव मरीजों में से 21 हरियाणा से बाहर के हैं। ये सभी निजामुद्दीन मरकज से लौटे जमाती हैं।

-पेज- 2

मोदी ने की ट्रंप से बात, महामारी से निपटने का संकल्प

कोरोना से उत्पन्न स्थिति से निपटने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ शनिवार को विस्तृत बातचीत की। दोनों नेताओं ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत-अमेरिका साझेदारी की पूरी ताकत का उपयोग करने का संकल्प लिया। मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ टेलीफोन पर विस्तृत चर्चा हुई।' उन्होंने कहा, 'हमारी चर्चा काफी अच्छी रही और हमने कोरोना से निपटने में भारत-अमेरिका साझेदारी की पूरी ताकत का उपयोग करने पर सहमति व्यक्त की।'

8 को राजनीतिक दलों के नेताओं से करेंगे बात : प्रधानमंत्री मोदी 8 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये लोकसभा एवं राज्यसभा में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ संवाद करेंगे। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में उन दलों के नेताओं के साथ संवाद करेंगे जिनके 5 से अधिक सांसद हैं।

'घर पर बना मास्क' लगाने का सुझाव

भारत में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आने के साथ ही केंद्र सरकार ने शनिवार को एक परामर्श जारी कर कोविड-19 का प्रसार रोकने के लिये लोगों से 'घर पर बना मास्क' लगाने को कहा है, खास तौर पर तब जब वे घरों से बाहर निकलें। 'चेहरे और मुंह के बचाव के लिये घर में बने सुरक्षा कवर के इस्तेमाल पर परामर्श' में सरकार ने कहा कि ऐसे मास्क के इस्तेमाल से बड़े पैमाने पर समुदाय का बचाव होगा और कई देशों ने घर में बने मास्क के आम लोगों के लिये फायदेमंद होने का दावा किया है। इसमें कहा गया है कि घर में बने ऐसे मास्क को रोज धोना व साफ किया जाना चाहिए। नियमावली के मुताबिक मास्क बनाने के लिये कोई भी सूती कपड़ा इस्तेमाल किया जा सकता है।

गंगाराम अस्पताल के 108 कोरोना योद्धा क्वारंटाइन

जमात के कारण संक्रमण का डर

हरीश लखेड़ा/ ट्रिन्यू

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल

दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में कोरोना वायरस से संक्रमित 2 मरीजों के संपर्क में आने के कारण डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों समेत 108 मेडिकल स्टाफ को क्वारंटाइन कर दिया गया है। इनमें से 85 लोगों को उनके घरों में क्वारंटाइन किया गया है, जबकि 23 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी तक इनमें से किसी के भी कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि नहीं हुई है।

दोनों मरीज तबलीगी जमात से संबंधित बताए गये हैं। वे किसी अन्य इलाज के लिए गंगाराम अस्पताल आए थे। अस्पताल के प्रवक्ता के अनुसार इन मरीजों के यहां आते समय उनमें कोरोना के लक्षण नहीं दिख रहे थे, लेकिन अस्पताल ने एहतियात के तौर पर उनका टेस्ट करवाया, उसमें दोनों कोरोना पॉजिटिव पाए गये। दोनों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल भेज दिया गया है। उनके संपर्क में आये स्वास्थ्य कर्मियों को क्वारंटाइन कर दिया गया है। सभी 108 स्वास्थ्य कर्मियों में से 23 जो उनके सीधे संपर्क में आये, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहरहाल, देश में मेडिकल कर्मियों के इतनी बड़ी संख्या में क्वारंटाइन का यह पहला मामला है। वैसे अब तक विभिन्न राज्यों में 50 से ज्यादा डॉक्टर, नर्स व मेडिकल स्टाफ कोरोना की चपेट में चुके हैं। बीते बुधवार दिल्ली, मुंबई के 4 डॉक्टर और 2 नर्स संक्रमित पाए गये थे।

संक्रमित महिला से एम्स में पैदा हुआ स्वस्थ शिशु

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

कोरोना से संक्रमित एक महिला ने यहां एम्स में एक बच्चे को जन्म दिया है जो स्वस्थ है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में प्रोफेसर डॉ. नीरजा भटला ने कहा कि पिछले सप्ताह महिला ने आपरेशन के जरिए बच्चे को जन्म दिया। डॉ. भटला के नेतृत्व में एक टीम ने आपरेशन किया। उन्होंने कहा कि शिशु स्वस्थ है। यह पूछे जाने पर कि क्या कोरोना वायरस के लिए शिशु के नमूने का परीक्षण कराया जाएगा, उन्होंने कहा, 'हम उसकी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और लक्षणों पर गौर कर रहे हैं। अब तक शिशु स्वस्थ है।'

अनाज कम नहीं, दहशत बिगाड़ सकती है हालात

महामारी को लेकर डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र, 4 अप्रैल (एजेंसी)

कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते प्रकोप का अब तक वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला पर बहुत कम प्रभाव पड़ा है, लेकिन चिंता से ग्रस्त बड़े खाद्य निर्यातक दहशत में आए तो यह स्थिति बहुत जल्द बिगड़ सकती है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट के अनुसार, मूल अनाजों के लिए वैश्विक बाजार पूरी तरह भरे-पूरे हैं और कीमतें आमतौर पर कम हैं। हालांकि, खाद्य उत्पादन एवं आपूर्ति की बेहद वैश्वीकृत प्रकृति को देखते हुए इन सामग्रियों को विश्व के 'ब्रेडबास्केट' (उत्पादन के मुख्य केंद्र) से निकालकर उन स्थानों तक पहुंचाने की जरूरत है, जहां इनकी खपत है। कोरोना संबंधी बचाव उपाय इसे बेहद चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं। डब्ल्यूएफपी की वरिष्ठ प्रवक्ता एलिजाबेथ बिर्स ने कहा, 'अभी तक किसी तरह की कमी नहीं है, खाद्य आपूर्ति पर्याप्त है और बाजार अपेक्षाकृत स्थिर हैं।' उन्होंने कहा कि वैश्विक अनाज भंडार सहज स्तर पर है और गेहूं तथा अन्य मुख्य अनाजों की संभावना भी पूरे साल सकारात्मक नजर आ रही है। लेकिन बहुत जल्द हमें खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में दरार पड़ती दिख सकती है। क्योंकि बड़े निर्यातकों का यदि मूल खाद्य सामग्रियों के भरोसेमंद प्रवाह में यकीन नहीं रहेगा, तो हड़बड़ी में खरीदारी से कीमतें बढ़ेंगी।

रिपोर्ट में खाद्य एवं कृषि संगठन के एक विशेषज्ञ के हवाले से कहा गया है, 'समस्या आपूर्ति की नहीं, बल्कि व्यावहारगत परिवर्तन है। थोक में खरीदारी करने वाले अगर सोचने लगें कि मई और जून में वे गेहूं या चावल नहीं खरीद पाएंगे, तो सोचिए क्या होगा। इसी सोच के कारण खाद्य आपूर्ति संकट पैदा हो सकता है।'

बेंगलुरू में शनिवार को एक ट्रैफिक जंक्शन पर कोरोना पर पेंटिंग बनाकर जागरूकता फैलाने की कोशिश की गयी। -पेट्र

रेल सेवा बहाल करने पर अभी फैसला नहीं

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

रेलवे ने शनिवार को कहा कि ट्रेन सेवाओं को बहाल करने पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इस पर फैसला कुछ ही दिनों में लिया जाएगा। यह बयान तब आया है जब रेलवे ने कोरोना वायरस के कारण यात्री ट्रेनों को 21 दिन तक स्थगित करने के बाद 15 अप्रैल से अपनी सभी सेवाएं बहाल करने की तैयारी शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया, 'रेलवे बोर्ड से हर ट्रेन को मंजूरी मिलने पर ही ट्रेन सेवाएं बहाल की जाएंगी। रेलवे बोर्ड को चरणबद्ध योजना के लिए सुझाव दिया जाना चाहिए।'

15 से बुकिंग शुरू करेगी एयर एशिया : विमानन कंपनी एयर एशिया इंडिया 15 अप्रैल से टिकटों की बुकिंग शुरू करेगी। हालांकि, कंपनी ने कहा कि यह नागर विमानन महानिदेशालय के इस संबंध में किसी नये दिशानिर्देश नहीं आने पर निर्भर करेगा।

राज्यों को एक लाख करोड़ का पैकेज दे केंद्र : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि राज्यों के लिए एक लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की जाए और उन्हें जीएसटी बकाये का भुगतान भी किया जाए। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, 'कोरोना के खिलाफ जंग में राज्य सरकारें अग्रिम पंक्ति में खड़ी हैं। हम केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि राज्य सरकारों को इस लड़ाई में और मजबूत बनाया जाए। राज्य सरकारों के पास धन और संसाधन की कमी है। केंद्र सरकार राज्य सरकारों के लिए एक लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा करे।' उन्होंने केंद्र से यह आग्रह भी किया कि राज्यों को जीएसटी के बकाये के 42 हजार करोड़ रुपये जारी किये जाएं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, 'रिजर्व बैंक राज्य सरकारों के लिए ऐसी व्यवस्था करे ताकि उन्हें कम दर अथवा शून्य प्रतिशत की ब्याज पर कर्ज मिल सके।'

अब कानपुर, बिजनौर के अस्पतालों में अभद्रता

कानपुर, 4 अप्रैल (एजेंसी)

गाजियाबाद के बाद अब कानपुर और बिजनौर के अस्पतालों में भी तबलीगी जमात के सदस्यों पर स्वास्थ्य कर्मियों से अभद्रता करने का आरोप लगा है। कानपुर स्थित लाला लाजपत राय अस्पताल की प्रधानाचार्य आरती लालचंदानी ने शनिवार को बताया कि दिल्ली से तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शिरकत करके लौटे 22 लोगों को पृथक वार्ड में भर्ती कराया गया। वार्ड अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि उन लोगों ने अस्पताल कर्मियों से बदतमीजी की है। लालचंदानी ने कहा कि अगर इन लोगों ने अपना रवैया नहीं सुधारा तो इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उधर, बिजनौर के जिला अस्पताल के पृथक वार्ड में रखे गए इंडोनेशिया के 8 नागरिकों सहित 13 लोगों ने हंगामा किया और अंडे, बिरयानी की फरमाइश की। सीएमएस ज्ञानचंद ने बताया कि तबलीगी जमात सदस्यों ने सफाईकर्मी से बदतमीजी की। अंडा करी और बिरयानी उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो उन्होंने हंगामा किया।

'उपद्रवियों' को गोली मार देनी चाहिए : राज ठाकरे

मुंबई (एजेंसी) : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को कहा कि अस्पताल में पृथक इकाई में रखे जाने के दौरान महिला चिकित्सा कर्मियों के साथ बदसलूकी करने वाले तबलीगी जमात के सदस्य 'किसी साजिश' में शामिल हैं और उन्हें गोली मार देनी चाहिए। उन्होंने ऐसे लोगों को चिकित्सा सुविधा देने पर भी सवाल उठाया। मनसे प्रमुख ने मांग की कि लोगों के भीतर 'भरोसा' जगाने के लिए ऐसे लोगों की पिटाई की जानी चाहिए और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जाना चाहिए।

आयो दीया जलाएं... अटल शब्दों में मोदी की अपील

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के खिलाफ देश की सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए लोगों को रविवार रात दीये जलाने की बात याद दिलाने के मकसद से अटल बिहारी वाजपेयी का एक वीडियो क्लिप शनिवार को साझा किया। मोदी ने वीडियो के साथ ट्वीट किया, 'आयो दीया जलाएं।' इस वीडियो में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक मंच से अपनी प्रसिद्ध कविता 'आयो फिर से दीया जलाएं' सुना रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को देशवासियों से अपील की थी कि वे कोरोना वायरस को पराजित करने की देश की सामूहिक शक्ति प्रदर्शित करने के लिए रविवार 5 अप्रैल को रात 9 बजे बत्तियां बद कर 9 मिनट तक अपने घरों की बालकनी व दरवाजे में खड़े रहकर मोमबत्ती, दीये, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैशलाइट जलायें। इस दौरान सामाजिक दूरी बनाये रखने की अपील भी उन्होंने की है।

साझा की कविता

आओ फिर से दीया जलाएं
भरी दुपहरी में अंधियारा
सूरज परछाईं से हारा
अंतरतम का नेह निचोड़ें-
बुझी हुई बाती सुलगाएं
आओ फिर से दीया जलाएं
हम पड़ाव को समझे मंजिल
लक्ष्य हुआ आंखों से ओझल
वर्तमान के मोहजाल में-
आने वाला कल न भुलाएं।
आओ फिर से दीया जलाएं।
आहुति बाकी यज्ञ अधूरा
अपनों के विघ्नों ने घेरा
अंतिम जय का वज्र बनाने-
नव दधीचि हड्डियां गलाएं
आओ फिर से दीया जलाएं।

कोच्चि में शनिवार को कोरोना के खिलाफ लड़ाई में पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के समर्थन में 5.9.9 के आकार में दीये जलाते लोग। पीएम ने रविवार 5 अप्रैल को रात 9 बजे 9 मिनट तक दीये जलाने का आह्वान किया है। -पेट्र

दीये जलाते समय न लगायें सेनेटाइजर | अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि रविवार रात दीये जलाते समय एल्कोहल वाले सेनेटाइजरों के उपयोग से दूर रहें।

दीये जलवाने से हल नहीं होगी समस्या : राहुल

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया। दुनिया के कई प्रमुख देशों और भारत में कोरोना की जांच के आंकड़े से जुड़ा एक ग्राफ साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'भारत कोविड-19 से लड़ने के लिए पर्याप्त जांच नहीं कर रहा है। लोगों से ताली बजवाने और दीये जलवाने से समस्या हल नहीं होगी।' वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर कहा कि सरकार को कोरोना को लेकर बड़े पैमाने पर जांच करानी चाहिए, क्योंकि ऐसा करके ही इस महामारी की वास्तविक स्थिति का पता किया जा सकता है।

मंत्रालय ने कहा- बिजली ग्रिड व्यवस्था मजबूत

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर 5 अप्रैल को रात 9 बजे 9 मिनट तक बिजली बंद करने से बिजली ग्रिड की स्थिरता को लेकर जतायी जा रही आशंका को खारिज किया है। बिजली मंत्रालय का कहना है कि यह अपील घरों में थोड़े समय के लिए रोशनी बंद करने के लिए है। ऐसे में बाकी कामों के लिए बिजली की खपत बनी रहेगी। मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि देश की बिजली ग्रिड व्यवस्था मजबूत है। मांग में अंतर की स्थिति से निपटने के लिये पर्याप्त उपाय किये गये हैं। गौर हो कि देश में 'लॉकडाउन' के कारण बिजली मांग करीब 25 फीसदी कम हो चुकी है।

ताऊ बोल्या संदीप जोशी

12 घंटे पडै सैं, बैटरी बरोबर चैक करदा रहिये।

epaper.dainiktribuneonline.com

आम हरियाणवियों ने लॉकडाउन का सख्ती से किया पालन तो फैलेगा नहीं संक्रमण

जमातियों ने तोड़ा 'सुरक्षा चक्र', अब रेड जोन में हरियाणा

दिनेश भारद्वाज/ट्रिन्यू
चंडीगढ़, 4 अप्रैल

ओल्ड गुरुग्राम में शनिवार को एक पुलिसमैन लॉकडाउन के दौरान हालात का जायजा लेते हुए। -एस चंदन

हरियाणा में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए प्रदेश की भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार ने पुख्ता प्रबंध किए हुए थे। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन के माध्यम से पूरा 'सुरक्षा चक्र' बनाया हुआ था लेकिन मरकज के जमातियों ने इस चक्र को तोड़ दिया है। पिछले 24 घंटों में सामने आए कोरोना के पॉजिटिव मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। शनिवार को शाम का स्वास्थ्य बुलेटिन जारी होने तक राज्य में कोरोना के 26 नये मामले सामने आ चुके थे।

- 70 पहुंचा कोरोना पॉजिटिव का आंकड़ा, 21 मरकज से आए जमाती

हरियाणा जैसे छोटे प्रदेश के लिए यह आंकड़ा काफी चिंताजनक है। सबसे बड़ी बात यह है कि कुल 70 पॉजिटिव मामलों में से वर्तमान में 55 ही ऐसे मरीज हैं, जो अस्पतालों में दाखिल हैं। 15 कोरोना पॉजिटिव मरीज ठीक हो चुके हैं। डॉक्टरों ने उन्हें डिस्चार्ज भी कर दिया है। फिलहाल अस्पतालों में दाखिल 55 कोरोना पॉजिटिव मरीजों में से 21 हरियाणा से बाहर के हैं। ये सभी निजामुद्दीन मरकज से लौटे जमाती हैं। हरियाणा के कई शहरों एवं गांवों में अभी भी लॉकडाउन का उल्लंघन हो रहा है। 1300 से भी अधिक जमातियों के हरियाणा में आने के बाद प्रदेश के लोगों को अब और सावधानी बरतनी होगी। चूंकि 500 से अधिक जमाती तो ऐसे हैं जो निजामुद्दीन मरकज से ही लौटे हैं। सरकार भी यह मानकर चल रही है कि निजामुद्दीन से लौटने वाले जमातियों में से अधिकांश कोरोना पॉजिटिव हो सकते हैं। जिस तरह से सैम्पल की रिपोर्ट आ रही है, वह भी इसी तरह के संकेत दे रही है।

ऐसे में अब पुलिस को भी लॉकडाउन का सख्ती से पालन करवाना होगा। लॉकडाउन अभी 9 दिन और चलेगा, लेकिन हरियाणा में अगर यह पूरी तरह से कामयाब होता है तो कोरोना के संक्रमण को काफी हद से रोका भी जा सकता है। इससे पहले सरकार उन लोगों का भी पता लगा रही है जो जमातियों के संपर्क में आए हैं। शनिवार को जब कोरोना पॉजिटिव के केस अचानक बढ़े तो सरकार की चिंता भी बढ़ गई। गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय में विभाग की आपात बैठक बुलाई।

बैठक में विज ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया और प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि सभी कोरोना वायरस को मात देने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की दवाइयों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए आवश्यक चीजों की कमी नहीं आने दी जाएगी।

साढ़े 16 हजार की निगरानी

हरियाणा में विदेश से लौटने वालों की संख्या बढ़कर 17 हजार 122 हो चुकी है। वहीं 430 ऐसे लोग हैं, जो विदेशी हिस्ट्री वालों के संपर्क में आए हैं। ऐसे में सरकार ने कुल 17 हजार 52 लोगों को क्वारंटाइन किया। इनमें से 1039 लोगों का क्वारंटाइन पीरियड पूरा हो चुका है। 16 हजार 513 लोग अभी भी सर्विलांस पर हैं। कुल 1430 लोगों के सैम्पल अभी तक स्वास्थ्य विभाग ने लिए हैं। इनमें से 963 की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। 70 सैम्पल पॉजिटिव मिले हैं। 397 सैम्पल की रिपोर्ट आनी अभी शेष है। कुल 460 लोगों को सरकार ने आईसोलेशन वार्डों में रखा है।

भ्रामक खबरें फैलाने पर 38 के खिलाफ एफआईआर

हरियाणा पुलिस द्वारा राज्य में व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर कोविड-19 को लेकर भ्रामक जानकारी, फर्जी समाचार व अफवाहें फैलाने के आरोप में 36 लोगों के खिलाफ कुल 38 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

जिला अनुसार पॉजिटिव केस

गुरुग्राम के बाद पलवल और फरीदाबाद ने चिंता बढ़ा दी है। दोनों ऐसे जिले हैं, जहां कोरोना पॉजिटिव के केस बढ़े हैं। अब अम्बाला 3, भिवानी 2, फरीदाबाद 14, गुरुग्राम 17, हिसार 1, करनाल 1, कैथल 1, नूंह 3, पलवल 17, पानीपत 4, पंचकूला 2, रोहतक 1, सिरसा 3, सोनीपत में 1 केस पॉजिटिव है।

जो हो चुके हैं ठीक

बेशक, कोरोना के बढ़ते हुए मामले चिंता बढ़ाने वाले हैं, लेकिन हरियाणा के लिए यह राहतभरी बात है कि प्रदेश में अभी तक कोरोना से केवल एक व्यक्ति की मौत हुई है। वहीं पंद्रह ऐसे लोग हैं, जो कोरोना पॉजिटिव थे और डॉक्टरों की मेहनत के बाद ठीक होकर अब अपने घरों में जा चुके हैं।
फरीदाबाद 1, गुरुग्राम 9, पलवल 1, पानीपत 3, सोनीपत 1

जमातियों में पांच तमिलनाडु के

हरियाणा में कोरोना पॉजिटिव के 21 ऐसे मामले हैं, जो मरकज से आए जमाती हैं। इनमें से एक जमाती नेपाल का है और बाकी 20 देश के विभिन्न राज्यों से हरियाणा में आकर रुके हुए हैं। इनमें सर्वाधिक 5 तमिलनाडु से हैं। इसी तरह से 3 केरल से, 3 पश्चिमी बंगाल से, 2 तेलंगाना व इतने ही बिहार के जमाती हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, नई दिल्ली व महाराष्ट्र का भी एक-एक जमाती हरियाणा में कोरोना पॉजिटिव मिला है।

किसानों को राहत

फसल कटाई को पहुंचीं 4000 कम्बाइन, एप से मंगा सकेंगे

दिनेश भारद्वाज/ट्रिन्यू
चंडीगढ़, 4 अप्रैल

हरियाणा के किसानों के लिए राहत की बात है कि पंजाब से सरसों व गेहूं की फसल कटाई के लिए 4000 कम्बाइन हरियाणा पहुंच चुकी हैं। राज्य सरकार ने इन कम्बाइन और इनके मालिकों/संचालकों का पूरा ब्योरा लिया है। सरकार कम्बाइन के ग्रुप बनाएगी। साथ ही, मोबाइल एप पर भी काम चल रहा है, ताकि एप के जरिये ही किसान कम्बाइन की डिमांड कर सकें।

- कटाई के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने मोबाइल एप के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि हारट्रोन द्वारा इस एप को तैयार किया जाएगा। अकेले हरियाणा ही नहीं बल्कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश तक में पंजाब से ही कम्बाइन फसलों की कटाई के लिए पहुंचती हैं। हरियाणा में पंजाब से पहले सरसों व गेहूं की कटाई होती है। ऐसे में इन राज्यों में फसलों की कटाई के बाद कम्बाइन संचालक वापस पंजाब पहुंचते हैं और फिर अपने प्रदेश में फसलों की कटाई करते हैं। मोबाइल एप इसलिए बनाया जा रहा है, ताकि किसान घर बैठे ही फसलों की कटाई के लिए कम्बाइन मशीन चालक को बुला सकें। दरअसल, सरकार कम्बाइन मशीनों के ग्रुपों को क्षेत्र अनुसार भेजेगी ताकि प्रदेश में सभी किसानों की जरूरत पूरा हो सके। कई किसान प्रोफेशनल्स के तौर पर भी यह काम करते हैं। हरियाणा में पिछले कई वर्षों से फसलों की कटाई का काम प्रवासी लोगों के हाथों में जा चुका है। यूपी, बिहार और झारखंड से आने वाले मजदूरों द्वारा ही फसलों की कटाई की जाती है। लॉकडाउन की वजह से बड़ी संख्या में श्रमिक राज्य से पलायन कर अपने मूल प्रदेश में जा चुके हैं। इसी वजह से किसानों को कटाई के लिए श्रमिक नहीं मिल रहे। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके दास के मुताबिक मजदूरों की कमी खेतों ही नहीं, मंडियों में भी होगी। मंडियों में फसलों की ढुलाई, उतराई से लेकर पैकिंग आदि के सभी काम इन्हीं मजदूरों द्वारा किए जाते थे।

पंजाब व हरियाणा की सरकारों ने केंद्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रामबिलास पासवान से भी बात की है। दरअसल, रबी फसलों की खरीद का काम इसी मंत्रालय के अधीन है। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का कहना है कि मंडियों में सरसों की खरीद 15 और गेहूं की 20 मार्च से शुरू होगी।

घरों में ही स्टॉक करें कटी फसल

बेशक गेहूं की खरीद की तारीख घोषित हो चुकी है, लेकिन सरकार फिर भी यही चाहती है कि किसान मंडियों में फसल को लेकर न आएं, और अपने घरों में ही स्टॉक करें। सरकार ने किसानों को गेहूं भरने के लिए बोरियां मुहैया कराने का ऐलान किया है। घरों में गेहूं व सरसों का स्टॉक करने वाले किसानों को बाद में बोनस भी देने का ऐलान भी हो चुका है।

"मंडियों में 15 से सरसों व 20 अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू होगी। फसलों की कटाई के लिए अभी तक 4000 कम्बाइन आई हैं। इनके ग्रुप बनाए जाएंगे। कोशिश है कि मोबाइल एप बनाए जाएं ताकि किसान कम्बाइन की बुकिंग करा सकें।"
-दुष्यंत चौटाला, उपमुख्यमंत्री

एक नजर में

- हर वर्ष बनते हैं 400 खरीद केंद्र। इस बार हो सकते हैं 800
- गेहूं खरीद के लिए पीडब्ल्यूडी और अध्यापकों की ड्यूटी लगाने पर विचार
- बड़े गांवों के खेल स्टेडियम, सत्संग भवन व अन्य जगह बन सकती हैं अस्थाई मंडियां।

पर्यटन विभाग ने जारी किए आदेश, नहीं लिया जाएगा किसी तरह का शुल्क

ड्यूटी के बाद सरकारी होटलों में रहेंगे डॉक्टर

ट्रिब्यून न्यूज सर्विस
चंडीगढ़, 4 अप्रैल

हरियाणा सरकार ने शनिवार को एक अहम फैसला लेते हुए कोरोना मरीजों के इलाज में जुटे डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों को ड्यूटी के बाद पर्यटन विभाग के होटलों में ठहराने का फैसला किया है। इसकी एवज में डॉक्टरों से किसी तरह की फीस आदि नहीं ली जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य कोरोना मरीजों की देखभाल के दौरान डॉक्टरों के परिजनों को संक्रमण से बचाना है।

- कोविड-19 में तैनात डाक्टरों व पैरा-मेडिकल स्टाफ को मिलेगी सुविधा
- मुख्य सचिव के निर्देश पर हुई कार्रवाई

हरियाणा में अब तक दो नर्सें कोरोना पॉजिटिव हो चुकी हैं। इन दोनों को मरीजों की देखभाल के दौरान ही संक्रमण हुआ था। देश के अन्य हिस्सों से भी कोरोना पॉजिटिव रोगियों का उपचार करने वाले डॉक्टरों को कोरोना संक्रमण की खबरें आ रही हैं। इसी दौरान हरियाणा की मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा के निर्देश पर पर्यटन विभाग के एमडी ने शनिवार को हरियाणा पर्यटन निगम के जिला अधिकारियों के नाम आदेश जारी करके कहा है कि वर्तमान हालात में डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ के लिए खतरा पैदा हो गया है।

अस्पतालों में ड्यूटी देने वाला मेडिकल स्टाफ अगर ड्यूटी के बाद घर जाता है तो उनके परिजनों को भी किसी तरह के संक्रमण का खतरा है। ऐसे में सरकार ने फैसला लिया है कि ड्यूटी के बाद सभी डॉक्टर तथा पैरामेडिकल स्टाफ के कर्मचारी हरियाणा पर्यटन विभाग के होटलों में रहेंगे। इसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा जिला स्तर पर तैनात किए गए नोडल अधिकारियों, जिला उपायुक्तों अथवा सिविल सर्जनों द्वारा उन कर्मचारियों की सूची भेजी जाएगी जिनकी ड्यूटी कोविड-19 की रोकथाम में लगी हुई है।

पर्यटन विभाग के एमडी ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आपात स्थिति में होटलों में रहने वाले मेडिकल स्टाफ से किसी तरह का कोई किराया अथवा खाने आदि का बिल नहीं लिया जाएगा। जिन कमरों में यह स्टाफ रूकेगा उनकी साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखा जाएगा। जहां तक हो सके टूरिज्म निगम की ओर से डॉक्टरों को अलग कमरे मुहैया करवाए जाएंगे।

पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउस भी डॉक्टर्स के लिए

प्रदेश के जिलों में स्थित पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) के सभी रेस्ट हाउस डॉक्टरों, नर्सों व पैरा-मेडिकल स्टाफ को सौंप दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला ने इस संदर्भ में सभी जिलों के डीसी को कहा है कि वे डॉक्टरों व मेडिकल स्टाफ के लिए इनका इस्तेमाल करें। पीडब्ल्यूडी विभाग दुष्यंत के पास ही है। दुष्यंत ने कहा कि सभी रेस्ट हाउस में डॉक्टरों व मेडिकल स्टाफ को आने-जाने और रहने के लिए मुफ्त में प्रबंध होंगे। उन्होंने विभाग के आला अधिकारियों को कहा है कि वे सभी जिलों के एससी व एक्सईएन को निर्देश दें और सभी रेस्ट हाउस में नियमित रूप से साफ-सफाई के प्रबंध किए जाएं।

चालती चाक्की — सत्यवीर नाहड़िया

उल्टा होग्या चाँद रै, काल हुया यो खेल।
झूठ गैल पाखण्ड तै, मची कसुत्ती रेल।
मची कसुत्ती रेल, मची रै मारामारी।
चढ़ा छात पै देस, अफवाह सुणकै न्यारी।
चाँद-कला ये आम, मामला बिलकुल सुल्टा।
पाखण्डी पर रेस, बताया न्यूं रै उल्टा।।

9 मिनट के सेल्फ ब्लैक आउट पर बिजली निगमों में अलर्ट!

चंडीगढ़, 4 अप्रैल (ट्रिन्यू)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रविवार की रात नौ मिनट के लिए होने वाले ब्लैक आउट को देखते हुए पावरग्रिड ने बिजली निगमों के लिए हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। इस नौ मिनट की अवधि से निपटने के लिए बिजली निगमों के कार्यालय जहां खुले रहेंगे वहीं फील्ड तथा दफ्तरी स्टाफ ड्यूटी पर रहेगा।

- पावरग्रिड ने बिजली निगमों को चेताया, रविवार की रात खुले रहेंगे बिजली निगमों के दफ्तर

मोदी द्वारा रविवार की रात एकता व बहादुरी का परिचय देने हेतु नौ मिनट के लिए घरों की बिजली बंद करके दीये जलाने की अपील के बाद जहां देशवासी पूरी तरह से एकजुट होने लगे हैं वहीं इस नौ मिनट की अवधि के दौरान ग्रिड व स्टेशन को होने वाले संभावित खतरे से निपटने के लिए नौ घंटे पहले ही तैयारियां शुरू हो जाएंगी।

पावर ग्रिड ने गुरुग्राम स्थित मुख्यालय से उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगमों को इस बारे में चेता दिया गया है। पावरग्रिड द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि बिजली संप्रेषण की अपनी एक तकनीक होती है। ग्रिड में बिजली का प्रवाह रूकना तथा अचानक बिजली का इस्तेमाल बढ़ना व कम होना ग्रिड के लिए हानिकारक हो सकता है।

इस आपात स्थिति से निपटने के लिए रविवार की सुबह से ही तैयारी करनी होगी। पत्र में कहा गया है कि इस दौरान फील्ड में काम करने वाले लाइनमैन, सुपरवाइजर, जेई व एसडीओ स्तर के अधिकारी उपलब्ध रहेंगे तथा दफ्तरों व ग्रिड में तैनात कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे।

"हरियाणा के पास आपात स्थिति में तीन सौ मेगावाट तक बिजली कंट्रोल करने की क्षमता है। वर्तमान में पहले से ही बिजली की मांग कम है। विभाग का यह मानना है कि नौ मिनट के सेल्फ ब्लैकआउट के दौरान घरों में फ्रिज आदि चलते रहेंगे। दूसरा स्ट्रीट लाइटों को बंद नहीं किया जाएगा। अस्पतालों समेत ऐसे कई संस्थान हैं जिन्हें पूरी तरह से अंधेरे में नहीं डाला जा सकता। वहीं ट्यूबवैल कनेक्शन वाले किसानों को 10 बजे की बजाय 9 बजे बिजली सप्लाई करने के आदेश दिए हैं।"
-रणजीत सिंह, बिजली मंत्री

जनता के नाम सम्बोधन में बोले सीएम खट्टर

थ्री 'एस' फार्मूले से कोरोना मुक्त होगा हरियाणा

चंडीगढ़, 4 अप्रैल (ट्रिन्यू)

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेशवासियों को कोरोना से लड़ने के थ्री 'एस' का फार्मूला दिया है। प्रदेश में अचानक बढ़े कोरोना रोगियों पर चिंता व्यक्त करते हुए सूबे के मुखिया ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में सभी को अपना ख्याल रखते हुए दूसरों को सुरक्षा करनी है। रोजाना की तरह शनिवार को भी शाम पांच बजे जनता के नाम सम्बोधन में सीएम ने कहा कि 'थ्री-एस' यानी स्टे एट होम, सोशल डिस्टेंसिंग और सेनेटाइजेशन से प्रदेश कोरोना मुक्त होगा।

- बोले- थ्री एस को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं प्रदेश के लोग
- विभिन्न शहरों में युवाओं से की बात

उन्होंने कहा, अगर हम इस थ्री एस को अपनी वर्तमान दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे तो हरियाणा इस महामारी पर सबसे पहले जीत पाएगा। सीएम ने युवाओं का आह्वान किया कि शिक्षा की न तो कोई उम्र होती है और न ही सीखने की कोई सीमा होती है। इसलिए इस समय का सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी करने की अपील करते हुए कहा कि वह अपना ज्यादा से ज्यादा समय किताबें पढ़ने तथा रचनात्मक कार्यों में लगाएं।

'मुश्किल वक्त-कमांडो सख्त' का उदाहरण देते हुए सीएम ने कहा, इस दौर में जो व्यक्ति कठिन परिश्रम करके आगे आएगा वह न केवल अपना तथा अपने बच्चों का भविष्य मजबूत करेगा बल्कि स्वर्णिम हरियाणा में भी अपना योगदान देगा। इन दिनों में युवाओं को खेलों को अपने जीवन का अहम हिस्सा बनाने पर जोर देते हुए कहा, परिस्थितियां बदलती रहती हैं।

भिवानी की कोमल मां को सिखा रही अंग्रेजी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को हरियाणा के युवाओं के साथ फोन पर भी बातचीत की। उन्होंने भिवानी जिला की कोमल पंवार से बातचीत की। इस लड़की ने सीएम को बताया कि वह आजकल रामायण धारावाहिक देख रही है। इसके बारे में उसने केवल सुना था। खाली समय के दौरान वह अपनी मां के साथ खाना बनाने व कपड़े धुलवाने में सहायता करने के अलावा अपनी मां को अंग्रेजी सिखा रही है।

कर्ण को मिला परिवार से बातचीत का मौका

सीएम ने बहादुरगढ़ के कर्ण अहलावत से भी फोन पर बातचीत की। कर्ण ने बताया कि पहले उनकी दिनचर्या बदल चुकी थी। परिवार का प्रत्येक व्यक्ति व्यस्त था, लेकिन लॉकडाउन का सबसे बड़ा लाभ परिवारिक वार्तालाप का हुआ है।

योग व ध्यान में जुटे पंचकूला के विशाल

पंचकूला के विशाल मक्कड़ ने सीएम से बातचीत में बताया कि आजकल वह योग व ध्यान कर रहे हैं। पुराने शौक जैसे कार्टून इत्यादि बनाने के साथ-साथ माता-पिता की सेवा कर रहे हैं। सीएम ने कहा, हमें अपने परिवार के लोगों के साथ आपस में बातचीत करते रहना चाहिए और इतिहास की बातें बुजुर्गों के साथ साझा की जा सकती हैं।

नल्हड़ मेडिकल कॉलेज, कोविड-19 अस्पताल घोषित

सरकार ने नूंह (मेवात) के नल्हड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज को विशेष रूप से कोविड-19 अस्पताल घोषित कर दिया है। मेडिकल कॉलेज में 600 बैड की क्षमता है। यहां सभी प्रकार के चिकित्सा उपकरण की उपलब्धता और आपूर्ति है। कोरोना संकट समन्वय समिति की बैठक के दौरान मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा ने यह खुलासा किया।

खाद्य सामग्री की कमी नहीं, डेढ़ माह का एडवांस राशन

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का कहना है कि प्रदेश में खाद्य सामग्री में कोई कमी नहीं है। सरकार ने डेढ़ माह के राशन का एडवांस प्रबंध किया हुआ है। खाद्यान्नों से गोदाम भी भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दाल, सरसों व तेल आदि की आपूर्ति भी तेजी से हो रही है। प्रदेशभर में राशन को लेकर जिलों से रोजाना रिपोर्ट मुख्यालय पहुंच रही है। लॉकडाउन में आम लोगों को किसी तरह की दिक्कत न आए, इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग हो रही है। प्रदेश में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग दुष्यंत के पास ही है। दुष्यंत ने कहा कि इस घड़ी में विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पूरी मेहनत से अपने काम में जुटे हैं।

हरियाणा की आयुष डिस्पेंसरी में तुलसी, दालचीनी, सोंठ और काली मिर्च बेचेगी सरकार

दो बार हल्दी वाला दूध और हर्बल टी बढ़ाएगी रोग प्रतिरोधक क्षमता

दिनेश भारद्वाज/ट्रिन्यू
चंडीगढ़, 4 अप्रैल

कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे पूरे देश के सामने हरियाणा ने इस वायरस से बचाव का नया उपाय बताया है। सरकार का मानना है कि आयुर्वेदिक उपायों को अगर अपनाया जाएगा तो कोरोना वायरस से लड़ने के लिए प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। रोजाना दो गिलास हल्दी वाला दूध और इसी तरह से दिन में दो बार हर्बल चाय इस बीमारी से लड़ने में आपकी काफी मदद कर सकती है।

- कोरोना से लड़ने के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने बताए नये उपाय
- वायरस रोकथाम व प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर होंगे उपाय

चंडीगढ़ में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए।

प्रदेश के स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री अनिल विज ने शनिवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बातचीत में यह दावा किया। इससे पहले उन्होंने स्वास्थ्य व आयुष विभाग के आला अफसरों के साथ चंडीगढ़ में आपात बैठक भी की। यह बैठक प्रदेश में कोरोना के पॉजिटिव केस बढ़ने की वजह से बुलाई गई। अधिकारियों से जिलवार रिपोर्ट ली गई है। साथ ही, पुलिस विभाग के आला अफसरों को कहा गया है कि वे लॉकडाउन को सख्ती से लागू करें।

विज ने आयुष विभाग के आला अफसरों को निर्देश भी दे दिए हैं कि वे सभी आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी में तुलसी, दालचीनी, सोंठ, काली मिर्च व मुनक्का आदि की बिक्री करेगी। विज का कहना है कि दिन में दो बार 150 एमएल गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी चूर्ण लेने से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। इसी तरह से तुलसी, दालचीनी, काली मिर्च, सोंठ व मुनक्का से बनी हर्बल टी और काढ़ा दिन में दो बार पीने से भी कोरोना से लड़ने में मदद मिलेगी।

विज ने प्रदेश के लोगों को सलाह दी है कि वे दिन में अधिक से अधिक गर्म पानी लें। फ्रीज के ठंडे पानी व दूसरे ठंडे पदार्थों से बचें। हालांकि डॉक्टरों द्वारा इस तरह के उपायों से फायदा होने के ठोक प्रमाण नहीं होने की बात कही जाती रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय व डब्ल्यूएचओ भी इस बारे में कई बार सफाई दे चुके हैं। ऐसे में विज द्वारा सुझाए गए ये उपाय कितने कारगर होंगे यह तो कह नहीं सकते लेकिन उन्होंने आयुर्वेद के प्रति अपनी आस्था को फिर से जता दिया है।

शुरू से रहे हैं पक्षधर

अनिल विज शुरू से ही आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के पक्ष में रहे हैं। बेशक, वे राज्य के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं लेकिन आयुर्वेदिक अस्पतालों व डिस्पेंसरी पर भी उनका फोकस रहा है। वे मोरनी में वर्ल्ड हर्बल फोरेस्ट बनाने का ऐलान भी कर चुके हैं। इसके लिए स्वामी रामदेव की पतंजलि योगपीठ के साथ एमओयू भी किया गया है।

कैथल में शनिवार को कोरोना संक्रमित व्यक्ति के परिवार को अस्पताल ले जाती स्वास्थ्य विभाग की टीम। -हप्र

निजामुद्दीन से लौटे 8 में से 2 की रिपोर्ट पॉजिटिव

भिवानी में सामने आये कोरोना के 2 मामले

परिवार के 14 लोगों सहित 22 को किया अस्पताल में क्वारंटाइन

अजय मल्होत्रा/हप्र
भिवानी, 4 अप्रैल

भिवानी जिला अभी तक कोरोना के कहर से बचा हुआ था, लेकिन निजामुद्दीन से लौटे लोगों ने भिवानी को भी कोरोना की भेंट चढ़ा दिया है। पहली बार 2 केस पॉजिटिव आने पर स्वास्थ्य विभाग के साथ आमजन में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है और इन दोनों लोगों के संपर्क में आए परिवार के 14 लोगों सहित 22 लोगों को लोहानी अस्पताल में क्वारंटाइन कर आमजन से पहले से कहीं ज्यादा सजग होने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के निजामुद्दीन से जमात कर बहुत से लोग मार्च माह के अंत तक अपने-अपने गांव लौटे थे। ऐसे ही कुछ लोग भिवानी व आसपास के गांवों में आए थे। ऐसे लोगों व उनके संपर्क में आए 22 लोगों को लोहानी अस्पताल में क्वारंटाइन किया गया था। इनमें से संदिग्ध मान कर स्वास्थ्य विभाग ने 8 लोगों के सैंपल जांच के लिए 3 अप्रैल को रोहतक पीजीआई भेजे थे। इनमें से 2 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर हड़कंप मच गया। दोनों में से एक जिले के गांव मानहेरू से ताल्लुक रखता है व दूसरा गांव सण्डवा से है।

कोविड-19 के जिला कोर्डिनेटर डा. राजेश ने बताया कि देर रात रिपोर्ट आते ही स्वास्थ्य विभाग ने पुलिस के साथ मिलकर इन दनों के सम्पर्क में आए 14 परिवार के लोगों सहित 22 को गांव से लाकर लोहानी अस्पताल में बने क्वारंटाइन सेंटर में क्वारंटाइन कर दिया। इन दोनों के गांव में आस-पास के 50-50 घरों को भी सेनेटाइज कर दिया गया है।

भिवानी में शनिवार को गांव मानहेरू में तैनात पुलिस कर्मचारी। -हप्र

मानहेरू और सण्डवा गांव सील

सीएमओ डा. जितेंद्र ने बताया कि मानहेरू व सण्डवा दोनों गांवों को सील कर दिया गया है और वहां धारा 144 को सख्ती से लागू किया जा रहा है। गांव में पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की चौकसी बढ़ा दी गई है। दोनों गांवों में एक एक नोडल अधिकारी भी तैनात किया गया है। गांव में सभी लोगों की जांच भी की जायेगी। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति पॉजिटिव पाए गए हैं उनके परिवार सहित कुल 28 लोगों के सैंपल भी जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

कैथल में भी पहला केस जमात से लौटे व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव

ललित शर्मा/हप्र
कैथल, 4 अप्रैल

कैथल में कोरोना संक्रमण का पहला पॉजिटिव केस मिलने से प्रशासन की सांस फूल गई है। सुरक्षा के मध्यनजर प्रशासन ने महादेव कालोनी स्थित मदनी मदरसा के आसपास हर तरफ से सील कर दिया है। सिरटा रोड स्थित महादेव कालोनी निवासी करीब 62 वर्षीय व्यक्ति 30 मार्च को दिल्ली के निजामुद्दीन जमात से लौटा था।

एहतिहात के तौर पर उनका रक्त का सैंपल लेकर जांच के लिए टेस्ट लैब में भेजा था। शनिवार को रिपोर्ट आने पर मालूम पड़ा कि वह कोरोना पॉजिटिव है। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और संक्रमित व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को आइसोलेशन में भर्ती करवा दिया गया है। पुलिस महानिरीक्षक हरदीप दून, तहसीलदार सुदेश मैहरा और सीएमओ राकेश कुमार ने उपरोक्त व्यक्ति के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की है।

पुष्टि होने के बाद पुलिस ने महादेव कालोनी को 10 दिन के लिए सील कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और संक्रमित व्यक्ति के आसपास के घरों को क्वारंटाइन किया गया। संक्रमित व्यक्ति के परिवार के एक व्यक्ति, दो बच्चे एवं 2 महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग की टीम एम्बुलेंस में बैठाकर अस्पताल स्थित आइसोलेशन वार्ड में ले गई। इसी प्रकार पॉजिटिव व्यक्ति के मकान के पास स्थित मदनी मदरसा में मौजूद 16 बच्चे व 3 व्यक्तियों को क्वारंटाइन कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मदरसे व मस्जिद को सेनेटाइज किया। मदरसे के बाहर क्वारंटाइन का पोस्टर चस्पा कर दिया है।

4 आये थे दिल्ली से, 3 की रिपोर्ट आयी नेगेटिव

आईजी हरदीप दून ने मीडिया को बताया कि तबलीगी जमात से कैथल में 4 व्यक्ति 30 मार्च को आए थे। 30 मार्च को सभी को सरकारी अस्पताल में बने विशेष वार्ड में भर्ती करवाया गया और सभी के सैंपल लिए गए। इनमें से 3 व्यक्तियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है तथा एक व्यक्ति की पॉजिटिव आई है। जिस व्यक्ति की रिपोर्ट पोजिटीव आई है वह सिरटा रोड पर रहता है।

पहली मार्च के बाद हरियाणा आने वाले जमाती संदिग्धों की सूची में

निजामुद्दीन से लौटे सभी जमातियों के टेस्ट कराएगी प्रदेश सरकार

विदेशियों के खिलाफ दर्ज केस पर उपचार के बाद कार्रवाई

चंडीगढ़, 4 अप्रैल (ट्रिब्यून)

हरियाणा सरकार ने उन सभी जमातियों का कोरोना का टेस्ट करवाने का फैसला लिया है, जो निजामुद्दीन मरकज से आए हैं। साथ ही, पहली मार्च से अब तक प्रदेश में एंट्री करने वाले जमातियों को कोरोना संदिग्धों की सूची में रखा है। यह फैसला इसलिए करना पड़ा क्योंकि राज्य में पिछले 2 दिन से बढ़ रहे कोरोना के मामलों में अधिकांश पॉजिटिव केस जमातियों के हैं।

वहीं दूसरी ओर, हरियाणा पुलिस द्वारा 107 विदेशी जमातियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर में बड़ी कार्रवाई अब इन मरीजों के ठीक होने के बाद ही होगी।

हरियाणा पुलिस ने 5 जिलों में 107 जमातियों के खिलाफ पासपोर्ट एक्ट का उल्लंघन करने के आरोपों में केस दर्ज किए हैं। हरियाणा में अभी तक 1372 तबलीगी जमाती मिल चुके हैं। इनमें 302 मूल रूप से हरियाणा के हैं और 964 देश के अन्य राज्यों के हैं। राज्य पुलिस ने पंचकूला में 115, गुरुग्राम में 26, फरीदाबाद में 136, अंबाला में 45, पानीपत में 93, सोनीपत में 32, नूंह में 652, चरखी दादरी में 17, जींद में 8, पलवल में 87, कैथल में 8, करनाल में 1, यमुनानगर में 137 और कुरुक्षेत्र में 3 जमातियों का पता लगाया है।

पुलिस का कहना है कि पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के डर से जमाती मस्जिदों से तो बाहर निकल गए, लेकिन अपनी जान पहचान के लोगों के घरों में छिपे हुए हैं। 4 दिन पहले तक सिर्फ 3 दर्जन जमातियों के हरियाणा में आने की सूचना दी, लेकिन खुफिया एजेंसियां, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें पीछे पड़ी तो यह संख्या बढ़कर अब 1300 से अधिक हो गई। इनमें 107 विदेशी जमाती हैं, जिनके कोरोना टेस्ट हो रहे हैं।

हरियाणा की मस्जिदों को पहले ही बंद कराया जा चुका है। राज्य सरकार ने सभी जमातियों को क्वारंटाइन पर रखा है। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की अध्यक्षता में हुई शहरी निकाय, स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग की एक बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य में एक माह की अवधि के दौरान जितने भी तबलीगी जमाती हरियाणा में प्रवेश हुए हैं, उन सभी के कोरोना टेस्ट कराए जाएं। इनकी संख्या करीब 500 बताई जा रही है, जो एक माह पहले राज्य में घुसे हैं। हरियाणा में करीब 900 तब्लीगी जमाती एक माह की अवधि से पहले ही आ चुके थे। जिन लोगों को यहां पहुंचे 2 माह बीत गए, उन्हें क्वारंटाइन पर तो रखा गया है, लेकिन उनके टेस्ट अनिवार्य नहीं किए गए।

ऐसे लोगों के संपर्क में आने वाला हर शख्स प्रशासन को सूचना दे

प्रदेश के गृह और स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि जो भी व्यक्ति जमातियों के संपर्क में आया है वह प्रशासन को सूचित करें ताकि उनका टेस्ट करवाया जा सके। ढाई लाख पीपीई किट का आर्डर किया हुआ है। इसमें से कुछ किट आ चुकी हैं, जिनका वितरण प्रदेश के सभी नागरिक अस्पतालों में किया जा चुका है। कुल 772 वेंटीलेटर्स वर्तमान में हैं। करीब 250 का आर्डर दिया गया है। 146 वेंटीलेटर्स मेडिकल कालेज और 110 सरकारी अस्पतालों के लिए होंगे।

पलवल में 12 और जमातियों की रिपोर्ट पॉजिटिव, संख्या हुई 17

देशपाल सौरोत/हप्र
पलवल, 4 अप्रैल

शनिवार को पलवल में जमात से जुड़े 12 और नये व्यक्तियों को कोरोना पॉजिटिव मिला है। 2 दिन पहले भी इसी जमात से जुड़े 3 बांग्लादेशी व्यक्तियों को कोरोना पॉजिटिव मिला था। अब इस जमात से जुड़े कुल 17 व्यक्ति पलवल में कोरोना पॉजिटिव हैं। यह सभी हरियाणा से बाहर प्रांतों के बताए गए हैं। पलवल हरियाणा का पहला ऐसा जिला बन गया है जो कोरोना संक्रमण में पहले पायदान पर पहुंच गया है। जिला के सीएमओ डॉ. ब्रह्मदीप सिंह ने इसकी पुष्टि कर दी है। जिला स्वास्थ्य विभाग की प्रवक्ता डॉ. सुषमा चौधरी ने बताया कि शनिवार तक पलवल में कुल 536 व्यक्तियों को विशेष निगरानी में रखा गया है।

इनमें जमात मरकज से जुड़े 94 व्यक्ति हैं जिनमें 10 बांग्लादेशी भी शामिल हैं जबकि 99 ऐसे भारतीय हैं जो विदेश होकर आए हैं। उन्होंने बताया कि आज जो 12 कोराना पॉजिटिव मिले है वे तेलंगाना, बिहार, वेस्ट बंगाल, कर्नाटक, चेंन्नई के हैं। ये सभी निजामुद्दीन से जमात के बाद पलवल के हथीन क्षेत्र के गांवों में पहुंच गए थे। अभी भी एक बांग्लादेश व एक बिहार के व्यक्ति की रिपोर्ट का इंतजार है।

36 गांव सील, घर-घर स्क्रीनिंग

वहीं दूसरी तरफ डीसी नरेश नरवाल ने जिले के 9 गांवों को कंटेनमेंट जोन, जबकि 27 गांवों को बफर जोन घोषित कर दिया हैं। इन सभी 36 गावों की सीमाएं पूरी तरह से सील कर दी गई हैं। इसके अलावा 7 नए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं, जबकि कंटेनमेंट जोन में घर-घर स्क्रीनिंग व थर्मल स्कैनिंग में आशा व एएनएम की 45 टीमें गठित की गई हैं। वहीं सुपरविजन के लिए 5 आंगनवाड़ी सुपरवाइजर व 2 सीडीपीओ भी नियुक्त की गई हैं। सैकड़ों संदिग्ध लोगों को पलवल के एक निजी कॉलेज में वार्ड बनाकर क्वारंटीन किया जा रहा है।

फरीदाबाद में 8 और मिले पॉजिटिव

राजेश शर्मा/हप्र
फरीदाबाद, 4 अप्रैल

2 दिन की शांति के बाद आज एकाएक 8 मरीजों में कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि के बाद औद्योगिक नगरी में हड़कंप मच गया है। जिला प्रशासन से लेकर स्वास्थ्य विभाग मरीजों की बढ़ती संख्या को लेकर काफी चौकन्ना हो गया है। वहीं पुलिस विभाग ने और अधिक सख्ती शुरू कर दी है। जिसके तहत 35 लोगों को लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को 8 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि की है।

इनमें से 5 संक्रमित तब्लीगी जमात से संबंधित हैं, जबकि ग्रीन फील्ड कॉलोनी में एक सैन्य अधिकारी व उसकी पत्नी सहित 3 लोग वायरस की चपेट में आए हैं। सभी की हालत में स्थिर है। इसके अलावा उपाचाराधीन दो संक्रमित ठीक होने की कगार पर हैं। इनकी एक-एक रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। तीसरी रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 6 से बढ़कर आज 14 हो गई है। पांचों तबलीगी जमात के लोग फरीदाबाद से ही हैं। इनमें से 3 निजामुद्दीन में मरकज में शामिल हुए थे, जबकि 2 उत्तर प्रदेश के एटा एवं मैनपुरी में हुई जमात के कार्यक्रम लौटे थे। अभी तक 117 तबलीगी जमात के लोगों की पहचान की जा चुकी है।

दोनों घूमने आये थे दादरी, 11 रिश्तेदार किये आइसोलेट

चरखी दादरी (निस) : कोरोना वायरस के 2 पॉजिटिव केस भिवानी से सामने आने के बाद चरखी दादरी प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। दरअसल इन 2 केसों में एक चरखी दादरी से लगते गांव से है और दोनों कोरोना मरीज पिछले दिनों चरखी दादरी घूमने आ चुके हैं। ऐसे में जिला प्रशासन ज्यादा अलर्ट हो गया है।

भिवानी के दोनों पॉजिटिव मिले लोग चरखी दादरी में अपने रिश्तेदारों के घर आए थे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों के 11 लोगों को आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट करवाया जा रहा है। सभी के सैंपल जांच के लिए रोहतक पीजीआई भेजे जाएंगे। वहीं निजामुद्दीन से लौटे जमात के लोगों से संपर्क में आने वाले 293 लोगों को ट्रेस कर लिया है। एसडीएम संदीप अग्रवाल ने बताया कि जिले को पूरी तरह से सील किया गया है। वाहनों के साथ-साथ लोगों की भी जांच की जा रही है। सीएमओ डा. प्रदीप शर्मा ने बताया कि पॉजिटिव केस मिलने पर स्वास्थ्य विभाग पहले से ज्यादा अलर्ट है। भिवानी के पॉजीटीव दोनों लोग दादरी अपनी रिश्तेदारी में आए थे।

उनको विभाग ने ट्रेस करते हुए 11 लोगों को आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया है। साथ ही इनके सैंपल लेकर जांच के लिए रोहतक पीजीआई भेजे जाएंगे।

चरखी दादरी में शनिवार को पुलिस नाके का निरीक्षण करते एसडीएम संदीप अग्रवाल। -निस

जिले में अब तक 207 मामले

सोनीपत में जमात से जुड़े 12 और संदिग्ध केस

सोनीपत, 4 अप्रैल (हप्र)

सोनीपत में पिछले 24 घंटे के दौरान 12 नये कोरोना संदिग्ध सामने आए हैं। इन्हें आईसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। इनके सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवा दिए है। इनकी जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अभी तक सोनीपत जिले में 207 कोरोना संदिग्ध पाए गए हैं। इनमें से 126 की रिपोर्ट आ चुकी है और 81 की रिपोर्ट आना बाकी है। इनमें से केवल एक पॉजिटिव केस पाया गया था, जो ठीक होकर घर पहुंच चुका है। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जो जमात के लोग हाल के 3 दिनों में सामने आए हैं, इनमें पॉजिटिव केस न हों। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। अगले दो दिनों तक उम्मीद है कि इनमें से अधिकतर की रिपोर्ट आएगी। कोरोना के नोडल अफसर डा. दिनेश छिल्लर का कहना है कि रिपोर्ट का इंतजार है, इसके बाद स्थिति साफ हो सकेगी। फिलहाल, जहां से भी सूचना आती है, वहां टीम लगातार लोगों को रेस्क्यू कर रही है। सबसे बड़ी परेशानी यह आ रही है कि सामने से आकर लोग जानकारी नहीं दे रहे हैं।

डीसी डा. अंशज सिंह ने बताया शनिवार तक सोनीपत में विदेश से आने वाले लोगों का आंकड़ा 324 है। सभी व्यक्तियों को क्वारंटाइन किया जा रहा है। इनमें 321 व्यक्तियों ने 14 दिन की निर्धारित समयावधि का क्वारंटाइन पूरा कर लिया है। 28 दिन की समय सीमा का क्वारंटाइन पूरा करने वाले लोगों की संख्या 58 है। अभी तीन लोगों का 14 दिन की समयावधि का क्वारंटाइन जारी है और 3 को होम क्वारंटाइन किया जा रहा है।

दावा एनआईटी कुरुक्षेत्र के प्रोफेसर ने बनाया वेंटीलेटर

कुरुक्षेत्र, 4 अप्रैल (एस)

आज देश दुनिया में जहां कोरोना वायरस ने असंख्य लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. ललित मोहन सैनी ने न्यूनतम लागत मूल्य वाला वेंटीलेटर तैयार करने का दावा किया है। इसे बनाने में मात्र 3500 रुपये खर्च आया, वो भी बैटरी बैकअप के साथ।

प्रो. ललित मोहन सैनी ने बताया कि अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में उनके द्वारा अपने एक विद्यार्थी और एक चिकित्सक के साथ मिलकर बनाया गया कम लागत वाला ये वेंटीलेटर मरीजों को कृत्रिम सांस उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा।

उन्होंने दावा किया कि वेंटीलेटर को डायरेक्ट एसी पर भी चलाया जा सकता है। ये ऑटोमेटिक सिस्टम से चलता रहता है, जिसका वॉल्यूम डॉक्टर मरीज की आयु के हिसाब से कम ज्यादा भी कर सकते हैं। सप्लाई बंद होने के स्थिति में भी ये वेंटीलेटर बैटरी बैकअप पर भी कुछ समय तक चलता रहेगा। इसका पेटेंट भी कराया है। इसे बनाने में 3 महीने का समय लगा है।

बैटरी बैकअप पर भी कुछ समय तक करेगा काम

कुरुक्षेत्र में एनआईटी के प्रोफेसर द्वारा बनाया गया वेंटीलेटर। -एस

जमातियों को ढूंढ़ने का अभियान तेज

नूंह/मेवात, 4 अप्रैल (निस)

जिला नूंह (मेवात) में कोरोना वायरस संक्रमण के 4 पॉजिटिव मामले सामने आने से जिला प्रशासन के जमातियों को ढूंढने के काम में तेजी आई हैं।

जमातियों के मोबाइल फोन डिटेल के जरिये भी उनका रिकार्ड खंगाला जा रहा हैं। प्रशासन ने जिला के गांवों को जोडने वालें छोटे-बड़े सभी रास्तों को बंद करने की कवायद शुरू कर दी है और सभी शहर व ग्राम पंचायतों के नम्बरदार, चौकीदार, आशा, स्वास्थ्य एवं आंगनवाडी वर्करों आदि को तबलीगी जमात आदि के लिए सचेत रहने के निर्देश दिये हैं। शनिवार को एडीजीपी दक्षिण रेंज डा. आरसी मिश्रा ने नूंह खण्ड के गांव सालाहेडी स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय के एकान्तवास सेन्टर पहुंचकर वहां रुके 102 जमातियों के बारे में जानकारी ली तथा ड्रोन के जरिये पूरी निगरानी करने के आदेश दिये।

10 शुगर मिलों को दिये 169 करोड़, अब तुरंत हो किसानों के बकाये का भुगतान

चंडीगढ़, 4 अप्रैल (ट्रिब्यू)

हरियाणा में किसानों के हितों को देखते हुए राज्य सरकार ने आज गन्ने के बकाया के भुगतान के लिए 169 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है। यह राशि राज्य की 10 चीनी मिलों को जारी की गई है और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि राज्य के गन्ना फसल के किसानों के बकाया का भुगतान किया जाए ताकि वर्तमान में उत्पन्न हुई स्थिति में उन्हें सहयोग मिल सकें।

सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने शनिवार को यहां कहा कि पानीपत सहकारी चीनी मिल को 15.80 करोड़ रुपये, रोहतक को 27.30 करोड़, करनाल को 18.30 करोड़, सोनीपत को 21.10 करोड़, शाहाबाद को 3.70 करोड़, जींद को 13.50 करोड़, पलवल को 25.35 करोड़, महम को 17.20 करोड़, कैथल को 19.15 करोड़ तथा गोहाना शुगर मिल को 7.60 करोड़ रुपये जारी किए हैं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि किसानों के हितों को देखते हुए राज्य सरकार ने पानीपत, करनाल और फतेहाबाद जिलों के किसानों की सरप्लस गन्ने की फसल को अन्य चीनी मिलों में भेजने का निर्णय लिया ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। पानीपत से गोहाना की सहकारी चीनी मिल को 2 लाख क्विंटल गन्ने की फसल भेजी गई है जबकि पानीपत से महम की सहकारी चीनी मिल को 3 लाख क्विंटल गन्ने की फसल भेजी है।

बनवारी लाल ने बताया कि इसी प्रकार पानीपत से भादसों की चीनी मिल को 5 लाख क्विंटल गन्ना भेजा गया है तथा करनाल से नारायणगढ़ की चीनी मिल को भी पांच लाख क्विंटल गन्ने की सरप्लस पैदावार भिजवाई गई है।

फसल कटाई और रखरखाव के लिए दें 10 हजार रुपये एडवांस : भाकियू

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि आपात स्थिति को देखते हुए किसानों को फसल की कटाई व रखरखाव के लिए दस-दस हजार रुपये एडवांस दिए जाएं और बाद में यह राशि उनकी फसल बिक्री से काट ली जाएगी। भाकियू के प्रधान गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने शनिवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को एक पत्र लिखकर कहा कि गेहूं व सरसों के सीजन लेट होने के कारण व किसानों की फसल खरीद में देरी के चलते किसान के पास पैसे की भारी कमी रहेगी। उसे गेहूं व सरसों काटने वाली मशीन की कटाई देने व फसल रखरखाव के लिए पैसे की सख्त जरूरत है, इसलिए सरकार किसानो को दस हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से पैसा उपलब्ध करवाए।

गुरुग्राम में शनिवार को पुलिस कर्मियों की स्क्रीनिंग करते स्वास्थ्य कर्मचारी। -हप्र

गुरुग्राम में हो रही पुलिस कर्मियों की स्क्रीनिंग

गुरुग्राम, 4 अप्रैल (हप्र)

लॉकडाउन के कारण नाकों व ग्राउंड ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों, मार्शल और होमगार्ड्स के स्वास्थ्य की जांच और उनकी स्क्रीनिंग का कार्य तेज कर दिया गया है। अलग-अलग डॉक्टर्स की टीम ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की स्क्रीनिंग कर रही है। गुरुग्राम में करीब 7500 सुरक्षा कर्मी ग्राउंड ड्यूटी पर तैनात हैं। जिलेभर में 200 से ज्यादा नाकों व विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी दे रहे पुलिसकर्मियों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए उनकी स्क्रीनिंग की जा रही है। दरअसल पुलिसकर्मियों की ड्यूटी इन दिनों चौबीसों घंटे ज्यादातर नाकों पर ही लगी है। पुलिस कमिश्नर अकील मोहम्मद का कहना है कि पुलिसकर्मी चौबीसों घंटे नाके पर ड्यूटी दे रहे हैं। यह कार्य बेहद सख्त और संवेदनशील है। एतिहाद के तौर पर सभी पुलिसकर्मियों की स्क्रीनिंग का कार्य करवाया जा रहा है और यह लगातार चलेगा।

संक्रमण मामले का असर

गांव रसीन पूरी तरह सील, नाके पर 24 घंटे पुलिस तैनात

हसनपुर, उपली को घोषित किया गया बफर जोन, ग्रामीणों ने लगाया नाका

घरौंडा के गांव रसीन में शनिवार को नाकेबंदी के दौरान तैनात पुलिस कर्मचारी। -निस

हरिकृष्ण आर्य/निस
घरौंडा, 4 अप्रैल

रसीन गांव में कोरोना संक्रमण का मामला सामने आने के बाद प्रशासन हाई अलर्ट पर है। प्रशासन ने रसीन गांव को पूरी तरह से सील कर दिया, वहीं नजदीकी गांव हसनपुर व उपली को बफर जॉन घोषित कर दिया गया है। जहां रसीन गांव के मेन एंट्री प्वाइंट पर पुलिस ने नाकेबंदी की हुई है, वहीं गांव के अंदर गली-गली में ठीकरी पहरे लगाए गए हैं। किसी भी व्यक्ति को गांव से बाहर तो क्या घर से बाहर निकलने की भी इजाजत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर ग्रामीणों के टेस्ट किए। हालांकि इस टेस्ट में किसी भी व्यक्ति में कोरोना के लक्षण नहीं मिले।

शनिवार को एसडीएम गौरव कुमार ने गांव रसीन की स्थिति का जायजा लिया। रसीन गांव में उपली, बीजना व हसनपुर की तरफ से आने वाले रास्तों पर नाकेबंदी की गई है। शुक्रवार शाम को ही गांव के 321 परिवारों की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच की थी। इसके अलावा शनिवार को साथ लगते गांव उपली व हसनपुर में भी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों की जांच की है, जिसमें सभी स्वस्थ पाए गए हैं।

मेडिकल कॉलेज के 53 कर्मियों के सम्पर्क में आया था कोरोना पीड़ित

करनाल (हप्र) : करनाल के रसीन गांव का कोरोना वायरस पॉजीटिव व्यक्ति पिछले कुछ दिनो में जिन-जिन लोगों के सम्पर्क में आया था, उनकी पहचान कर ली गई है। इनमें कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज के 53 कर्मचारी हैं। उनके सैम्पल लैब में भेज दिए हैं तथा सभी का क्वारंटाइन कर दिया गया है। यह जानकारी उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस पॉजीटिव व्यक्ति के परिवार के 12 सदस्यों को कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को रसीन गांव में एक 58 वर्षीय बुजुर्ग को कोरोना संक्रमण होने की पुष्टि हुई थी। बुजुर्ग को बीती 25 मार्च को करनाल के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। चंडीगढ़ पीजीआई से आई रिपोर्ट में 58 वर्षीय ग्रामीण में करोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है।

वायरस को धर्म से जोड़ना गलत : शिक्षा मंत्री

उच्चस्तरीय अस्पताल एक हफ्ते में हुआ तैयार

राहत अब तक भेजे गए सभी 43 सैंपल नेगेटिव

यमुनानगर में तैयार हुए उच्च स्तरीय अस्पताल का शनिवार को निरीक्षण करते शिक्षा मंत्री कंवर पाल। -हप्र

सुरेंद्र मेहता/ हमारे प्रतिनिधि
यमुनानगर, 4 अप्रैल

यमुनानगर जिला के लोगों के लिए राहत की बात है कि जमात से आए लोगों समेत अब तक भेजे गए सभी 43 सैंपल नेगेटिव आए हैं। अभी भी 11 सैंपल का इंतजार है। उधर कोरोना के चलते ईएसआई अस्पताल में प्रशासन व आईएमए के सहयोग से उच्चस्तरीय वैकल्पिक अस्पताल तैयार कर दिया गया है। इस अस्पताल को 8 दिनों में तैयार किया गया है।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने ईएसआई अस्पताल में बने कोरोना उच्चस्तरीय वैकल्पिक अस्पताल का दौरा किया तथा व्यवस्था का निरीक्षण किया। शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग, यमुनानगर कोरोना की जंग के लिये तैयार है। उन्होंने कहा कि कोरोना एक महामारी है तथा कोई भी इसे किसी धर्म विशेष से न जोड़े। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. विजय दहिया ने बताया कि वैकल्पिक अस्पताल में 16 बैड हैं, जिसमें केन्द्रीय ऑक्सीजन व्यवस्था के साथ-साथ चार वेंटीलेटर, मल्टीपेरा मोनिटर्स हैं। अस्पताल की दूसरी मंजिल पर संदिग्ध मरीजों के लिये अलगाव वार्ड की व्यवस्था कर दी गयी है।

करनाल के गांव में अजब नजारा

फ्री की मुर्गियों से उड़ी कढ़ाही चिकन की दावतें

विजय शर्मा/हप्र
करनाल 4 अप्रैल

करनाल से सटे गांव रांवर में आज अजब नजारा था। घर-घर कढ़ाही चिकन की दावत उड़ाने की तैयारियां थीं। एक हैचरी से फ्री बांटी जा रही मुर्गियों को लाने के लिए लोगों में होड़ लगी हुई थी। कोई कट्टे में मुर्गियां भरकर ले गया तो कोई थैले में। आखिर प्रशासन को सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और गांव में एहतियात बरतने की मुनादी करवाई गई। इधर, पोल्ट्री प्रबंधकों ने भी माफी मांगते हुए कहा कि भविष्य में वह फ्री में मुर्गियां नही बांटेंगे।

जानकारी के अनुसार गांव के बाहर बने पोल्ट्री फार्म से बीती देर शाम को बूढ़ी मुर्गियां बांटने का सिलसिला शुरू किया गया। सुबह समाजसेवियों ने लोगों को आगाह किया कि फ्री में बांटी गई मुर्गियां बीमार हो सकती हैं, इसलिए वह उन्हें न खाएं, पर चिकन प्रेमियों ने उनकी एक नहीं सुनी। फार्म से कट्टे में भरकार 20 मुर्गियां लाए पाली ने मीडिया से कहा कि सरपंच ने लॉकडाउन के बाद आज तक राशन तक नहीं बंटवाया। हम भूखे हैं..मरना है तो फिर मुर्गा खाकर क्यों न मरूं। उन्होंने कहा कि पोल्ट्री वालों ने कहा है कि खाने से कुछ नहीं होगा। खूब चिकन खाओ।

गांव की बुजुर्ग महिला भूली देवी ने कहा कि मुफ्त की मुर्गियां देखकर लोगों की बुद्धि भ्रष्ट हो गई है। कट्टे भरकर ला रहे हैं मुर्गियों के। हम रोकेंगे तो ये हमारे सिर पर भी लट्ठ मारेंगे। गांव के समाजसेवी रिंकू ने बताया कि पोल्ट्री फार्म से बूढ़े बीमार, यहां तक कि मरे हुए मुर्गे भी बांट दिए गये। इससे बीमारी फैलने की आशंका है। गांव में ठीकरी पहरे लगे होने के

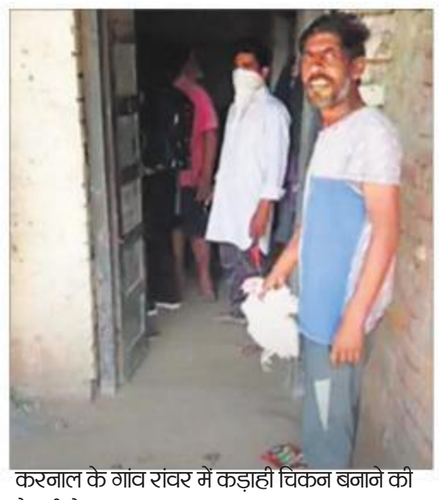

करनाल के गांव रांवर में कड़ाही चिकन बनाने की तैयारी में जुटा युवक। -हप्र

बावजूद बड़ी संख्या में लोग मुर्गियां लेने के लिए हैचरी पर कैसे पहुंच गए, इस सवाल पर महिला सरपंच के परिजनों ने कहा कि कोई दवा लेने के बहाने निकला तो कोई घास लाने का बहाना बनाकर।

इस बीच गांव में ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में पहुंचे पुलिस बल ने लोगों को भीड़भाड़ न करने और कोरोना के प्रति एहतियात बरतने की सलाह देते हुए कहा कि वह सचेत रहें। हैचरी प्रबंधकों ने अधिकारियों से माफी मांगते हुए कहा कि भविष्य में वह मुर्गियों का फ्री वितरण नहीं करेंगे। कोरोना वायरस के बाद से पोल्ट्री उद्योग संकट में है। चार रुपये के अंडे की कीमतें गिरकर दो रुपये तक आ गई हैं और चिकन के खरीददार नहीं मिल रहे। ऐसे में उन्होंने फ्री में मुर्गियां बांटने की योजना बना डाली।

30 संदिग्धों की भी रिपोर्ट आई नेगेटिव

कुरुक्षेत्र, 4 अप्रैल (हप्र)

3 अप्रैल को भेजे गए 30 सैम्पलों की रिपोर्ट भी नैगेटिव आई है। जिला कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस का अभी तक कोई भी पॉजिटिव केस नहीं है। इस जिले से शनिवार को 2 ओर संदिग्ध व्यक्तियों सैम्पल कोरोना वायरस टेस्ट के लिए लैब में भेजा गया है। इस प्रकार अब इस जिले से 2 संदिग्ध व्यक्तियों के सैम्पल की रिपोर्ट आनी बाकी है। जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने शनिवार को देर सायं जारी हेल्थ बुलेटिन में कहा कि कुरुक्षेत्र जिले से कोरोना वायरस टेस्ट के लिए 45 संदिग्ध व्यक्तियों के सैम्पल भेजे गए है, इसमें से 43 केस नेगेटिव आए हैं और 2 सैम्पलों के रिजल्ट आना बाकी है।

रिपोर्ट नेगेटिव आने पर 7 को किया होम क्वारंटाइन

जगाधरी (निस) : कोरोना को लेकर शनिवार का दिन कुछ राहत भरा रहा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के लिए भेजे गए सैंपलों की रिपोर्ट नेगेटिव आ गई। जानकारी के अनुसार इनमे सात लोग बूडिया इलाके के हैं। रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद विभाग ने इन्हें आइसोलेशन वार्ड से शिफ्ट कर घरों में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार ये 28 दिन तक घरों में क्वांरटाइन रहेंगे। स्वास्थ्य विभाग की इन पर नजर रहेगी।

4 माह से नहीं मिली पगार

जगाधरी, 4 अप्रैल (निस)

आईसीडीएस विभाग की सुपरवाइजरों को चार माह से वेतन नहीं मिला है। इससे इन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार बीते चार महीने से आंगनवाड़ी सुपरवाइजरों को वेतन नहीं मिला है। इससे इन्हें आर्थिक तंगहाली का सामना करना पड़ रहा है। नाम गुप्त रखने की शर्त पर एक सुपरवाइजर ने बताया कि उन्हें उधार पैसा लेकर घर चलाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि इसे लेकर अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया,लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं हुआ है। वहीं आईसीडीएस की प्रोगराम आफिसर सरिता चौहान का कहना है कि बजट की दिक्कत से यह स्थिति बनी है। दूसरे इलाकों में भी कुछ का वेतन रुका हुआ है। उनका कहना है कि इस माह बजट आने की उम्मीद है।

सीवन गौशाला सिर्फ 2 दिन का चारा

सीवन (निस) : आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही सीवन गौशाला में एक समस्या और आ गई है। सीवन गौशाला में गायों का सूखा चारा (तूड़ी) सिर्फ 2 दिनों का शेष रह गया है। इससे गायों को भर पेट चारा नहीं मिल सकेगा। हरा चारा वैसे ही कम आ रहा है। सीवन गौशाला सेवा समिति के प्रधान नरेंद्र सैनी ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता में बताया कि इस गौशाला में करीब 1500 गौवंश हैं।

सुरजेवाला ने करवाया दवा का छिड़काव, शिकायत दर्ज

कैथल में शनिवार को चार्ली टोरनाल्डो मशीन से दवाई के छिड़काव की शुरुआत करते रणदीप सुरजेवाला। -हप्र

कैथल, 4 अप्रैल (हप्र)

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कैथल के मॉडल टाउन से कोरोना संक्रमण से निजात दिलाने के लिए शहर में विशेष दवाई का छिड़काव करवाने की शुरुआत की। उन्होंने शहर के हर कोने तक चार्ली टोरनाल्डो नामक मशीन के तहत विशेष दवाई का छिड़काव करवाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार चार्ली टोरनाल्डो नामक मशीन में हाइड्रोक्लोराइड व दूसरी विशेष दवाइयों के मिश्रण के साथ कोरोना वायरस के संक्रमण को खत्म करने के लिए कैथल में मॉडल टाऊन से स्प्रे अभियान की शुरुआत की गई है। सुरजेवाला ने कहा कि यह मशीन हर मिनट में 75 लिटर घोल का स्प्रे करती है।

धारा 144 तोड़ने का आरोप

हरियाणा सरकार में स्पेशल पब्लिसिटी सैल के चेयरमैन रॉकी मित्तल ने लघु सचिवालय पहुंचकर आईजी हरदीप जून को कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला की शिकायत की है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि रणदीप सुरजेवाला अपने 100 से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ जींद रोड मॉडल टाउन में सेनेटाइजेशन के लिए एक ट्रैक्टर मशीन के साथ पहुंच गए। उन्होंने कहा कि सुरजेवाला व उसके कार्यकर्ताओं ने लॉकडाउन तोड़ते हुए, सोशल डिस्टेंसिंग नियम की अवहेलना व धारा 144 का उल्लंघन किया। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि हम सकारात्मक रूप से कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ रहे हैं। 2 से 3 दिन में पूरे शहर को कवर कर लेंगे। इसके बाद गांव में की तरफ रुख करेंगे।

क्या कहते हैं आईजी: आईजी हरदीप दून ने कहा कि रॉकी मित्तल ने रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ लॉकडाउन तोड़ने व धारा 144 का उल्लंघन किए जाने की शिकायत दी है। मामले की जांच के लिए एसपी को बोला है। रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ जो भी नियमानुसार कार्रवाई होगी, वह की जाएगी।

लॉकडाउन के आदेशों की अवहेलना 3 के खिलाफ एफआईआर

कुरुक्षेत्र में शनिवार को कोरोना वायरस के लॉकडाउन की प्रबंध व्यवस्था के बारे में अधिकारियों से बातचीत करते उपायुक्त। -हप्र

विनोद जिन्दल/हप्र
कुरुक्षेत्र, 4 अप्रैल

उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने कहा कि कोरोना वायरस की चेन को तोड़ने के लिए 14 अप्रैल तक लॉकडाउन के आदेश की उल्लंघना करने वाले 3 लोगों के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने एफआईआर दर्ज की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी व्यक्ति को आदेशों की अवहेलना नहीं करने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशासन की तरफ से गुरु रविदास धर्मशाला, जाट धर्मशाला, राधा स्वामी सत्संग भवन झांसा, मारकंडा मंदिर शाहबाद, राजकीय स्कूल पिहोवा, लाडवा में लगभग 557 प्रवासी मजदूरों को आश्रय दिया गया है। इसमें से देवी मंदिर शाहबाद से 2 महिलाओं को उनके घर मोहाली पंजाब में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक प्रशासन द्वारा 38 एफआईआर दर्ज की जा चुकी है तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 13 चालान किए जा चुके है।

राशन, भोजन, धन के साथ की जा रही मदद

कोरोना वायरस से जंग में सभी संग-संग

पिहोवा, 4 अप्रैल (निस)

कोरोना वायरस की जंग लड़ रहे जंग में सभी लोग अपना योगदान देने में लगे हुए हैं। जहां गरीबों के लिए अन्न व भोजन दान के लिए लोग आगे आए हैं, वहीं सरकार की सहायता के लिए भी लोगों ने अपने खजाने के दरवाजे खोल दिए। डेरा उदासीन, लोक भलाई ट्रस्ट मांडी की ओर से बाबा गुरविन्द्र सिंह ने खेलमंत्री संदीप सिंह को 5 लाख का चेक दिया। वहीं, जुरासी स्थित डेरा संत बाबा मानसिंह, माता बाला सुन्दरी मन्दिर कमेटी, सीतादेवी सदन, पंजाबी धर्मशाला, बाबा खाटूश्याम, दशमेश पेट्रोलियम, गुरुद्वारा सिंह सभा सहित अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं व दानियों तथा नन्हे बच्चों ने भी राहत कोष में सहयोग राशि खेलमंत्री को दी। हर तरफ राशन व भोजन बांटने वाले वाहनों में घूम रहे हैं तथा गरीबों व मजदूरों में जाकर भोजन बांट रहे हैं।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने किया राशन वितरित

पूंडरी (निस) : गांव पिलनी की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने संयुक्त रूप से राशन एकत्रित करके जरूरतमंद लोगों को राश वितरित किया। गांव में 13 सहायता समूह काम कर रहे है। इन समूह की महिला राखी, एकता, मिलन, विकास, तमन्ना, उषा शर्मा, प्रवेश रानी, सुदेश रानी, सीमा रानी, यशोदा व सुनीता रानी ने बताया कि उन्होंने सामूहिक रूप से पैसे व राशन एकत्रित कर ईंट भट्ठा मजदूरों में ये राशन वितरित करने का काम किया है।

शाहाबाद में शनिवार को खेलमंत्री संदीप सिंह को चैक सौंपते उद्योगपति एवं समाजसेवी यशपाल वधवा। -निस

उद्योगपति ने राहत कोष में दिए 2.51 लाख

शाहाबाद के उद्योगपति एवं समाजसेवी यशपाल वधवा ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 2 लाख 51 हजार रुपए दिए हैं। यह चेक उन्होंने खेलमंत्री संदीप सिंह को अपने निवास पर सौंपा। खेलमंत्री संदीप सिंह आज दीपक विहार स्थित यशपाल वधवा के निवास पर उनसे मिलने के लिए पहुंचे थे।

शिक्षण संस्थाओं ने सौंपा सहायता राशि का चेक

शाहाबाद मारकंडा (निस) : शाहाबाद की शिक्षण संस्थाओं माता रुकमणी स्कूल शाहाबाद व खरींडवा, आर्य कन्या महाविद्यालय, आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने शनिवार को प्रबंधक कमेटी की ओर से एक लाख एक हजार रुपए की राशि का चेक विधायक रामकरण काला को कोविड राहत फंड के लिए सौंपा। माता रुकमणि स्कूल के पदाधिकारी व सुनील गौरी सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

हरियाणा कोरोना वायरस फंड में दिये 25 लाख से ज्यादा

यमुनानगर (हप्र) : उपायुक्त मुकुल कुमार ने बताया कि 4 अप्रैल तक जिला की विभिन्न संस्थाओं ने 2535000 रूपये की राशि हरियाणा कोरोना रिलिफ फंड में जमा किए। उपायुक्त ने बताया कि 4 अप्रैल तक कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद के लिए श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर समिति गांव ढोका बसातीयांवाला 5 लाख रूपये, संत निश्चल सिंह मेमोरियल ट्रस्ट 2 लाख रूपये, लक्ष्मी केन क्रैशर 2 लाख रुपये, सनातन धर्म सभा यमुनानगर एक लाख 11 हजार रुपये, सोनिया गिल एक लाख रूपये, जगदेव कंबोज 21000 रुपये, विष्णु स्वरूप शर्मा एंड संस 20000 रुपये, हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी 5 लाख रुपये, राज राजकुमार सैनी 21000 रुपये, पॉली प्लास्टिक इंडस्ट्री यमुनानगर 5 लाख रुपये, कमला वर्मा एक लाख रुपये, अजय कुमार वालिया ने 30000 रुपये, गुरदेव सिंह सरपंच ग्राम पंचायत सरवन ने 51000 रुपये तथा कई अन्य ने 10-10 हजार की राशि का चेक हरियाणा कोरोना रिलीफ फंड में दिया।

जरूरतमंदों की सहायता को जुटी संस्थाएं

कुरुक्षेत्र (हप्र) : लॉकडाउन के चलते जरूरतमंदों को खाना विष्णु भगवान गुप्ता ने कहा कि शिक्षण संस्थान हर समय मदद के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर कुलदीप कंसल, जगप्रकाश आर्य, प्राचार्या संगीता शर्मा, निदेशक सतीश बत्तरा भी मौजूद रहे।

बैरागी महासभा धर्मशाला ने दिये एक लाख

कुरुक्षेत्र (हप्र) : समाजसेवी संस्था बैरागी महासभा धर्मशाला द्वारा आज थानेसर के विधायक सुभाष सुधा को मुख्यमंत्री कोरोना राहत कोष में एक लाख रुपए की राशि का चेक दिया गया। मुख्यमंत्री को चेक दिए जाने के अवसर पर धर्मशाला के प्रधान भीमसिंह, सचिव सुभाष मलिक, मदन भंडारी खिलाने और सूखा राशन देने में दर्जनों संस्थाएं सहयोग दे रही हैं। आज हरियाणा के पूर्वमंत्री अशोक अरोड़ा ने कई जरूरतमंदों को राशन तथा भोजन वितरित किया, वहीं 2 लाख रुपए कोरोना वायरस रिलीफ फंड में दिए। इंडिया वैन न्यूज की तरफ से उपायुक्त को 21 हजार रुपए का चैक सौंपा गया। एक अनुमान के अनुसार समाजसेवी संस्थाओं द्वारा लगभग 20 से 25 हजार लोगों को प्रतिदिन खाना वितरित किया जा रहा है।

राधास्वामी भवन में 350 लोगों के लिए प्रबंध

नारायणगढ़ (निस) : विधायक शैली चौधरी ने राधास्वामी सत्संग भवन नारायणगढ़, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककड़ माजरा व संत निरंकारी सत्संग भवन नारायणगढ़ का दौरा कर प्रवासी मजदूरों के ठहराव व खाने-पीने के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। प्रबंधकों ने विधायक शैली चौधरी को जानकारी देते हुए बताया कि राधा स्वामी सत्संग भवन नारायणगढ़ में नारायणगढ़ प्रशासन द्वारा प्रवासी मजदूरों एवं कामगारों को ठहराया गया है। राधा स्वामी सत्संग भवन नारायणगढ़ व शहजादपुर में लगभग 350 लोगों के ठहरने व खाने पीने तथा दवाई आदि का प्रबंध किया गया है। राधा स्वामी सत्संग घर नारायणगढ़ के सचिव रमन जग्गी ने बताया कि सत्संग घर में ठहरे हुए व्यक्तियों को तीनों समय का खाना व मेडिकल सुविधाएं दी जा रही हैं।

खरक पांडवा में कोई परिवार नहीं रहेगा भूखा

कलायत उपमंडल के गांव खरक पांडवा में शनिवार को जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरित करते एनआइई जसवीर सहारण। -निस

कलायत (निस) : उपमंडल के गांव खरक पांडवा से एनआरआई जसवीर सहारण ने लॉकडाउन के दौरान गांव के प्रत्येक जरूरतमंद परिवार के घर-घर राशन पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। जसवीर सहारण ने जय बाबा पागल पीर सेवा समिति को हर घर की चौखट पर राशन पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी है। बाबा पागल पीर सेवा समिति के प्रधान रामनिवास सहारण ने बताया कि शनिवार को समिति के सहयोग से करीब 150 परिवारों को राशन वितरित किया गया।

बंद फैक्टरी में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से हड़कंप

फरीदाबाद, 4 अप्रैल (हप्र)

डीएलएफ औद्योगिक क्षेत्र में लॉकडाउन के कारण बंद पड़ी फैक्टरी में शुक्रवार रात ऑक्सीजन का सिलेंडर फटने से हड़कंप मच गया। इसका धमाके की आवाज एक किलोमीटर के दायरे में सुनी गई। अंदर कोई कर्मचारी नहीं था, इसलिए किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। धमाके से औद्योगिक क्षेत्र से सटी स्प्रिंग फील्ड कॉलोनी और सेक्टर-31 में घरों के शीशे टूट गए। खिड़कियां हिल गईं। सेक्टर-31 थाना पुलिस ने आधे घंटे बाद उस फैक्टरी को पहचाना जिसमें धमाका हुआ था।

फार्म हाउस पर बर्थ-डे पार्टी में फायरिंग

रोहतक, 4 अप्रैल (निस)

गांव बोहर स्थित एक फार्म हाउस पर बर्थ-डे पार्टी मना रहे कुछ युवकों के बीच आपसी रंजिश के चलते फायरिंग हो गई। जिसमें युवक बच गये। पुलिस ने 6 युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गांव बोहर निवासी सज्जन और उसके 4 दोस्त गांव स्थित जन्मदिन मना रहे थे। जयभगवान ठेकेदार कुछ सामान लेने के लिए चला गया। इसी दौरान गांव का ही सुशील उर्फ पीपा, रविन्द्र उर्फ लम्बू 7 युवकों के साथ आया और मारपीट कर दी। सुशील, रविन्द्र ने पिस्तौल से फायरिंग कर दी।

अब कच्चा भोजन पहुंचाएंगी संस्थाएं

बाबैन-लाडवा (निस) : कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन के चलते कोई व्यक्ति भूखा पेट न सोए। इसके लिए लाडवा में अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं कार्य कर रही थीं। कुछ संस्थाएं जहां कच्चा राशन बांट रही थीं तो कुछ ने पका हुआ भोजन बांटने का काम किया हुआ था। लाडवा शहर में ही करीब 7 से 8 हजार लोगों का खाना बनाया जा रहा था, जबकि यहां मात्र डेढ़ से 2 हजार लोगों के लिए खाने की आवश्यकता है। इसका फायदा उठाते हुए कुछ ने अपने घरों में स्टॉक करना शुरू कर दिया था, साथ ही पका भोजन भी खराब ज्यादा हो रहा था। लाडवा एसडीएम अनिल यादव व पूर्व विधायक डा. पवन सैनी ने इसे रोकने के लिए शनिवार को लाडवा की सभी धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं की बैठक ली। बैठक के बाद एसडीएम अनिल यादव ने बताया कि जरूरतमंदों को राशन मिले तथा कोई भूखा न रहे इसके लिए पका भोजन बंद करवा दिया गया है। सभी संस्थाएं प्रशासन के सहयोग से कच्चा भोजन उन परिवारों तक पहुंचाएंगी, जो सच में जरूरतमंद हैं। पूर्व विधायक डा. पवन सैनी सहित रोटरी, रेट्रैक्ट, लायंस लियो क्लब, अग्रवाल सभा लाडवा सहित अनेक संस्थाओं के सदस्य बैठक में मौजूद थे।

फिलहाल एक भी वायरस पॉजिटिव मामला नहीं, मरकज से लौटा व्यक्ति जिले में कई लोगों से मिला था

कैथल के कोरोना केस से जींद में हड़कंप

प्रशासन ने 8 लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे, सभी को सामान्य अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में रखा

ढलेर सिंह/हप्र
जींद, 4 अप्रैल

कारोना का एक भी केस सामने नहीं आया, लेकिन जिले में संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसका कारण है कैथल में मिला कोरोना पॉजीटिव केस। स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन की जांच में सामने आया है कि कैथल का जो व्यक्ति पॉजीटिव मिला है, वह मरकज से आते समय जींद शहर के कई लोगों के संपर्क में आया था। उनमें से एक वह भी शामिल है, जिसको आइसोलेशन वार्ड में दाखिल किया है। प्रशासन अब उन लोगों की तलाश कर रहा है, उसके संपर्क में आए थे। वहीं मरकज से आए सभी लोगों को शनिवार को सिविल अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में दाखिल किया है। 8 मरीजों के सैंपल लिए और उन्हें जांच के लिए खानपुर मेडिकल कालेज भेजा है। जब तक इनकी रिपोर्ट नहीं आती तब तक सभी को आइसोलेशन वार्ड में डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाएगा। जिले में अब तक 12 लोगों के टेस्ट के लिए सैंपल लिए जा चुके हैं। इनमें से 3 की रिपोर्ट आ चुकी है, जो निगेटिव आई है।

वहीं सिविल अस्पताल के कोरोना आइसोलेशन वार्ड में अभी तक 10 बैड की ही व्यवस्था थी। शनिवार को अतिरिक्त बैड लगाने से आइसोलेशन वार्ड में बैड की संख्या 25 हो गई है। वार्ड में शनिवार को 8 लोगों को दाखिल किया गया है।

महावीर जयंती पर नहीं होगा कोई कार्यक्रम

नारनौल (हप्र) : लोकडाउन के दौरान महावीर जयंती पर किसी प्रकार का कार्यक्रम नहीं होगा। डीसी जगदीश शर्मा ने कहा कि पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि महावीर जयंती पर गांव में कोई कार्यक्रम न हो। इसी प्रकार नगर पालिका व नगर परिषद क्षेत्र में भी कार्यक्रम नहीं होंगे। कोरोना के चलते लोकडाउन है।

जींद में शनिवार को डॉ बीआर अंबेडकर चौक पर तैनात पुलिस कर्मचारी। लोगों पर नजर रखता एक ड्रोन (लाल घेरे में)। -हप्र

एक व्यक्ति की रिपोर्ट नेगेटिव

अच्छी खबर ये है कि जिप्सम कालोनी में मरकज से आए एक व्यक्ति की शनिवार को पीजीआई खानपुर से कोरोना टेस्ट की जो रिपोर्ट आई है, वह निगेटिव है। इससे पहले दो और की रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है। जिले में अभी तक कोरोना पॉजीटिव केस सामने नहीं आया।

संदिग्ध मरीजों के आने की अफवाह

जींद (हप्र) : जुलाना के अकालगढ़, हथवाला व पौली गांव में शुक्रवार देर शाम अफवाह फैल गई कि कोरोना के संदिग्ध मरीज गांवों में घुसने की फिराक में हैं। तीनों गांवों के लोगों ने पूरी रात जागकर हर गली-मोहल्ले में पहरा दिया। पुलिस ने भी गश्त की, लेकिन कोई संदिग्ध नहीं मिला। पौली गांव के बस अड्डे पर ग्रामीणों ने यूपी नंबर की गाड़ी को रुकवाया और पुलिस को सूचना दी। गाड़ी में यूपी के शामली निवासी 2 युवक सवार थे। दोनों को ग्रामीणों ने जुलाना के सीएचसी दाखिल करवाया और उनकी जांच की, लेकिन उनमें वायरस के कोई लक्षण नहीं दिखे। पुलिस ने कागजात पूरे नहीं होने पर गाड़ी को जब्त कर लिया। गाड़ी सब्जी लेकर राजस्थान से मलेरकोटला गई हुई थी।

> मरकज से आए सभी लोगों को शनिवार को अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में दाखिल कर उनके सैंपल लिए हैं। सैंपलों को जांच के लिए पीजीआई खानपुर भेजा गया है। शनिवार को पहले भेजे एक सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।
>
> -डॉ. जयभगवान जाटान, सिविल सर्जन, जींद

जींद के उचाना में शनिवार को जरूरतमंदों के लिए खाना बनाती महिलाएं। -हप्र

बेवजह घूम रहे प्रवासी को पकड़कर शेल्टर होम भेजा

जींद, 4 अप्रैल (हप्र)

पौली गांव के पास शनिवार सुबह रेलवे फाटक के नजदीक ग्रामीणों ने एक प्रवासी व्यक्ति को संदिग्ध हालात में घूमते देखा। ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रवासी मजदूर की जांच के लिए उसे जुलाना के सीएचसी भेज दिया। वहां से उसे शेल्टर होम में भेज दिया। उसकी पहचान बिहार के बारासोरापूर निवासी अमित कुमार के रूप में हुई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उसे लॉकडाउन तोड़कर न जाने की हिदायत दी।

दिन-रात एक कर दिये ताकि भूखा न सोये कोई

जींद, 4 अप्रैल (हप्र)

लॉकडाउन के दौरान कोई व्यक्ति भूखा न सोये इसके लिए जिलेभर की कई सामाजिक संस्थाओं और उनके कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर दिया है। शहर में गुरूद्वारा तेग बहादुर समेत अलग-अलग जगहों पर भोजन तैयार किया जा रहा है और इसे जरूरतमंदों के पास भिजवाया जा रहा है।

जुलाना में गौ ग्रास सेवा समिति, एक प्रयास संस्था, नपा प्रशासन समेत कई जगह खाना तैयार कर बांटा जा रहा है। एक प्रयास संस्था के संजीत कौशिक व सोनू मोदी ने कहा कि हर रोज 160 लोगों के लिए भोजन तैयार किया जा रहा है। उचाना में श्री श्याम सेव समिति के विकास गर्ग, राकेश गर्ग, जय मां अन्न पूर्णा क्षेत्र के महेंद्र लोधर ने कहा कि यहां पर 600 भोजन के पैकेट आस-पास के एरिया में बांटे जाते हैं। गुरु सेवक परिवार के शीलू बुडायन, विकास बंसल ने बताया कि हर रोज 500 पैकेट तैयार कर उचाना शहर में भेजे जाते हैं। भोजन बनाने और पैकेट तैयार करने में महिलाओं का भी पूरा सहयोग है। श्री दुर्गा जागरण मंडल की टीम हर रोज 250 पैकेट भोजन के बांटती है।

■ लोगों को खाना पहुंचा रही सामाजिक संस्थाएं

लॉकडाउन का बनाया मजाक, पुलिस ने पकड़ा

'घर में बैठे-बैठे थक गये थे इसलिए घूमने निकल पड़े'

सोनीपत, 3 अप्रैल (हप्र)

लॉकडाउन का लोगों ने मजाक बनाकर रख दिया है। इस प्रवृति पर लगाम लगाने को प्रशासन अब सख्ती पर उतर आया है। सड़कों पर उतरे लोगों से जब पुलिस ने पूछा, तो कई का जवाब था कि वे घर में बैठे-बैठे थक गए थे, इसलिए घूमने निकल पड़े। वहीं, कुछ ऐसे भी थे, जो शहर के हालात का जायजा लेने और विडियो बनाने निकले थे। इनके खिलाफ सख्ती दिखाते हुए प्रशासन ने मामले दर्ज कर दिये। लॉकडाउन तोड़ने पर 31 लोगों पर केस दर्ज कर 39 को काबू किया गया। इनमें से 26 लोगों को अस्थाई जेल में बंद कर दिया है।

इस बीच एडीसी दिनेश यादव का कहना है कि फर्जी पास बनाने वालों के खिलाफ रविवार को फिर से मुहिम शुरू होगी। उनके संज्ञान में यह मामला लगातार आ रहा है कि लोग अपने ही ढंग से पास बनाकर गाड़ियों पर लगाकर घूम रहे हैं। इससे लॉकडाउन का उल्लंघन तो हो ही रहा है। इधर, मुरथल और मोहाना पुलिस ने बिना अनुमति दुकान खोलने पर 2 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन का उल्लंघन कर कुछ लोग बाहर घूमते रहते हैं। इस पर पुलिस अब पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही है। ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

सिटी थाना की गोहाना रोड चौकी में नियुक्त एचसी जोगेंद्र ने अनिल विहार के अजय, कोर्ट चौकी में नियुक्त एचसी प्रदीप ने गोहाना रोड बाइपास से कुराड़ के सिकंदर व गुमड़ के हरिओम को गिरफ्तार किया। मोहाना थाना पुलिस ने गांव में बिना कारण घूम रहे प्रेम को काबू किया।

अवैध शराब के साथ 4 गिरफ्तार

पुलिस ने अवैध शराब बेच रहे 4 लोगों को काबू किया। बारोटा चौकी में नियुक्त एएसआई प्रदीप की टीम ने बारोटा से बारोटा गांव के पुनित व हिसार के गांव जामावाड़ी के कुलदीप को 202 पेटी अवैध शराब समेत पकड़ा है। वहीं, एसआई सुमेर की टीम ने बारोटा के पास से मूलरूप से यूपी के जिला अलीगढ़ फिलहाल बुद्ध विहार दिल्ली के नरेश तथा सुलतानपुर दिल्ली के राहुल को काबू किया है। उनके कब्जे से 120 पेटी अवैध शराब की गई है। उधर, बरोदा थाना में नियुक्त एएसआई सतपाल की टीम ने गांव धनाना के पास से रोहतक की ऋषि कालोनी के रहने वाले सोनू को गिर तार किया है। आरोपी के कब्जे से 600 ग्राम गांजा पत्ती मिली है। आरोपी ने बताया कि गांजा पत्ती को दिल्ली के नजबगढ़ से लेकर आया था।

दुकान खोलने पर 3 हिरासत में

लॉकडाउन में बिना अनुमति दुकान खोलने पर पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुरथल थाना में नियुक्त एचसी कुलदीप ने गांव मुरथल में नाई की दुकान खोलने वाले गांव के सोनू को पकड़ा है। मोहाना थाना में नियुक्त एचसी अनिल कुमार ने गांव के अड्डे पर दुकान खोलने के आरोप में मूलरूप से दिल्ली फिलहाल मोहाना के सचिन को काबू किया है। वहीं,सिटी थाना गोहाना में नियुक्त एचसी कृष्ण ने गढ़ी सराय नामदार खां के प्रेम को दुकान खोलने के आरोप में पकड़ा है।

कंपनी ने ग्रामीणों को दिये 15 लाख, नंदीशाला को 6 लाख

भिवानी, 4 अप्रैल (हप्र)

लोगों को राहत प्रदान करने के लिए तोशाम के डाडम क्षेत्र के गांव गार्डन में खनन कंपनी गोवर्धन माइंस ने नकद रुपये और राशन का वितरण किया। एसडीएम संदीप कुमार की मौजूदगी में हुये एक कार्यक्रम में कंपनी ने प्रत्येक घर को 2 हजार रुपये और राशन बांटा। कम्पनी की तरफ से 15 लाख रुपए गांव वालों को तथा 6 लाख रुपये नंदीशाला के लिए दान दिये। कार्यक्रम में कंपनी के डायरेक्टर वेदपाल तंवर भी मौजूद थे। कार्यक्रम में गांव के सरपंच रामफल दहिया मौजूद थे।

शिक्षा कर्मी देंगे 50 लाख

बाढड़ा (निस) : प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए शिक्षा विभाग के कर्मचारी खंड से 50 लाख रुपये देंगे। बीईओ दयानंद सनसनवाल की अगुवाई में कर्मचारियों ने अपने मूलवेतन में से 10 फीसदी राशि सीएम राहत कोष में देंगे।

दीया जलाने का आह्वान

'बस लाइट बंद करनी है, चलते रहें फ्रिज, एसी'

इससे पावर ग्रिड पर नहीं पड़ेगा असर

नूंह/मेवात, 4 अप्रैल (निस)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से कहा है कि कोरोना संकट से जो अंधकार, अनिश्चितता पैदा हुई है, उसे समाप्त करके हमें उजाले और निश्चितता की तरफ बढ़ना है और इस अंधकार को चुनौती देनी है। महाशक्ति को जागृत करने के लिए 5 अप्रैल रविवार को रात 9 बजे 9 मिनट के लिए मोमबत्ती, दीया, टार्च, मोबाइल की लाइट जलाकर उस समय घर की सभी लाइट बंद करेंगे। प्रधानमंत्री की इस अपील के बाद बिजली विभाग असमंजस में हैं। बिजली विभाग प्रधानमंत्री की इस अपील पर तो कुछ भी कहने को तैयार नहीं है लेकिन साथ ही उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए कह रहा है कि इस दौरान वह अपने घर के टीवी, फ्रीज, एसी, गीजर, हीटर, बिजली की मोटर, पंखे के अलावा गली-मोहल्लों की बिजली चालू रखें और केवल घरों की लाइटें ही 9 मिनट के लिए बंद रखें।

बोले अधिकारी

डीएचबीवीएन के एजीएम संदीप कुंडू ने माना कि प्रधानमंत्री ने रविवार की रात्रि 9 बजे 9 मिनट के लिए उपभोक्ताओं से घरों की लाइटें बंद करने की अपील की है, जबकि उपभोक्ताओं को अपने घर के सभी उपकरण इस अवधि के दौरान चालू रखने चाहिए, ताकि बिजली ग्रिडों पर इस बात का असर ना पड़ सकें। उन्होंने कहा कि यह आह्वान सिर्फ लाइट बंद करने के लिए है।

लापता महिला का जोहड़ से बरामद हुआ शव

रेवाड़ी, 4 अप्रैल (निस)

धारूहेड़ा के गांव नंदरामपुर बास से लापता हुई बुजुर्ग महिला सुषमा देवी का शव जोहड़ से बरामद हुआ है। परिजनों के अनुसार महिला काफी दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी और 2 अप्रैल को गांव से लापता हो गई थी। परिजनों ने बताया कि उसकी कई जगह तलाश की गई, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। जिसके चलते उन्होंने उसकी गुमशुदगी की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार, गांव नंदरामपुर बास निवासी 60 वर्षीय महिला सुषमा देवी 2 अप्रैल को घर से लापता हो गई थी। शुक्रवार शाम को उसका शव गांव के जोहड़ से बरामद हुआ है। पुलिस ने सामान्य कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

डीसी ने भारतीय दूतावास को किया फोन

दुबई में फंसे बनभौरी के युवक को मिली मदद

हिसार, 4 अप्रैल (हप्र)

गांव बनभौरी के 23 वर्षीय दिनेश के दुबई में फंसे होने के समाचार पर उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए दुबई स्थित भारतीय दूतावास से फोन पर संपर्क किया और दिनेश के लिए रहने व खाने की व्यवस्था करवाई। इतना ही नहीं, उपायुक्त ने दिनेश की माता कमलेश से फोन पर बात की व मामले की जानकारी लेते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। गांव बनभौरी का 23 वर्षीय दिनेश दुबई में फंसा हुआ है और कोरोना संक्रमण के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के कारण हवाई सेवाएं रद्द होने से वापस भारत नहीं आ पा रहा है। यह भी कहा जा रहा था कि दिनेश को दुबई में रहने व खाने के संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। मामला संज्ञान में आते ही उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने तुरंत तहसीलदार को इस संबंध में दिनेश के परिजनों से मिलकर पूरा ब्यौरा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उपायुक्त ने तहसीलदार को परिवार की आर्थिक स्थिति का भी पता लगाने और आवश्यकता होने पर खाद्य सामग्री आदि की सहायता उपलब्ध करवाने को भी कहा था। तहसीलदार ने बनभौरी जाकर दिनेश की माता कमलेश से मुलाकात की और प्रशासन द्वारा उनकी हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया।

मामले का पूर्ण विवरण प्राप्त कर उपायुक्त ने इस मामले की सूचना केंद्र व प्रदेश सरकार को देते हुए स्वयं दुबई में स्थित भारतीय दूतावास से फोन पर संपर्क किया। उनके प्रयासों के कारण दिनेश का दुबई में रहने व खाने का समुचित प्रबंध कर दिया गया है।

पुलिस को देखकर ताश खेल रहे लोग भागे

लोहारू, 4 अप्रैल (निस)

कोरोना वायरस के संक्रमण के बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग की लाख नसीहतों का ताश खेलने वाले लोगों पर लोगों पर कोई असर नहीं हो रहा। पुलिस ने शनिवार को ढाणी श्यामा गांव में रेड मारी। पुलिस की गाड़ी को देखते ही ताश खेलने वाले लोग भाग निकले। मगर पीछे से खड़ी रह गई उनकी मोटरसाइकिलों को पुलिस ने कब्जे मे लेकर पिकअप की सहायता से पुलिस थाने में जमा कर ली। कुछ गांवों में लोगों के झुंड में बैठकर ताश खेलने की शिकायतें मिल रही थीं। इससे कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा था। इस पर थाना प्रभारी कर्णपाल सिंह ने ढाणी श्यामा में छापा मारा। यहां कई जगहों पर ताश खेलने वालों की महफिल जमी हुई थी। पुलिस गाड़ी को देखते ही लोग मौके से भाग गए। पुलिस ने उनकी मोटरसाइकिलों को कब्जे में ले लिया।

मिड डे मील के लिए बच्चों को बुलाया स्कूल

फतेहाबाद, 4 अप्रैल (निस)

कोरोना वायरस के भय को लेकर यहां समूचे देश में लॉकडाउन किया गया है। लॉकडाउन को लेकर ही कोर्ट की हिदायतानुसार राज्य सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में बच्चों को वितरित किए जाते मिड डे मील का राशन बच्चों के घर पहुंचाने के आदेश दिए गए हैं, परंतु गांव जमालपुर शेखां स्थित राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों द्वारा इन आदेशों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। शिक्षकों द्वारा सरकारी आदेशों को नजरअंदाज करते हुए बच्चों को घर पर राशन वितरित करने के बजाय उन्हें विद्यालय में बुलाया गया। मिड डे मील का राशन वितरण की सूचना मिलने पर बच्चे व उनके अभिभावक राशन प्राप्ति के लिए विद्यालय में पहुंच गए। इससे विद्यालय में भीड़ एकत्रित हो गई।

गांवों में युवाओं ने जगह-जगह लगाये नाके

ब्लड की किल्लत

आगे आये युवा, 73 यूनिट रक्त एकत्रित

अजय मल्होत्रा/हप्र
भिवानी, 4 अप्रैल

कोरोना वायरस में सोशल डिस्टेंसिंग के लिए लागू किये गये लॉकडाउन के दौरान सामान्य अस्पताल के ब्लड बैंक में खून की किल्लत महसूस होने लगी। अब युवा ने इस मिशन के रूप में लिया और खूनदान कर कोरोना से जंग में मददगार साबित हो रहे हैं। लॉक डाउन लागू होने के बाद चौ. बंसीलाल राजकीय सामान्य अस्पताल में अब तक 73 युवा रक्तदान कर चुके हैं।

लॉकडाउन के दौरान युवाओं ने जहां जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की, वहीं सामाजिक संस्थाएं भी इस कार्य के लिए आगे आईं। वहीं युवा रक्तदान से भी पीछे नहीं हट रहे। खून दान करने वालों में राजेश डुडेजा भी हैं,जो स्वयं 73 बार रक्तदान कर चुके हैं। उन्होंने अपने साथियों व अन्य युवाओं से भी रक्तदान की अपील की। इसके बाद रक्तदाताओं का कारवां बनता गया। उनकी प्रेरणा से रक्तदान करने वालों की होड़ लग गई। 73 यूनिट रक्त एकत्रित हो चुका है।

जहरगिरी आश्रम के महंत महाराज अशोक गिरी भी अपनी पूरी टीम के साथ रक्तदान कर चुके हैं। अशोक गिरी के साथ उनके 8 सेवकों ने रक्तदान किया गया है। सोमबीर शर्मा, राकेश वर्मा, मनोज मलिक, जितेंद्र धारीवाल ने भी रक्तदान किया। पार्षद जगदीश मिताथल ने भी रक्तदान किया।

एप लांच, एक क्लिक पर घर पहुंचेगा राशन, दूध

भिवानी, 4 अप्रैल (हप्र)

कोरोना के दौर में घर बैठे राशन और अन्य घरेलू सामान उपलब्ध कराने के लिए भिवानी में शनिवार को बाजार नाम से मोबाइल एप लांच किया गया। इस एप से दूध, फल, सब्जी और दवाइयां तक मंगवा सकेंगे। इसके बाद लोगों को बाजार जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और सोशल डिस्टेंसिंग बरकरार रहेगी। डीसी अजय कुमार ने शनिवार को अपने ऑफिस में एप लांच किया। डीसी अजय कुमार ने इन वस्तुओं को घर मंगवाने पर अतिरिक्त चार्ज नहीं लिया जाएगा। डीसी ने बताया कि फिलहाल खाद्य सामग्री के 40 स्टोर, दूध के लिए वेंडर, फल-सब्जी के लिए 7 और दवाइयां मंगवाने के लिए 10 मेडिकल स्टोर को इस एप से जोड़ा गया है। इससे वे अपना सामान मंगवा सकते हैं।

कोरोना को ठोकर मारने के लिए ठीकरी पहरे का सहारा

सिवानी मंडी, 4 अप्रैल (निस)

वायरस से बचाने के लिए गांव बड़वा को 6 साइड से सील कर दिया है और युवा गांव में दिन-रात ठीकरी पहरा दे रहे हैं। सरपंच निर्मला देवी के अनुसार बड़वा के युवाओं ने अपने गांव की चारों ओर से नाकाबंदी कर दी और यह मुनादी कर दी कि सभी लोग अपने-अपने घर पर रहें। गांव में आने वाले लोगों को नाके पर अपना पहचान-पत्र व आधार कार्ड दिखाना होगा।

सिक्योरिटी गार्ड की तरह बरत रहे सतर्कता

जींद (हप्र) : उचाना के गांव खटकड़ के युवाओं ने कमान संभाल ली है। गांव की 24 से अधिक गलियों और कसुहन, बड़ौदी, भौंसला, मोहनगढ़ छापड़ा जाने वाले संपर्क मार्गों पर युवाओं की टीमें ठीकरी पहरा दे रही हैं। यहां पर हर आने-जाने वाले का पूरा रिकॉर्ड दर्ज करने के साथ-साथ किस कार्य के लिए आ-जा रहे हैं, उसके बारे में पता कर रहे है। उसकी गाड़ी और बाइक का नंबर लिखने के साथ-साथ वाहन चालक की मोबाइल से फोटो भी ली जा रही है। गांव में अगर कोई बाहर का व्यक्ति जाने के लिए आता है जिसके पास जाना है, उसको फोन करके बाहर बुलाया जाता है। गांव के युवा प्रोफेशनल सिक्योरिटी गार्ड की तरह हर आने-जाने वाले पर नजर रख रहे हैं।

सिवानी में शनिवार को गांव बड़वा में युवाओं द्वारा की गई नाकाबंदी। -निस

प्रशासन ने भेजा पत्र-हर वार्ड में हो पहरा

कनीना (निस) : जिला प्रशासन ने गांवों में ठीकरी पहरा लगाने के निर्देश दिये हैं। पत्र में कहा कि लॉकडाउन में जरूरी कार्य छोड़कर किसी भी व्यक्ति को बाहर जाने की अनुमति नहीं है। महामारी से बचने के लिये गांवों व शहरों में ठीकरी पहरा लगाया जाये। इसका सख्ती से पालन किया जाये। नगरपालिका के लेखाकार शिवचरण जोशी ने बताया कि सभी 13 पार्षदों को पत्र भेजकर अपने-अपने वार्ड में पहरा सुनिश्चित करने को कहा गया है।

कादमा में हुई पंचायत

चरखी दादरी (निस) : पड़ोसी जिला भिवानी में 2 पॉजीटिव केस मिलने पर गांव कादमा की पंचायत ने गांव में नाकेबंदी कर ठीकरी पहरा लगाने का निर्णय लिया है। इसके लिए गांव में कमेटी का भी गठन किया। कमेटी नाकों पर युवाओं की ड्यूटियां लगाएगी और बाहरी लोगों के प्रवेश को रोका जा सके। गांव कादमा में सरपंच प्रतिनिधि कर्ण सिंह की अध्यक्षता में स्कूल परिसर में पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में ग्रामीण सोशल डिस्टेंसिंग के अनुसार बैठे। सरपंच प्रतिनिधि कर्ण सिंह ने बताया कि उन्होंने यह निर्णय भिवानी में जिले में जमात के दो लोगों को कोरोना पॉजीटीव होने पर लिया है। जमात के साथ-साथ बाहरी लोगों का गांव में प्रवेश करना लॉकडाउन तक प्रतिबंध किया गया है। साथ ही कोई संदिग्ध या बाहरी लोग दिखाई देंगे तो तुरंत प्रशासन को सूचना दी जाएगी। इसके लिए कमेटी बनाई गई है।

24 गांवों में कमेटियों का गठन

बाढड़ा (निस) : 24 गांवों में कमेटियों का गठन कर दिया गया और गांव को सेनेटाइज करने के बाद रात में ठिकरी पहरे भी शुरू कर दिए गए। इन गांवों में प्रवेश से पहले पूरी जानकारी तलब की जाती है तथा उनके हाथों को सेनेटाइज करने के बाद ही प्रवेश मिल पाता है। डीसी ने बीडीपीओ के माध्यम से सभी ग्राम सचिवों व सरपंचों को पत्र भेजकर अपने अपने गांव को सुरक्षित बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए बाहरी किसी व्यक्ति के गांव आने की जानकारी प्रशासन को देने तथा ग्राम स्तर पर लॉकडाऊन को कामयाब बनाने के लिए सभी वर्गों को शामिल करते हुए कमेटियों का गठन करने का आदेश दिया था। गांव कादमा, सिरसली, गोपी, भांडवा, हुई, जेवली, बडराई, गोपालवास, नांधा, धनासरी में ग्रामीणों ने ठीकरी पहरे लगाने शुरू कर दिए गए हैं।

ग्रामीणों ने सरपंच पर लगाया आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप

लॉकडाउन पढ़ी गई नमाज, वीडियो वायरल

सरपंच ने घटना से किया इनकार। प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे मौके पर। 21 सदस्यीय कमेटी का गठन

रामकुमार तुसीर/निस
सफीदों, 4 अप्रैल

उपमंडल सफीदों के एचरा खुर्द गांव की मस्जिद में नमाज पढ़े जाने की शुक्रवार देर सांय वायरल हो गई। शनिवार को इस वीडियो को वायरल करने वाले ग्रामीणों का कहना है कि गांव की महिला सरपंच का पति सरकारी निर्देशों की उल्लंघना करते हुए नमाज के लिए समुदाय विशेष का संरक्षण कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मस्जिद के साथ ही उनका मंदिर है जिसे बन्द कर दिया गया गया है जबकि मस्जिद में नमाज पढ़ी जा रही है। महिला सरपंच की जगह बेनामी सरपंची कर रहे उसके पति का कहना था कि मस्जिद में नमाज पढ़े जाने की कोरी अफवाह है। उसका कहना था कि दो मुस्लिम मस्जिद में मौलवी का खाना देने को गए थे। ऐसे में तनाव की आशंकाओं के दृष्टिगत शनिवार को स्थानीय प्रशाशन के अधिकारी मौके पर गए जिन्होंने ग्रामीणों को समझाया और 21 सदस्यों की कमेटी का गठन कराया ताकि लॉक डाउन कामयाब रहे, गांव में शांति रहे और बाहर से आने वाले हर व्यक्ति पर नजर रखी जा सके।

मौलवी ने कहा- आये थे 3 लोग

मस्जिद के मौलवी ने कहा कि जुम्मे की नमाज के लिए उसके अलावा कम से कम तीन लोगों की जरूरत होती है इसलिए उसने गांव से तीन मुस्लिमों को बुलाकर इसमें शामिल किया था। वहीं सरपंच ने कहा कि कुछ लोगों ने इस अफवाह को फैलाया है। सरपंच ने इसे अफवाह बताया, लेकिन जो वीडियो वायरल हुई उसमें मौलवी समेत 3 लोग नमाज पढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि गांव में 21 सदस्य कमेटी का गठन किया गया है। जो अब आगे ऐसी घटना न हो इसपर आगे कड़ी नजर रखेगी।

3 सैंपल भेजे प्रयोगशाला

सफीदों उपमंडल क्षेत्र के तीन व्यक्तियों में कोरोना के संक्रमण के परीक्षण को उनके नमूने परीक्षण के लिए शनिवार को प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। जिला के सिविल सर्जन जयभगवान के अनुसार इनमें अंटा गांव के युवक रमजान व जाकिर हुसैन तथा रजाना कला का यामीन शामिल हैं। बता दें कि रमजान व जाकिर पिछले महीने रुड़की से लौटे हैं जिनका मानना था कि वह 1 दिन के लिए दिल्ली की निजामुद्दीन की तब्लीगी जमात में भी गए थे। सफीदों के सिविल अस्पताल में बने आइसोलेशन वार्ड में रामपुरा गांव के एक व्यक्ति को दाखिल किया हुआ है जिसका नमूना 3 दिन पूर्व जांच को प्रयोगशाला भेजे गया था जिसकी रिपोर्ट आज समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हुई थी।

सख्ती दरकिनार, बैंकों के बाहर लगी कतार

सिरसा (निस) : कोरोना महामारी से लड़ने के लिए पीएम द्वारा लॉकडाउन घोषित करने के बाद भी लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। बता दें कि जनधन खातों में महिलाओं के खाते में आए हुए 500 रुपये निकालने के लिए बैंकों के आगे लंबी कतार लगी रही। मोबाइल पर मैसेज आ रहे तो महिलाएं अपने पैसे निकालने के लिए बैंको का रूख कर रही हैं। वहीं क्षेत्र में पुराने बस स्टैंड पर सब्जी, किराना व दवा की दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है। दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने गोल घेरे भी खींचे हुए है बावजूद इसके लोग पालन नहीं कर रहे। जागरूक लोगों ने जब इसकी सूचना डीएसपी जगदीश काजला को दी तो वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिये।

युवक को किया क्वारंटाइन

पुलिस ने सफीदों उपमंडल के गांव करासिंधु के रेलवे स्टेशन से शुक्रवार को देर रात एक युवक को पकड़ कर यहां जाट धर्मशाला में स्थापित सेफ हाउस में क्वारंटाइन किया है। पकड़े गए 26 वर्षीय युवक सादिक ने अपना पता जिला शामली के गांव बराला का बताया है। उसने बताया कि वह करनाल में एक मस्जिद में इमाम है। उसका कहना है कि वह बीती 21 मार्च को जिला जींद के कोथ कला गांव में कृष्ण नीलगर की बेटी की शादी में गया था जिसके बाद लॉकडाउन होने की स्थिति में वह वहीं फंस गया। उसने बताया कि वह शुक्रवार को कोथ कला से अपने गांव बराला के लिए निकला था।

कड़ी सुरक्षा के बावजूद नहीं थम रही नशा तस्करी

9 करोड़ की हेरोइन बरामद, 3 नाईजीरियन तस्कर गिरफ्तार

आरोपियों के पास से 2 किलो से ज्यादा नशीला पदार्थ मिला

नूंह/मेवात, 4 अप्रैल (निस)

क्षेत्र में लॉकडाउन के बावजूद नशा तस्करी पर विराम नहीं लग पा रहा है। पुलिस ने 3 विदेशी हेरोईन तस्करों के कब्जे से लगभग 9 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ अनिधियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें दिल्ली से काबू किया है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में हेरोइन तस्करी की यह सबसे बड़ी वारदात है।

दक्षिणी रेंज रेवाड़ी के एडीजीपी डॉ. आरसी मिश्रा की मौजूदगी में जिला पुलिस कप्तान नरेंद्रा बिजारणिया ने बताया कि प्रदेश के इतिहास में जिला पुलिस ने हेरोईन तस्करी मामले का खुलासा किया। बता दें कि 30 मार्च को जिला के तावडू थाना के गांव शिकारपुर के रहने वाले रफीक व मुबारिक को दबोचकर 50 हजार रुपये कीमत की हेरोइन पकड़ी थी। बता दें कि लाई गई हेरोइन के बारे में जब पड़ताल की गई तो सप्लाई करने वाले मध्यस्थ सोनू उर्फ लोकेश निवासी पलवल को सीआईए पुलिस ने 2 अप्रैल को ही दबोच लिया था।

पुलिस पूछताछ के बाद दिल्ली में रहने वाले नाईजिरियन मूल के एलोर चुकवूडी हैनरी, इमाउल व निकोलस चिडबरे पॉल को दिल्ली में अलग-अलग जगहों से पुलिस ने काबू किया है। इन लोगों के पास से कुल करीब 2 किलो 400 ग्राम हेरोइन बरामद की गई जिसकी अंतराष्ट्रीय स्तर पर कीमत करीब 9 करोड़ रुपये आंकी गई है। आरोपियों को शनिवार को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस रिमांड पर अन्य लोगों के बारे में पूछताछ करेगी।

नूंह में शनिवार को एडीजीपी दक्षिणी रेंज डॉ आरसी मिश्रा प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए। - निस

24 हजार बोतल शराब बरामद

हिसार (हप्र) : औद्योगिक क्षेत्र स्थित एल-वन पर छापा मारकर पुलिस ने 2000 पेटी अवैध शराब बरामद की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।सदर थाना प्रभारी अंडर ट्रेनी आईपीएस विक्रांत भूषण ने बताया कि मुखबिरी के आधार पर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एल-1 गोदाम में छापा मारा तो वहां पर 2000 पेटी (24000 बोतल) अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में पता चला कि यह अवैध शराब पंजाब, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ से लाई गई थी।

संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस की गिरफ्तारी का मामला

कोरोना टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद होगी संदिग्ध जासूस से पूछताछ

कुमार मुकेश/हप्र
हिसार, 4 अप्रैल

एक संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस के संदेह में काबू किए गए युवक से पुलिस ने अभी तक पूछताछ नहीं की है। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही युवक से पूछताछ की जाएगी वहीं युवक की जांच रिपोर्ट अभी तक आई नहीं है।

बता दें कि बृहस्पतिवार को सुरक्षा एजेंसियों से पुलिस को सूचना मिली थी कि औद्योगिक क्षेत्र स्थित जिंदल पुल के नीचे एक विदेशी नागरिक रह रहा है और एजेंसियों को शक है कि वह पाकिस्तानी नागरिक है और आईएसआई एजेंट भी हो सकता है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर जाकर युवक को काबू किया और प्रारंभिक पूछताछ की तो उसने अपना नाम व पता नहीं बताया। बाद में पुलिस ने उसको सामान्य अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में दाखिल करवा दिया है। वहीं सिविल सर्जन डॉ. योगेश शर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को युवक का सैंपल जांच के लिए भेजा गया था लेकिन वह सही तरीके से न लेने के कारण वापस लौटा दिया गया है। शुक्रवार को युवक का दोबारा से सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। हालांकि अभी रिपोर्ट का इंतजार है।

एसपी बोले- नहीं पता पाकिस्तानी या कोई और

पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया का इस पूरे मामले में कहना है कि जो युवक काबू किया गया है उसकी कोरोना वायरस की जांच करवाने के लिए स्वास्थ्य विभाग से कहा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही उससे पूछताछ की जाएगी। इसके बाद ही पता चलेगा कि वह पाकिस्तानी जासूस है या फिर कहीं और का है।

जमातियों में से एक की रिपोर्ट नेगेटिव

सिविल सर्जन योगेश शर्मा ने बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन के मकरज में शामिल होकर आए छह संदिग्ध जमातियों में से छह के सैंपल शुक्रवार को जांच के लिए भेजे थे जिनमें से एक की रिपोर्ट नेगेटिव आई है जबकि बाकियों की रिपोर्ट अभी आनी है। यहां बता दें कि कुछ पटवारियों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मिलकरपुर गांव से 2, भैणी अमीरपुर गांव से 1 व 3 अन्य स्थानों से संदिग्ध जमातियों को अस्पताल में दाखिल करवाया था।

प्रवासी मजदूरों के पलायन के बाद गहराया संकट

गेहूं कटाई के लिए छोटे किसानों ने खुद उठाई दराती

झज्जर, 4 अप्रैल (हप्र)

तापमान बढ़ने के साथ ही गेहूं कटाई का काम शुरू हो चुका है। अधिकांश फसल पक चुकी है लेकिन लॉकडाउन के चलते गेहूं कटाई के लिए श्रमिक नहीं मिल पा रहे हैं। किसानों की समस्या अब यह है कि प्रतिवर्ष पंजाब से आने वाली कम्बाइन और ऑपरेटर इस बार नहीं आए हैं। छोटे किसानों ने खुद ही दराती उठाकर कटाई कार्य स्वयं शुरू कर दिया जबकि बड़े किसान कम्बाइन मशीन का इंतजार कर रहे हैं।

लॉकडाउन के चलते श्रमिकों के न पहुंचने से बड़े किसानों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। किसान रामफल, कुलबीर, आजाद, सोमबीर और प्रीतम ने बताया कि शारीरिक दूरी का ध्यान रखते हुए गेहूं और सरसों की कटाई शुरू कर दी गई है। हर साल पहली अप्रैल से क्षेत्र में गेहूं खरीद केंद्र खुल जाते थे और गेहूं की आवक भी शुरू हो जाती थी। इस बार कोरोना के चलते न तो गेहूं की सही तरीके से कटाई शुरू हो सकी और न ही अभी तक क्षेत्र में तौल कांटे ही लगे हैं। सरकार की ओर से गेहूं खरीद 20 अप्रैल से शुरू होगी और जब तक किसानों को गेहूं का स्टॉक करना होगा। इधन प्रशासन ने किसानों को गेहूं काटने के लिए कम्बाइन मशीन का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। साथ ही सुबह से दोपहर तक बाजार में कम्बाइन मशीन व ट्रैक्टर के स्पेयर पार्ट की बिक्री की जाएगी।

बता दें कि लॉकडाउन के बाद काफी संख्या में क्षेत्र से काफी मजदूर पलायन कर गये हैं। इसके बाद से ही किसानों को फसल कटाई के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान खुद फसल काट रहे हैं।

फसल तैयार, किसानों को बिक्री का इंतजार

नूंह/मेवात (निस) : कोरोना महामारी के कारण सरकार ने मंडियों में खरीद फरोख्त पर हालात सामान्य होने तक रोक लगा दी थी। सीएम ने 15 अप्रैल से सरसों एवं 20 अप्रैल से गेंहू की खरीद शुरू कराने की बात कही थी। ऐसे में किसानों को फसल बेचने का इंतजार है। किसान नेता काले खान, खलील अहमद, अख्तर, मुकेश, रामकिशन सोनी, रामचंदर, राजेश, नरेन्द्र सिंह ने बताया कि सरसों की फसल किसानों ने निकाल रखी है, लेकिन

मंडिया बंद होने के कारण फसल नहीं बेच पा रहे हैं। वहीं बताया जा रहा है कि कोरोना संक्रमण को रोकने एवं सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखने के लिए सरकार अब गांवों में ही जगह- जगह मंडियां लगाकर फसल खरीद शुरू कर सकती है। बताया जा रहा है कि इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। मार्केट कमेटी के सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी ने माना कि लॉकडाउन की वजह से मंडियां बंद है और सरकार की ओर से 15 व 20 अप्रैल से जिंसों की खरीद शुरू कराने की बात सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि फसल खरीद को लेकर औपचारिक रूप से उनके पास कोई सरकार की ओर से पत्र नहीं आया है।

सेनेटाइज होने के बाद ही मिलेगा प्रवेश

चरखी दादरी, 4 अप्रैल (निस)

दादरी जिला में प्रशासन द्वारा कोरोना से बचने लिए पूरी व्यवस्थायें कर ली गई हैं। अब लघु सचिवालय व डीसी कैंप कार्यालय सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सेनेटाइज करने के बाद ही प्रवेश दिया जायेगा। डीसी श्यामलाल पूनिया द्वारा अपने कैंप कार्यालय , लघु सचिवालय के साथ यात्री शिविरों में किसी व्यक्ति को बिना सेनेटाइज किये बिना प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। बता दें कि अब ऑटोमेटिक मशीन लगाई गई है। इस नयी तकनीक में हाथों के साथ पूरे व्यक्ति का शरीर सेनेटाइज हो जाता है।

कोरोना स्पेशल सुरक्षा किट बांटी

पलवल (हप्र) : रोटरी क्लब संस्कार पलवल की तरफ से शनिवार को पलवल के जिला नागरिक अस्पताल में कोरोना से संक्रमित मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टरों को कोरोना से बचाव के लिए निशुल्क स्पेशल सुरक्षा किट वितरित की गई। किट वितरण कार्यक्रम का नेतृत्व रोटरी क्लब संस्कार पलवल की अध्यक्ष डॉ. अंजली जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ रोटरी सचिन जैन, वीरेन्द्र शर्मा, मनोज गौतम व रीना अग्रवाल भी मुख्यरूप से मौजूद थीं।

एडीजीपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

साउथ रेंज रेवाड़ी एडीजीपी आरसी मिश्रा ने शनिवार को पलवल दौरे के दौरान पुलिस अधिकारियों की बैठक ली वहीं सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ एसपी दीपक गहलावत भी मौजूद रहे। जिले का जायजा लेने पलवल पहुंचे मिश्रा पलवल आगरा चौक पर रुके और शहर थाना प्रभारी को सुरक्षा व्यवस्था था बेवजह बाहर निकलने वालों पर सख्त कार्यवाही के आदेश दिए। वहीं कोरोना वायरस के संबंध में लगी ड्यूटियों एवं नाकों को भी चैक किया गया।

क्लासीफाइड

विवाह संबंधी

वर चाहिए

राजपूत

26/5'-5'', B.Tech., Naval officer (non-sailing) SSC PG-IIT दिल्ली, प्रतिष्ठित राजपूत परिवार की लड़की के लिए सुशिक्षित वर चाहिए। संपर्क करें : fmlysinh@gmail.com (CL19183590)

हिमाचल राजपूत, 1988 जन्म, एमटैक, सीएस, जापान में नौकरीशुदा लड़की हेतु सुयोग्य राजपूत वर चाहिए। 9911195533. (CL20000047)

फुटकर

अहीर 16.08.90/5'-2'', पीजीआईएमईआर में कार्यरत लड़की हेतु तरजीह तौर पर चंडीगढ़ में स्थापित सरकारी जॉब वाला लड़का चाहिए। केवल जनरल तथा ओबीसी से आमंत्रण, 9815766130. (CL19177610)

जट सिख

राजस्थान (हनुमानगढ़) आधारित, 1992/164 सें.मी., एमएससी, पीएचडी मैथ आईआईटी से कर रही लड़की हेतु प्रोफेशनल योग्यताप्राप्त जट सिख वर चाहिए। 95302-03626. (CL19184135)

आवश्यक सूचना

दि ट्रिब्यून ट्रस्ट का इस समाचारपत्र में मुद्रित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचारपत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। पाठकों से विनती है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें।

लॉकडाउन के बाद से नहीं खुल रहीं दुकानें

आधार कार्ड की फोटो कॉपी के बिना, गर्भवती महिलाओं का नहीं हो रहा अल्ट्रासाउंड

रेवाड़ी में शनिवार को अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के इंतजार में बैठा दंपति। -निस

रेवाड़ी, 4 अप्रैल (निस)

लॉकडाउन का असर नागरिक अस्पताल में आने वाले मरीजों पर भी पड़ रहा है। गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड कराने के लिए आधार कार्ड की फोटो कॉपी जरूरी होने की शर्त अब काफी भारी पड़ने लगी है। लॉकडाउन होने के कारण दुकानें बंद होने के चलते महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कृष्णा सिंह ने बताया कि उसकी गर्भवती पत्नी को शनिवार को जब दर्द उठा तो जब वह पत्नी को लेकर अल्ट्रासाउंड कराने पहुंचा तो उससे आधार कार्ड की फोटो कॉपी मांगी गई। लॉकडाउन के चलते सभी दुकानें बंद होने के कारण वह फोटो कॉपी का व्यवस्था नहीं कर पाया। जिसके कारण अल्ट्रासाउंड करने से मना कर दिया गया।

बाहरी व्यक्ति को देख लोगों ने किया हंगामा

झज्जर (हप्र) : झज्जर छावनी मौहल्ले में उस समय अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया जब एक व्यक्ति कुछ दिन बाहर बिताने के बाद यहां वापस अपने किराए के मकान पर पहुंचा। काफी संख्या में एकत्रित हुए लोगों ने हंगामा किया और बाद में इसकी सूचना पुलिस के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम को दी। सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और वहां पर जमा हुए लोगों को शांत कराने के बाद उसके स्वास्थ्य की जांच की। जांच के दौरान इस व्यक्ति में कोरोना के संक्रमण के लक्षण तो नहीं मिले, लेकिन एहतियात के तौर पर विभाग ने उसे चौदह दिनों के लिए अपने मकान में ही क्वारंटाइन जरूर कर दिया।

3 लाख 51 हजार की राशि की दान

नूंह/मेवात (निस) : जिला के सैनिक बाहुल्य गांव कलवाडी वासियों ने कोरोना आपदा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहरलाल के राहत कोष के लिए 3 लाख 51 हजार की राशि बैंक के माध्यम से भेजी है। वहीं, उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रास समिति नूंह पंकज मार्गदर्शन के अनुसार मेडिकल स्टोर संचालकों से संक्रमण अवरोधी सहायक सामग्री दान करने अपील से प्रेरित होकर रविन्द्र शर्मा ने करीब 500 मास्क दान किये। उन्होंने आपदा की इस घाड़ी में लोगों से अधिक दान देने की अपील की हैज

कर्मचारियों का किया सम्मान

झज्जर में कोरोना महामारी में बिना डरे आमजन का ख्याल रख रहे स्वास्थ्य कर्मी एवं सफाई कर्मी व पुलिस कर्मचारी इन दिनों कोरोना योद्धाओं की भूमिका अदा कर रहे हैं। शनिवार को ऐसे ही कोरोना योद्धाओं का सम्मान करने के लिए लोगों ने उन्हें फूलमालाएं पहना कर सम्मानित किया। अम्बेडकर चौक पर निर्माण सेवा समिति ने सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रख इन सभी कर्मचारियों का सम्मान किया। समिति के सदस्यों का कहना था कि इस प्राकृतिक आपदा के समय हमारे देश में स्वास्यकर्मचारी, सफाई कर्मचारी व पुलिस कर्मचारी ऐसे तीन अंग है जोकि इस महामारी से लड़ने के लिए समाज हित में काम कर रहे हैं।

व्हाट्सएप, यूट्यूब पर बच्चे कर रहे पढ़ाई

बहादुरगढ़ (निस) :शहर के डीएवी स्कूल विद्यार्थियों को घर पर ही ऑनलाइन ई-लर्निंग के माध्यम से शिक्षित करने का काम कर रहा है। इसमें बच्चों को जूम, वॉट्सएप, यू-ट्यूब के साथ-साथ स्कूल की वेबसाइट से जोड़कर इंटरनेट के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। सेक्टर 6 स्थित डीएवी सेनेटरी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य राजदीप कुलश्रेष्ठा ने बताया कि 28 मार्च से निरन्तर ऑनलाइन क्लास के माध्यम से पढ़ाई हो रही है।

पीएम मोदी की अपील के बाद लोग कर रहे खरीदारी

दीये की बिक्री बढ़ी, कुम्हारों के खिले चेहरे

बहादुरगढ़, 4 अप्रैल (निस)

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में रविवार 5 अप्रैल को रात 9 बजे मोमबत्ती, दीये, टॉर्च, मोबाइल फोन टॉर्च जलाने के आह्वान के बाद शहर में मिट्टी के दीये की मांग बढ़ गई है। पिछले काफी दिनों से बंद पड़े चाक पर दीया बनाने का काम फिर से शुरू हो गया है। बढ़ती डिमांड को देखते हुए कुंभकार भी खुश नजर आ रहे हैं। सुबह-शाम के वक्त सब्जी बेचने वाले भी अब दीये साथ रखते हुए उन्हें बेचने लगे हैं।

किराना की दुकानों पर भी लोगों द्वारा राशन के साथ अब मोमबत्ती की मांग की जा रही है। दुकानदार राकेश ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद दीयों के साथ मोमबती की मांग बढ़ी है। लोग 2 से 4 डिब्बे खरीद कर ले जा रहे हैं।

कुम्हार विनोद ने बताया कि पीएम मोदी की अपील के बाद न केवल बहादुरगढ़ के विभिन्न हिस्सों से बल्कि दिल्ली क्षेत्र से भी दीये की मांग आ रही है। मगर लॉक डाउन के चलते दिल्ली क्षेत्र के लोगों के लिए ऑर्डर मना कर दिया है। अभी सिर्फ एक दिन के लिए दीये बनाए हैं। उधर सब्जी विक्रेता नवीन, मोनू व संदीप ने कहा कि पीएम का संदेश सुनने के बाद सब्जी बेचने के साथ दीये बेचने भी शुरू कर दिए हैं।

बहादुरगढ़ में दीयों को धूप में रखता कुम्हार। - निस

epaper.dainiktribuneonline.com

4 बहादुरों ने जीत ली कोरोना की जंग

चंडीगढ़ से अच्छी खबर अस्पताल से हुए डिस्चार्ज। जगतपुरा गांव के 51 लोगों के सैंपल नेगेटिव

आदित्य शर्मा/नस
चंडीगढ़/पंचकूला, 4 अप्रैल

पीजीआई, जीएमसीएच-32 और जीएमएसएच-16 में इलाज करा रहे 4 लोगों ने आखिरकार कोरोना को मात दे दी। महामारी को मात देने वाले इन व्यक्तियों में चंडीगढ़ सेक्टर 19 निवासी डॉ. पारूल, सेक्टर 30 निवासी मैकेनिक मनप्रीत, शहर में कोरोना की पहली मरीज की मां और मोहाली सेक्टर 69 निवासी 42 वर्षीय अमनदीप शामिल हैं।

चंडीगढ़ के जीएमएसएच-16 अस्पताल में कोरोना से ठीक होने के बाद डिस्चार्ज के समय मेडिकल स्टाफ का धन्यवाद करता अमनदीप सिंह।

कोरोना से बच गये जगतपुरा के मरीज के संपर्क

जगतपुरा में 2 दिन पहले एक युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। उसके संपर्क में आए और घर के नजदीक रह रहे 51 लोगों को प्रशासन ने क्वारंटाइन किया था और जीएमसीएच-32 में इनकी सैंपलिंग हुई। इन लोगों के सैंपल नेगेटिव आए हैं। इन लोगों को डॉक्टरों ने निगरानी में रखा है।

3 बुजुर्गों की लील चुका है जिंदगियां

कोराना वायरस पिछले 4 दिनों में 3 बुजुर्गों की जिंदगियां लील चुका है। नया गांव निवासी 64 वर्षीय बुजुर्ग, झाड़माजरी की रहने वाली महिला और श्रीहरमंदर साहब (अमृतसर) गुरुद्वारा के पूर्व रागी का कोरोना वायरस से निधन हो गया था।

डॉक्टरों को सैल्यूट : एडवाइजर

इस बारे में प्रशासक के सलाहकार मनोज परिदा ने ट्वीट कर कहा कि 4 मरीज ठीक होने पर डॉक्टर्स को सैल्यूट। उन्होंने पूरी इमानदारी और बहादुरी के साथ काम किया। पूरा शहर डाक्टर्स की टीम की वाहवाही कर रहा है।

सेक्टर 19 की रहने वाली 26 वर्षीय डॉ. पारूल की शनिवार को घर में क्वारंटाइन करने के बाद सैंपल कोरोना पॉजिटिव आए थे।

सेक्टर 30 के दुबई से वापस आए युवक को शनिवार को जीएमसीएच-32 से छुट्टी दे दी गई। पेशे से मैकेनिक मनप्रीत की अस्पताल में 2 बार टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉ. पारूल 20 मार्च को लंदन से घर वापस आई थीं।

वर्षीय युवती की मां की भी रिपोर्ट जीएमसीएच-32 में नेगेटिव आई। युवती के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद घर में मां, भाई और कुक का सैंपल आने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

शहर में पहली कोरोना पॉजिटिव 23 पॉजिटिव पाए गए थे। शनिवार को मां को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया जबकि युवती, उसका भाई और कुक का जीएमसीएच के आइसोलेशन वार्ड में अभी भी इलाज चल रहा है।

जीएमएसएच-16 में मोहाली सेक्टर 69 निवासी 42 वर्षीय अमनदीप की शनिवार को रिपोर्ट नेगेटिव आने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है। अमनदीप जिस वक्त इंगलैंड से भारत लौटा तब वह कोरोना से संक्रमित हो गया था और तब से आइसोलेशन में था।

नेगेटिव रिपोर्ट के बाद हुआ महिला का पोस्टमार्टम, 2 जमातियों के लिए नमूने

तबलीकी जमात के 90 सदस्यों का होगा टेस्ट

जितेंद्र अग्रवाल/हप
अंबाला शहर, 4 अप्रैल

स्वास्थ्य विभाग ने जिले में आए सभी 90 तबलीकी जमात के लोगों का कोरोना टेस्ट करवाने का निर्णय लिया है। एक मृतक महिला की नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद पोस्टमॉर्टम करवाकर शव वारिसों को सौंपा गया है।

जानकारी के अनुसार 3 मार्च को अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल में एक महिला की मृत्यु हुई थी। उसमें कोविड-19 के लक्षण थे लेकिन शनिवार को रोगी की रिपोर्ट नेगेटिव आई। गांव शेखपुरा की रहने वाली इस विवाहिता को सांस लेने में काफी दिक्कत होरही थी। रिपोर्ट नेगेटिव आने केबाद पोस्टमार्टम करवाकर शव वारिसों को सौंप दिया गया।

छावनी के नागरिक अस्पताल में तबलीकी जमात के 2 सदस्यों के कोरोना टेस्ट के लिए सैंपल जांच के लिए पीजीआई चंडीगढ़ भेज दिये गये। सिविल सर्जन डॉ. कुलदीप सिंह के अनुसार जमात के 90 सदस्यों को क्वारंटाइन किया गया है।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग जमात के सभी 90 सदस्यों का कोरोना टेस्ट करायेगा। इनमें से लगभग 15 सैंपल शनिवार को ही ले लिए लिये जायेंगे। अब तक अंबाला से 69 सैंपल कोरोना टेस्टे के लिए भेजे जा चुके हैं जिनमें से 9 सैंपलों की रिपोर्ट आने शेष है।

अब तक 3 की रिपोर्ट पॉजिटिव

अभी तक 3 सैंपल की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। अंबाला के कुल 1205 विदेश यात्री चिन्हित किए गए थे जिनको निगरानी के लि होम क्वारंटाइन किया गया। उनमें से 403 विदेश यात्रियों को अपना टाइम पूर्ण कर लिया है। 802 यात्री वर्तमान में क्वारंटाइन हैं। शनिवार को 4 मरीज अस्पताल आइसोलेशन में दाखिल हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा जिला अंबाला के विभिन्न स्थानों पर किये गए विस्थापित व्यक्तियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच की जा रही है।

घर पर मिलेगा गैस का सिलेंडर एजेंसी जाने पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़ पंचकूला, 4 अप्रैल (नस)

लॉकडाउन में शहरवासियों को घर बैठे ही एलपीजी सिलेंडर मिलेगा। शनिवार को चंडीगढ़ प्रशासन ने साफ कर दिया कि गैस एजेंसी जाने पर कानूनी कार्रवाई होगी। मौजूदा हालात में लोगों को एलपीजी देने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

गैस एजेंसियों ने शहर में 7811 सिलेंडर घरों में वितरित किये गये हैं। आईओसीएल ने 5100, एचपीसीएल ने 1750 और बीपीसीएल ने 961 गैस सिलेंडरों की सप्लाई दी। प्रशासन ने साफ कर दिया कि शहर में गैस सिलेंडरों की सप्लाई में किसी तरह की बाधा नहीं है और माहौल को तनावपूर्ण न बनाएं। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए गैस एजेंसी पर जाने वालों को सिलेंडर नहीं दिया जाएगा।

सप्ताह में अब मात्र 4 दिन ही खुलेगी थोक फल सब्जी मंडी

अंबाला शहर (हप)

थोक सब्जी मंडी अंबाला शहर अब सप्ताह में केवल 4 दिन खुला करेगी। थोक फल सब्जी मंडी सप्ताह के तीन दिनों यानी सोमवार, बुधवार और शनिवार को बंद रखी जाएगी। 6 अप्रैल से यह फैसला लागू कर दिया जाएगा। गली मुहल्लों में फुटकर सब्जी फल बेचने वाले लोग निर्धारित दामों से अधिक भाव पर फल सब्जी नागरिकों को बेच रहे हैं और मार्केट कमेटी के अधिकारी मूक दर्शक बने हुए हैं।

जानकारी के अनुसार फल सब्जी आढ़ती एसोसिएशन ने सप्ताह में 4 दिन मंडी खोलने का फैसला ले लिया है। हालांकि इसके प्रत्यक्ष कारण सोशल डिस्टेंस रखने को बताया जा रहा है ताकि मंडी में कम से कम आवाजाही हो और लोग आपस के संपर्क में नहीं आएं लेकिन पर्दे के पीछे की कहानी कुछ और ही है। जानकारों ने अपना नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि लॉकडाउन होने के बावजूद फल और सब्जियों की उतनी मांग ही नहीं रही जबकि माल निरंतर अपनी स्पीड से आ रहा है। ऐसे में माल को संभालना मुश्किल हो चला है। मांग और आपूर्ति के इसी अंतर के चलते पिछले 3-4 दिन में ही फलों के होलसेल दामों में 10-30 प्रतिशत तक की कमी आ चुकी है।

राजनीति नहीं, राशन बांटें स्वयंसेवी : विज

अंबाला, 4 अप्रैल (निस)

गृह, स्वास्थ्य एवं स्थानीय शहरी निकाय मंत्री अनिल विज ने भाजपा के वालंटियरों से आह्वान किया कि राजनीति न करें बल्कि इससे ऊपर उठकर जरूरतमंद लोगों को राशन दें। उन्होंने कहा कि यह समय भूखे लोगों को भरपेट रोटी देने का है न कि राजनीति करने का।

अंबाला छावनी में दूसरे सप्ताह के राशन के वितरण का कार्य भाजपा द्वारा नियुक्त 40 वालंटियरो के माध्यम से आरंभ किया है। मंत्री विज के इस आह्वान पर कि अंबाला छावनी का एक भी व्यक्ति भूखा ना रहे पर अमल करते हुए भाजपा द्वारा 26 मार्च को अग्रवाल धर्मशाला अंबाला छावनी में राशन भंडारण का केंद्र खोला गया था। इसी केंद्र के माध्यम से मंडल प्रधान राजीव गुप्ता, किरण पाल चौहान, अजय पराशर की देखरेख में 27 मार्च को भाजपा द्वारा नियुक्त वॉलिंटियरों ने राशन वितरण का कार्य शुरू किया था।

विज ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर देश के नागरिकों से कोरोना वायरस को हराने के लिए आग्रह किया है। 5 अप्रैल को रात्रि 9 बजे 9 मिनट के लिए घरों की रोशनी बंद करके एक-एक दीपक अथवा मोमबत्ती, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाएंगे। इस प्रकार के महाप्रकाश से देश के लिए एक नयी रोशनी निकल कर आएगी और भारत कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी से बाहर आ जाएगा।

चंडीगढ़ के सेक्टर 24 में गरीबों को सहायता पहुंचाने के काम में भाग लेते भारत विकास परिषद के सदस्य। -प्रदीप तिवारी

राइजिंग अंबाला फाउंडेशन 500 लोगों को खिला रहा

अंबाला शहर (हप) : सामाजिक संस्था राइजिंग अंबाला फाउंडेशन लॉकडाउन के दौरान रोजाना 500 लोगों को न केवल खाना खिलाने का काम कर रही है बल्कि जरूरतमंदों को गांवों व कस्बों में भी सूखा राशन वितरित कर रही है। संस्था के प्रधान मक्खन सिंह लबाना के अनुसार पिछले 11 दिनों से रीब 500 गरीब प्रवासी मजदूरों को दोपहर व रात का भोजन बांट रहे हैं।

मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ देगे अध्यापक

अंबाला (नस) : हरियाणा एडेड कॉलेज प्राचार्य एसोसिएशन के प्रधान और जीएमएन कॉलेज अंबाला छावनी के प्राचार्य डॉ. राज पाल सिंह ने बताया कि हरियाणा एडिड कॉलेजों के प्राचार्य व प्राध्यापक साथी, मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन देंगे। यह राशि एक करोड़ रुपये होगी। उन्होंने बताया कि यह राशि सीधे मुख्यमंत्री राहत कोष में ऑनलाइन भेजी जाएगी।

डीएवी संस्थानों ने दान किये 5 करोड़

चंडीगढ़ (ट्रिन्यू)। कोरोना वायरस जनित महामारी से लड़ने के लिए डीएवी विश्वविद्यालय, डीएवी कॉलेजों, डीएवी स्कूलों के टीचर्स और स्टाफ ने अपना एक दिन का वेतन प्रधानमंत्री राहत कोष में देने का संकल्प लिया है। डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति के प्रधान डॉ पूनम सूरी ने कहा कि विपदा की इस घड़ी में डीएवी परिवार एवं आर्य प्रतिनिधि सभा देश सेवा के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कुल 5 करोड़ की राशि आरटीजीएस के माध्यम से पीएम केयर फंड में ट्रांसफर कर दी है।

निर्मल सिंह का किसानों से आह्वान

अंबाला (निस) : हरियाणा डेमोक्रेटिक फ्रंट के संस्थापक पूर्व मंत्री निर्मल सिंह ने कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू लॉकडाउन में मोर्चा से जुड़े किसानों से जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री पहुंचाने में मदद करने का आह्वान किया है। उन्होंने अपने संगठन के कार्यकर्ताओं की पीठ थपथपाते हुए कहा है कि जरूरतमंदों की मदद के लिए मोर्चा की ओर से चलाया गया जनसेवा अभियान प्रशंसनीय है। निर्मल सिंह ने कहा कि जरूरतमंद लोगों को तैयार भोजन और राशन पहुंचाने वाले कार्यकर्ताओं के रास्ते में अड़ंगे न लगाये जाएं।

बन रहा 5 हजार लोगों का खाना

पंचकूला (ट्रिन्यू) : वेद प्रकाश गर्ग का परिवार 5 हजार लोगों का खाना बनाकर लोगों को पहुंचा रहे हैं। सेक्टर 21 निवासी वेद प्रकाश गर्ग और उनके बेटे श्याम गर्ग ने बताया कि सामुदायिक केंद्र में रोजाना खाना बनता है। सुबह, दोपहर और शाम को 5 हजार ढाई हजार खाना पैकेट जिला प्रशासन के हवाले करते हैं और ढाई हजार पैकेट अलग-अलग लेबर साइट्स पर पहुंचाया जा रहा है। सफाई का ध्यान रखा जाता है।

वाहनों के चालान से 36.85 लाख की कमाई

अंबाला शहर, 4 अप्रैल (हप्र)

कोरोना के चलते देशभर में चल रहे लॉकडाउन के दौरान उल्लंघना करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 35 मामले दर्ज कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 169 वाहनों को जब्त किया और 1738 वाहनों के चालान कर 36 लाख 85 हजार जुर्माना वसूल किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अंबाला अभिषेक जोरवाल ने उक्त आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी नागरिक की लापरवाही उसकी, उसके परिवार व समाज के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

चंडीगढ़ के धनास थाने में शुक्रवार को कर्फ्यू के उल्लंघन पर इंपाउंड किये गये वाहन। -प्रदीप तिवारी

मस्जिद में नहीं मिला कोई जमाती

अंबाला (निस) : गांव पिलखनी की मस्जिद में जमातियों के छिपने की आशंका ने तनाव पैदा कर दिया है। गांव के कुछ लोगों ने जब मस्जिद की तलाशी लेकर प्रशासन को रिपोर्ट करनी चाही तो इस पर वहां के स्थानीय बाशिंदे बिफर गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के लोगों को आशंका थी कि गांव की मस्जिद में दिल्ली से आये जमाती हो सकते हैं। जिसके चलते गांव की पंचायत ने साहा थाना प्रभारी से सम्पर्क कर मस्जिद की तलाशी लेने की आज्ञा मांगी गई थी।

थाना प्रभारी चंद्रभान ने कहा कि गांव में स्थिति पर नजर रखी जा रहा है। मुस्लिम समाज के लोगों को समझाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। जहां तक मस्जिद में किसी जमाती के छिपने का सवाल है इसकी तलाशी ले ली गई है। यहां कोई जमाती नहीं है।

बिना अनुमति के वाहन होंगे जब्त, पुलिस कर्मियों को बांटे मास्क

पंचकूला/चंडीगढ़ (नस)। पंचकूला में बिना अनुमति के घूम रहे वाहनों का चालान कर इम्पाउंड किया जायेगा। पुलिस द्वारा जिले में लगाए गए नाकों पर केवल प्रशासन की अनुमति वाले वाहनों को ही जाने की मंजूरी दी जाएगी। यह जानकारी हरियाणा पुलिस के गुप्तचर विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक अनिल राव ने दी। अतिरिक्त पुलिस महानिदशेक ने गांव सकेतड़ी में बने शैल्टर होम का भी जायजा लिया। पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह, पुलिस उपायुक्त मोहित हाण्डा, पंकज नैन पुलिस अधीक्षक ने नाकों पर ड्यूटी दे रहे पुलिस कर्मचारियों को कोरोना वायरस से बचाव के चलते हैलमेट वाईजर, चश्मे और मास्क बांटे।

23 निजी, सरकारी स्कूलों को बनाया गया क्वारंटाइन सेंटर

अंबाला, 4 अप्रैल (निस)

जिला प्रशासन की ओर से कोरोना से संक्रमित व्यक्तियों को आइसोलेट और क्वारंटाइन करने के लिए बराड़ा के 23 संस्थानों को प्रशासन ने चिन्हित किया है। इसमें से अधिकतर बराड़ा के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के भवन है। जिला प्रशासन की ओर से हरियाणा अचल संपति की मांग एवं प्राप्ति अधिनियम 1955 के तहत इन संस्थानों को अधिग्रहण करने का निर्णय लिया गया है। यह जानकारी गिरीश कुमार, एसडीएम बराड़ा ने दी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से बराड़ा के एसएमएस स्कूल व एसएमएस कॉलेज, एमएम होटल मैनजमेंट भवन, अकाल एकेडमी होली को आइसोंलेसन सेंटर बनाया गया है।

कर्फ्यू को लेकर 16 मजिस्ट्रेट तैनात

चंडीगढ़, 4 अप्रैल (ट्रिन्यू)

चंडीगढ़ के जिला मजिस्ट्रेट ने शनिवार देर शाम आदेश जारी कर शहर में 16 कार्यकारी मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं। ये कर्फ्यू के चलते आवश्यकता पड़ने पर संबंधित एसएचओ को सहयोग करेंगे।

इनके साथ 16 अधिकारियों को इनके साथ रिजर्व रखा गया है। प्रशासन के संबंधित अधिकारी का कहना है कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए इन्हें तैनात किया गया है ।

इनमें 4 अधिकारी चंडीगढ़ प्रशासन से हैं और अन्य चंडीगढ़ आवास बोर्ड से हैं। इनमें से कुछ अधिकारियों को तो उन्हीं सेक्टरों में लगाया गया है जहां वे रहते हैं। कुछ को घरों से दूर स्थित थानों में तैनात किया गया है।

जीरकपुर के गोविंद विहार और हेम विहार क्षेत्र में शनिवार को समाजसेवियों ने सेनेटाइजेशन का कार्य किया। इस कार्य में गोविंद विहार वेलफेयर सोसायटी के प्रधान वेद प्रकाश शर्मा, चौधरी राम कुमार, कुलदीप राणा, हरजीत सिंह मिंटा आदि ने सहयोग दिया। इस मौके पर गरीबों और जरूरतमंदों को राहत सामग्री सौंपते सोसायटी के पदाधिकारी।

जान जोखिम में डाल क्वारंटाइन घरों से कचरा उठा रहे सफाई कर्मी

बनाई गयी 2 टीमें। विशेष सुरक्षा सूट से ढके जाते हैं कर्मचारी

रंजू ऐरी डडवाल/ट्रिन्यू
चंडीगढ़, 4 अप्रैल

चंडीगढ़ में कोरोना वायरस के कारण क्वारंटाइन किए गए घरों से सफ़ाई कर्मचारी जान जोखिम में डालकर कचरा उठा रहे हैं।

निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना था कि शनिवार के आंकड़ों के अनुसार शहर में करीब 700 घरों को क्वारंटाइन किया गया है। इसको लेकर कर्मचारियों को 2 टीमों में बांटा गया है। इन टीमों का नेतृत्व 2 कार्यकारी अभियंता कर रहे हैं। एक टीम का नेतृत्व कर रहे कार्यकारी अभियंता ने बताया कि यह सबसे बड़ा जोखिम का काम है लेकिन सभी सफाई कर्मचारियों को उचित संरक्षण दिया गया है। निगम प्रतिदिन सुबह ऐसे घरों की सूची अपडेट करता है और उसके बाद ही कर्मचारियों की तैनाती की जाती है।

इस कार्य में लगे एक निगम कर्मी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्हें तो नौकरी करनी है अतः जान जोखिम में डालनी पड़ती है। एक अन्य का कहना था कि वह तो घर जाकर भी नहीं बताते कि आज वह इन घरों से कचरा उठा कर आये हैं। सुपरवाइजर अतुल राणा ने बताया ति कचरा संग्रहण के समय हर श्रमिक को सिर से पैर तक विशेष सूट में ठीक से ढंका जाता है।

होता है रंगीन थैलियों का प्रयोग

इन घरों से संग्रह के लिए नारंगी या हरे रंग की थैलियों का उपयोग किया जाता है ताकि ये अन्य सामान्य कचरे के साथ मिश्रित न हों। कचरे के लिए एक खाली बैग दिया जाता है। निगम कर्मी इन थैलियों को नहीं छूते हैं। वे इसे दूसरे बैग में डाल देते हैं और बांध देते हैं।

डंपिंग ग्राउंड में गाड़ देते हैं कचरा

कचरा उठाने के बाद सेक्टर 25 के डंम्पिंग ग्राउंड के गड्ढों में बैग डंप किए जाते हैं। निगम ने वहां एक जेसीबी मशीन को स्थाई रूप से खड़ा किया है जो वहां खोदने और फिर गड्ढों को मिट्टी से भरने के काम में प्रयोग लाई जा रही है।

जेसीबी मशीन चालक की भी होती है सुरक्षा

जेसीबी मशीन के चालक को भी सुरक्षा सूट पहनाया जाता है। सफाई कर्मियों को दिया जाने वाला सूट भी कचरे के साथ फेंक दिए जाते हैं। इन घरों से कचरा उठाने वाले वाहनों को भी शाम को साफ किया जाता है। सभी वाहनों पर जीपीएस लगा है।

बरती जा रही पूरी सावधानी : एमओएच

इस संबंध में निगम के एमओएच डॉ. अमृत वारिंग ने कहा कि निगम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन कर रहा है। ऐसे घरों से कचरा उठाने वालों को सुरक्षा कवर देकर ही भेजा जाता है। अन्य गारबेज कलेक्टरों को ऐसे घरों से दूर रहने के लिए कहा गया है।

घर में पर्याप्त राशन के बावजूद हेल्पलाइन पर हो रहीं फर्जी कॉल

पंचकूला, 4 अप्रैल (ट्रिन्यू)

नगर निगम के वार्ड नंबर 13 के अंतर्गत आने वाले गांव अभयपुर में कोरोना हेल्पलाइन नंबर पर फर्जी कॉल की जा रही हैं। शनिवार को हेल्पलाइन नंबर पर एक महिला ने फोन किया कि उसके घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं और 12 बज चुके हैं, लेकिन खाना नहीं आया। घर पर एक दाना भी नहीं है। बच्चों ने जीना मुहाल कर रखा है। हेल्पलाइन नंबर से सूचना के बाद जिला बाल कल्याण परिषद अधिकारी भगत सिंह, पुलिस एवं अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद महिला से संपर्क किया, तो यह महिला 15-6 महिलाओं को लेकर गली में आ गई। जब पुलिस और भगत सिंह महिला के घर पहुंचे, तो उसके घर पर 25 किलो आटा, 20 किलो चावल, 10 किलो आलू, 5 किलो प्याज, हल्दी, मिर्च, नमक, तेल सहित अन्य सामान बड़ी मात्रा में पड़ा था। भगत सिंह ने बताया कि रोजाना कोई न कोई फेक कॉल कर समय की बर्बादी कर रहा है।

महिला थाना में स्पेशल कम्युनिटी किचन शुरू

पंचकूला/चंडीगढ़, 4 अप्रैल (नस)

कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान गरीब लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए महिला थाना पंचकूला मे 'स्पैशल कम्युनिटी किचन' की शुरूआत की गई। इस किचन का उद्देश्य गरीबों व जरूरतमंदो को खाना उपलब्ध करवाना है। यहां पर खाना तैयार करने से लेकर खाना बांटने का काम पुलिस कर्मचारी ही कर रहे हैं। इस किचन के माध्यम से 500 खाने के पैकेट गरीबों तथा जरूरतमंदो को वितरित किए गये।

वरिष्ठ नागरिकों को मिलेंगी घरों में चिकित्सा सुविधाएं

चंडीगढ़ (ट्रिन्यू)। चंडीगढ़ प्रशासन शीघ्र ही घरों में बैठे वरिष्ठ नागरिकों के रूटीन चेकअप के लिए शहर में मोबाइल वाहन शुरू करेगा। इसके लिए प्रशासन ने निजी चिकित्सकों से सेवायें देन का अनुरोध किया है। चंडीगढ़ के प्रशासक ने कहा कि ही कर्फ्यू के कारण लोग अस्पतालों अथवा अपने निजी चिकित्सकों के पास नहीं जा पा रहे हैं। प्रशासक ने निजी चिकित्सकों से अनुरोध किया कि संकट की इस घड़ी में उनकी सेवाओं की आवश्यकता है। प्रशासक वीपी सिंह बदनौर ने आज आदेश दिए कि यूटी सचिवालय में स्थापित कोविड वार रूम में रविवार से सभी अधिकारी नहीं बैठेंगे। सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखने के लिए अब से केवल वार रूम में सलाहकार, गृह सचिव, डीजीपी, वित्त सचिव, निगमायुक्त और जिला मजिस्ट्रेट ही प्रतिदिन की रिव्यू बैठक में उपस्थित होंगे। अन्य वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्पर्क करेंगे।

epaper.dainiktribuneonline.com

कहानी

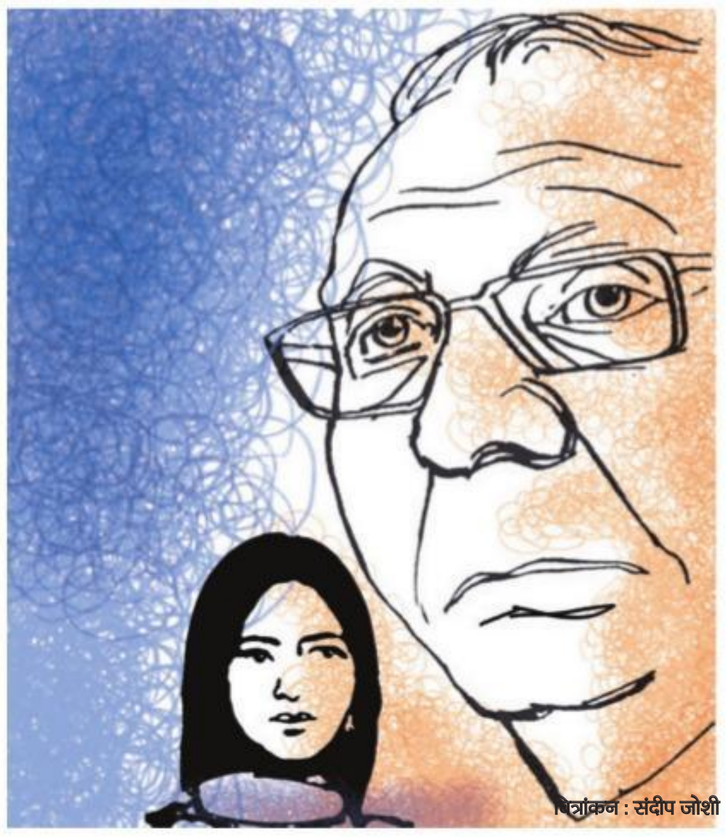

चित्रांकन : संदीप जोशी

कक्का जी

गोपाल नारायण आवटे

अभी सो कर उठ भी नहीं पाए थे कि पत्नी ने मुझे बताया—'कक्का जी दरवाजे के बाहर बैठे हैं।' मैं नींद में ही था, ठीक से जागा नहीं था—'क्यों बैठे हैं?'

'पता नहीं, मैं तो दरवाजा खोलने जा रही थी कि जाली में से नज़र पड़ गई। मैं तो घबरा गई थी न जाने कौन है? लेकिन ध्यान से देखा तो वह कक्काजी थे।' पत्नी ने पूरी बात को स्पष्ट करके कहा।

'तो उन्हें अन्दर बैठा लेती, मैं थोड़ी देर और सोना चाहता हूं।' मैंने चादर पांव पर करके मुंह ढांप लिया।

'न जाने कहां-कहां की मुसीबतें आकर गले पड़ जाती हैं।' पत्नी बड़बड़ाते हुए बाहर कमरे से हो गई।

मैं भरपूर सोने की चेष्टा करता रहा लेकिन नींद ने मानों हड़ताल कर दी थी। मन तेजी से दौड़, खेतों-गांव-नदी की ओर लौट पड़ा था। अतीत मनुष्य का उसकी मृत्यु के साथ ही समाप्त होता है। अतीत को स्मृत करना और उसमें डूब जाना, एक सुखद अहसास है।

कक्का जी हमारे घर के पास ही रहते थे। उन दिनों उनका जीवन बड़ा संयमी था। नर्मदा नदी का प्रातः स्नान फिर पूजा-पाठ, उसके बाद अन्न ग्रहण करना। काकी भी सद्भावी महिला थीं। बड़ी धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। पति की देखभाल करना ही उनके जीवन का अन्तिम लक्ष्य था।

मैं कॉलेज में था और यदाकदा गांव आता रहता था। कक्का जी आवाज़ देकर पुकार लेते थे—'ऐ अनिल, इधर तो आ।'

मैं जब उनके लिए पुते आंगन में आता तो काकी जी भी दरवाजे की ओट से बाहर आ जातीं—'ले अनिल बेटा ताजा मही (मट्ठा) पी ले।' मैं भी बिना संकोच के ग्लास थाम लेता था। कक्का जी जान लेना चाहते थे कि मैं शहर में क्या पढ़ रहा हूं? उस पढ़ाई के बाद क्या करूंगा? कितना वेतन मिलेगा? मैं भी विस्तार से बताता था। उनकी आंखों में प्रसन्नता देखकर मैं बहुत खुश होता था। काकी भी पास में बैठकर सब्जी काटने लगता या मुझसे खाना खा लेने का आग्रह करतीं।

ठण्ड के दिनों में तो चूल्हा आंगन में बना होता, जिस पर काकी गर्मागर्म रोटी सेंकती और तुअर की दाल के साथ, पीतल की थाली में खाना परोस देतीं—'ले खा ले।'

मैं भी बिना कुछ कहे हाथ धोकर खाना खाने बैठ जाता। काकी शहर की बातें सुनती, मेरी प्रगति की बातें जानती। गहरी शाम में चूल्हे की लाल-लाल लपट उनके चेहरे को दीप्तिमान कर देती थी। उनका एकमात्र पुत्र था जो अभी छोटा था, जिसका मन पढ़ाई में बिल्कुल नहीं लगता था।

कक्का जी कभी कहते—'अनिल तुझे नौकरी मिल जाए तो बेटा इस गधे को तेरे यहां रखवा दूंगा ताकि यह वहां रहकर कुछ लच्छन सीख जाये।'

'जरूर कक्का जी' मैं रोटी को खाता हुआ जवाब देता।

'बेटा ये गांव, ये बस्ती, हम लोगों को भूल मत जाना?' काकी कहती।

'कैसी बात करती हो काकी?' मैं उनका मन रखने को कहता।

उनका जो बेटा था उसकी शरारतें उसके स्कूल से भाग जाने के किस्से मुझे गांव में सुनने को मिलते, वह चेहरे से ही शरारती और मूढ़ बुद्धि का प्रतीत होता था। न जाने ऐसे परिवार में कहां से जन्म ले लिया था। इधर, मेरी पढ़ाई खत्म करके एस.आई. पुलिस की परीक्षा की तैयारी में लग गया था। सुबह उठना, व्यायाम करना, दौड़ना, पढ़ाई करना इसी में व्यस्त था। गांव भी लगभग नहीं जा पाया था, लेकिन अक्सर जो भी गांव से आता वह घर से लाये सामान के साथ कक्का जी के बेटे का समाचार भी लेते आता था। वह बताता था कि काकी भी बेटे को लेकर कितनी परेशान है। 'अब तो बेटे ने सिगरेट पीना शुरू कर दी है, घर में से चोरी-छिपे अनाज लेकर शराब का पव्वा भी पी लेता है।'

मैं कल्पना करता था कि कक्का जी कितने दुःखी होते होंगे। काकी तो कक्का जी को देखकर उनसे अधिक दुःखी होती होंगी। एक बार परीक्षा देकर मैं गांव गया था जब कक्का जी के घर के सामने से निकला तो कक्का जी सूनी आंखों से पता नहीं आसमान के पार क्या देखने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आवाज़ देकर मुझे नहीं पुकारा, लेकिन मेरे पांव ठिठक गए। मैं उनके आंगन में जा पहुंचा। वह मुझे देख नहीं पाए थे, जब पास आया तो चौंक गये—'रे अनिल कब आया?'

'बस अभी आया हूं।' मैं कह ही रहा था कि काकी ने अन्दर से आते हुए प्रेम से कहा—'सत्तू खायेगा? आज ही हाथ से पीस कर बनाया है।'

'मैंने आज तक मना किया है?' मैंने हंसते हुए कहा। चाची ने एक बड़ा कटोरा सत्तू दूध में घोल कर लाकर दे दिया।

'छोटू दिखाई नहीं दे रहा है?'

'कहीं दारू पीकर पड़ा होगा।' कक्का जी के मुंह से ऐसी बात निकलती मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

'न जाने कौन से जन्म का पाप भोग रहे हैं।' काकी ने पल्लू से आंसू पोंछते हुए कहना जारी रखा—'इन्हें परेशान, दुःखी देखकर मेरी जान आधी हो जाती है।'

कक्का जी जाने के लिए उठ खड़े हुए—'बेटा मेरे सिर का बहुत बड़ा वजन कम हो गया।' मुझे बड़ी शर्म आ रही थी कि मैं क्या कल्पना कर रहा था। यह तो सब उल्टा हो गया। अपनी झेंप मिटाना चाहता था तब ही पत्नी ने मीठे स्वर में कक्का जी से कहा—'आप कुछ दिनों तक यहां रुकें, फिर जाना, आप हमारे बड़े बुजुर्ग हैं।' आज तक मैंने पत्नी के मुंह से इतनी मीठी बात नहीं सुनी थी। उसके स्वर में यह मिठास जेवर के मूल्यों के चलते आ गई थी।

पूरा वातावरण गम्भीर हो गया था। मैंने कहां छोटू की बात छेड़ दी थी?

'सब ठीक हो जायेगा।' मैंने सत्तू पीते हुए कहा।

'न जाने कब सुधरेगा? मेरे मरने के बाद?' कक्का जी ने कहा तो काकी नाराज हो गईं।

'क्या अशुभ बातें करने लगे, बेटा तू इनकी बातों का बुरा मत मान, आजकल इनका दिमाग चल गया है।' काकी ने कक्का जी का बचाव करते हुए कहा।

मैं क्या कहता? थोड़ी इधर-उधर की बातें करने के बाद लौट आया था। शहर में पुलिस परीक्षा में पास हो गया, फिर ट्रेनिंग के लिए चला गया। इस मध्य एक बार एक दिन के लिए आना हुआ था। मां ने ही बताया था कि 'कक्का जी का बेटा बिगड़ गया है। राहजनी करने लगा है, घर का सामान चुरा कर शराब पीने लगा है, पूरे गांव का नाम बदनाम कर दिया है।'

मुझे समय भी नहीं था। मैं आराम करके लौट गया था। इसी मध्य प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मुझे नौकरी के लिए एक थाना भी मिल गया।

जीवन अच्छे से चल रहा था कि एक दिन एक अपराधी को मारपीट के आरोप में पकड़ कर लाए थे। कुछ देर बाद कक्का जी भी पूछते-पूछते थाने में आ पहुंचे। मैंने आगे बढ़कर चरण स्पर्श किये। वह मारपीट करके लाया गया छोटू ही था। कक्का जी उसकी जमानत लेने आये थे। मैंने छोटू को बुलवाया, प्यार से समझाया और बिना कोई केस बनाये जाने दिया। कक्का जी ने हज़ार आशीष दिये। मैं जो कुछ थोड़ा-बहुत कर सकता था कर दिया था। लेकिन छोटू के हौसले बढ़ गए थे। आये दिन उसकी खबरें मिलने लगी थी। आखिर एक दिन मैंने ही उसे पकड़ लिया। मारपीट नहीं की, लेकिन जेल में भिजवा दिया।

इस बार काकी जी आई थी। नीची नज़रें किए हुये थी। मुझे बड़ी शर्म आई, वकील करवाया, जमानत करवाई और छुड़वाया। इस तरह मैंने ही पकड़ा और मैंने ही छुड़वाने में मदद की। मेरा स्थानान्तरण इस थाने से हो गया था। चोर, डाकू, अपराधियों के बीच पूरा समय निकलने लगा था। गांव छूट गया था। उड़ती-उड़ती खबर मिली थी कि काकी जी का स्वर्गवास हो गया। पुत्र का कोई भी सुख उन्हें नसीब नहीं हो पाया। काकी जी की मौत का समाचार मुझे कुछ देर दुःखी कर गया था। छोटू कोई बड़े अपराध में लम्बी सज़ा काट रहा था। मैं नगर निरीक्षक से डी.एस.पी. की पोस्ट तक जा पहुंचा था।

समय तेज़ी से आगे बढ़ते जा रहा था। बहुत कुछ पीछे छूट गया था। एकाध बार कक्का जी अपने बेटे के लिए आये थे, लेकिन मैं कुछ विशेष करने की स्थिति में था भी नहीं।

बरसों बाद आज कक्का जी न जाने कैसे आ गए? न जाने कैसे पता लगा लिया कि मैं यहां पदस्थ हूं शायद घर से पता लिया होगा।

मुझे बिस्तर पर काफी देर हो गई थी। मजबूरी में उठा, फ्रेश हुआ, जब तक पत्नी उन्हें चाय पिला चुकी थी। मैं जब उनके सामने आया तो देखा कक्का जी के बाल पूरे सफेद हो गये थे। सफेद धोती कमीज में वह देवदूत समान लग रहे थे। मैंने वैसे ही औपचारिक रूप से पांव छूने का अभिनय किया।

'खुश रहो, फलो फूलो।' उन्होंने मुझे आशीश दिया। जानता था कि पिता से जीवनभर पुत्र मोह जाता नहीं है और यह जान रहा था कि वह अब अपनी 'छोटू की कथा प्रारम्भ करेंगे।'

मैंने उनकी कथा शुरू होने के पूर्व ही कहना शुरू कर दिया—'नाश्ता आपका हुआ?'

'हो जायेगा बेटा।'

'आजकल काम खूब बढ़ गया है, सरकार भी जान लिये ले रही है—अपराध और अपराधी दोनों बढ़ गए हैं। महीने में हमें कक्का जी टारगेट मिला है कि इतने अपराधियों को पकड़ना ही है, आप ही बताइए यह भी कोई बात है।' मैं मूर्खों की तरह अपनी बातों को रख रहा था। कक्का जी ने भी सिर हिलाते हुए कहा—'सच कह रहे हो बेटा, अपराध खूब बढ़ गए हैं। जीवन जीना हराम हो गया है।' कक्का जी द्वारा मेरी बात का समर्थन होते देख मैं खुश हो गया, क्योंकि जानता था कि इस तरह छोटू की कोई भी सिफारिश वह नहीं कर पायेंगे। मैंने ही कहा—'आप नहा-धो कर भोजन करें, मुझे ड्यूटी की तैयारी करना है।'

'नहीं बेटा, मैं अधिक समय नहीं ठहरूंगा, मैं तो तीर्थ के लिए निकल रहा हूं, घर बेच दिया, अब कुछ भी मोह नहीं है।'

'आप कैसी बातें कर रहे हैं।'

'ठीक कह रहा हूं।'

'फिर आपका आना कैसे हुआ?' मुझे आश्चर्य हो रहा था।

'अब क्या कहूं बेटा, मोह तो छूटता नहीं है।' उन्होंने कहा, और मेरा दिल धड़का।

अब कक्का जी मतलब की बात कहेंगे। कक्का जी ने इधर-उधर देखा और कहा—'बेटा तेरी काकी ने तुझे बेटे जैसा देखा, तूने हमारी बहुत मदद की, इतना तो सगा भी नहीं करता है।' कहकर अपनी थैली में से एक कागज़, पासबुक निकाल कर देते हुए कहा—'इसमें रुपये जमा हैं, मैंने रुपये का वारिस (नॉमिनी) तुम्हें बनाया है, स्टाम्प पर लिख भी दिया है, मैं अब नहीं लौटा तो यह सब रुपये तू रख लेना हैं?' फिर इधर-उधर देखकर पत्नी को बुलाया और थैली में से कुछ सोने-चांदी के जेवर देते हुए कहा—'ये बहू तुम्हारे लिए, अब तीर्थ पर इसका क्या मोह? रख लो।' संकोच के बाद पत्नी ने रख लिये।

कक्का जी जाने के लिए उठ खड़े हुए—'बेटा मेरे सिर का बहुत बड़ा बोझ कम हो गया।' मुझे बड़ी शर्म आ रही थी कि मैं क्या कल्पना कर रहा था। यह तो सब उलटा हो गया। अपनी झेंप मिटाना चाहता था तब ही पत्नी ने मीठे स्वर में कक्का जी से कहा—'आप कुछ दिनों तक यहां रुकें, फिर जाना, आप हमारे बड़े बुजुर्ग हैं।' आज तक मैंने पत्नी के मुंह से इतनी मीठी बात नहीं सुनी थी। उसके स्वर में यह मिठास जेवर के मूल्यों के चलते आ गई थी।

कक्का जी ने आशीर्वाद दिया और अपनी थैली लेकर जाने के लिए उठ खड़े हो गये। मुझे अभी तक अपनी कही बातों पर शर्म आ रही थी। मैं अपनी झेंप मिटाना चाहता था।

अपनी शर्म को छिपाते हुए मैंने कक्का जी से पूछा—'और छोटू कहां है?'

कक्का जी जाते-जाते रुक गये। खड़े होकर मेरे चेहरे को देखा, फिर कहने लगे—'बेटा उसका जेल में रहना ही अच्छा है, कम से कम लोग सुरक्षित तो हैं फिर अब मुझे उसका भी मोह नहीं रहा है। मैं तो तुम्हारे और बहू के मोह के चलते यहां आया।' कहते-कहते कक्का जी का गला भर आया।

पत्नी ने सिर पर पल्लू लेकर उनके चरण को स्पर्श किया, उन्होंने ढेर-सा आशीर्वाद दिया। एक डेड़ घण्टे रुक कर कक्का जी चले गये। बरसों बीत जाने के बाद भी वह नहीं लौटे हैं, लेकिन इतने बरसों बाद भी वह झेंप, वह शर्म से मैं मुक्त नहीं हो पाया हूं। प्रत्येक व्यक्ति सिर्फ अपने मतलब से ही आया हो, ज़रूरी नहीं है। कक्का जी ने मुझे जीवन भर के लिए सीख दे दी थी।

कविता

ख़ुशी

ख़ुशी संजोनी चाही हमेशा
संजोये थे कभी रंगीन कंचे जैसे
जैसे संजोये थे किताबों में
खत और गुलाब
और फिर संजोते ही रहे रुपये

चिल्लर-सी ये खुशियां
घट जाती है अक्सर
छोटी-छोटी बातों से
ये घट जाती हैं जब
बच्चा स्कूल जाने में
लेट होता है या
पालतू कुत्ता चबा जाता
है चश्मा

ये घट जाती हैं जब
गीले फर्श पर
चला आता है कोई
निशान बनाते

बिखर जाती हैं ये
चीजों के बिखरने से
गीले टॉवेल के बिस्तर पर
होने से

सब्जी में नमक ज्यादा
या तारीफ़ कम होने से
खो जाती है अक्सर ये
जुराबों या रूमालों संग

मिल जाती है कभी
बछड़े को दरवाजे पर
खड़ा देख
पालतू कुत्ता दे देता है
रोज ही उसके पास से
चाटकर दुम हिलाकर

बगीचे में नई कोपलों में
फुट आती हैं
तो कभी कोई अनजाना
धार्मिक तोड़ ले जाता है
अलसुबह फूलों संग

लेकिन जब ये अकारण
आती है तो
झांकता हूं खुद में
महसूसता हूं कोई खिलावट
आंखें बंदकर भीगता हूं
भावों की बारिश में
निहारता हूं हृदय की
हरियाली

और अब अकारण ही
खुश हो लेता हूं अक्सर...

- मनीष शर्मा

पुस्तक समीक्षा

न भरने वाले जख्मों की दास्तां

पुस्तक : सुरजन
लेखक : पलविन्द्र कौर खैहरा
प्रकाशक : अमृत बुक्स, कैथल
पृष्ठ : 215
मूल्य : रु. 400.

राजकिशन नैन

पलविन्द्र खैहरा द्वारा रचित 'सुरजन' उपन्यास विभाजन के समय बहुसंख्यक भुक्तभोगियों के जरिये बदहवासी में की गई त्रासदायी यात्रा का मार्मिक दस्तावेज है। इस कथानक में बंटवारे के खौफ का दर्दीला चित्रण है जो विषम और प्रतिकूल परिस्थितियों की सघनता के कारण अतीव प्रभावी बन गया है। । इसमें मौत के तांडव से डरकर भाग रहे बुजुर्गों, बच्चों, औरतों, युवतियों व पुरुषों की विवशताओं, कुंठाओं और विडंबनाओं को धारदार कोणों से उभारा गया है। कहते हैं वक्त बड़े से बड़े जख्म को भर देता है, पर रूह पर लगे तीक्ष्ण जख्मों का मरहम अभी ईजाद नहीं हुआ है। खासतौर पर उन जख्मों का, जिनसे जुड़ी यातनाएं कई पीढ़ियों ने बरसों तक बार-बार झेली हों।

भारतीय इतिहास में विभाजन सरीखी दर्दीली मिसाल शायद ही मिले। विभाजन की खातिर हुए दंगों में सदियों से घी-शक्कर की भांति घुलमिल रहने वालों ने बर्बरता और पाशविकता की तमाम हदें पार कर दीं। फरसों से एक-दूसरे की गर्दनें काटी, औरतों की असमत लूटी। सैकड़ों साल की आपसदारी एक ही झटके में टूट गई। विभाजन के दिनों लोगों को पुरखों के घर, खेत, कारोबार और गांव-कस्बे छोड़कर रातों-रात खूंरेजी से भरे दिल-दहलाने वाले डरावने रास्तों पर भागना पड़ा। दुकान-मकान, जमीन-जायदाद, रोजी-रोटी, डंगर-ढोर और सगे-संबंधी सब पीछे छूट गए। इन दाहक घटनाओं का बेगानी जगह बसने वाली पीढ़ियों पर बड़ा दुखदाई असर पड़ा।

पश्चिमी पाकिस्तान के शेखपुरा गांव के सिख जमींदारा सुरजन, उसके बाप हजारा सिंह एवं उसके ताऊ नाजर सिंह को केन्द्र में रखकर रची गई कहानी में बताया गया है कि विभाजन की त्रासदी से किस तरह लाखों विस्थापित लोग सबकी देखती आंखों अर्श से फर्श पर ढह पड़े। मुंह छोड़ घी-दूध वाले स्त्री-पुरुष रोटी के एक-एक निवाले को तरसे; खानदानी, दातार और सदाबरत खोलने वाले व्यक्ति पाई-पाई के लिए हाथ पसारने को मजबूर हुए। शरणार्थी बनने से लेकर खुद को नये इलाकों में स्थापित करने के लिए दिन-रात मशक्कत करनी पड़ी। दोनों तरफ की बहू-बेटियों ने अमानवीय जुल्म सहे। अनगिनत लोग अपने बिछुड़े परिजनों और पीछे छूटे हुए गांवों को एक दफा देखने की हसरत दिल में लिए दुनिया से रुखसत हो गए। 'बहन, बहन, बहन हाय ओ रब्बा मेरी बहन कित्थे गई' कह-कह कर पागल हो गए। 'ओये रब्बा अस्सी की बिगाड़िया सी, जो तू सानू मारियां की टेर लगाते हुए बेवतन हो गए। वाह री किस्मत पलों में राजे भिखारी बना दिए। बंटवारा हंसती खेलती बस्तियों को तिनकों की तरह बिखेर गया।

हुकूमतों ने कुर्सी की खातिर बसे बसाये घर उजाड़ दिए। सुरजन जीते जी अपनी बिछुड़ी हुई बहन की सूरत नहीं देख पाया।

टूटती सांसों में अंगड़ाई लेती ज़िंदगी

पुस्तक : ठहरती सांसों के सिरहाने से
लेखिका : अनन्या मुखर्जी
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
पृष्ठ : 99
मूल्य : रु. 125.

मीनाक्षी वाशिष्ठ

यह कहानी है एक बहादुर लड़की की मौत से लुका-छिपी की। कहानी है एक जिंदादिल इंसान की अंतिम समय तक उत्कट जिजीविषा बनाये रखने की। 'ठहरती सांसों के सिरहाने से जब जिंदगी मौज ले रही थी' पुस्तक एक कैंसर पीड़ित युवती अनन्या की डायरी के पन्नों से ली गयी अनुभव गाथा है। 2012 में शादी, 2016 में स्तन कैंसर और 18 नवंबर, 2018 को निधन — यह सब इतने कम समय में घटित होने के बावजूद अनन्या ने सकारात्मकता और हिम्मत से कैंसर का मुकाबला किया और इस दौरान अपनी डायरी के पन्नों पर अपनी संघर्ष गाथा बयान की।

अपने मजबूत दिल का वर्णन करते हुए वह कहती है, 'मैं सांस ले सकती हूं, शोर मचाती चल सकती हूं, मुर्गे की बांग सुन सकती हूं और देख सकती हूं प्रकृति के सौंदर्य को। कौन चिंता करे एक बेहतर भविष्य की। आज का वसंत का यह दिन ही काफी है। जिंदगी का एक दिन भी जिंदगी तो है ही।' वह वेलेंटाइन डे, महिला दिवस को मनाने से भी नहीं चूकती। रंगीन आई शैडो खरीदते हुए कहती है - 'प्यार करने का समय तो अभी है - चाहे जिंदगी टूटी-फूटी और उजड़ी हुई हो, भविष्य या बाल दोनों ही नहीं हों, तो भी यह प्यार करने का अच्छा वक्त है।'

उसे ऐसे पुरुषों से नफरत होती है जो कैंसर पीड़ित महिलाओं को देखकर भी उत्तेजित हो जाते हैं। वह उन्हें गिद्ध कह कर पुकाती है। वह अपने पति, भाइयों, दादी, मां और अपने पिता के बारे में भी डायरी में लिखते हुए महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों की बात करती है। वह दुनियाभर की मांओं के प्रति समाज के तिरस्कृत व्यवहार पर दुःखी होती है और कहती है कि कहीं छोटी-मोटी गलतियों की गुंजाइश छोड़ देनी चाहिए ताकि एक मां को सांस लेने की मोहलत तो मिले।

जीवन का एक बड़ा हिस्सा दिल्ली में बिताने के बाद अनन्या जयपुर में शादी के बाद पति के साथ वहीं रहने लगी, लेकिन वह बार-बार दिल्ली की देसी सुंदरता को याद करती रही और जयपुर को जतन से बनाये कारागृह की सूचक मानती रही।

एक साधारण मकड़ी के अलावा वह अपने जीवन में किसी और चीज से नहीं डरी, निकट आती मौत से भी नहीं। खूबसूरत, स्पष्ट, बिना किसी लाग-लपेट के अपनी बात कहने वाली अनन्या अपनी बीमारी के दौरान भी काम में जुटी रही। मृत्यु से कुछ दिन पहले उसने अपनी एक पुस्तक की पांडुलिपि का प्रारूप छपने के लिए प्रकाशक को भेजा था। इसमें कैंसर के साथ उसकी लड़ाई और उसके जीवन जीने की अनोखी कला का वर्णन था। उसके दुनिया छोड़ जाने के बाद इस पुस्तक का प्रकाशन हुआ। कीमोथेरैपी के बेइंतहा दर्द के बीच भी जिस तरह उसने जीवन की विडंबनाओं को नजरंदाज करते हुए जिंदगी जी, वह वाकई में किसी भी मरीज के लिए उम्मीद की किरण हो सकती है।

सामाजिक विडंबना के दंश

पुस्तक : वो अब भी पुकारता है
लेखक : पीयूष मिश्रा
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
पृष्ठ : 75
मूल्य : रु. 99.

मनमोहन गुप्ता मोनी

नाटक की दुनिया में पीयूष मिश्रा का नाम अपरिचित नहीं है। उनका लिखा 'वो अब भी पुकारता है' चंबल की जाति व्यवस्था पर सवालिया निशान उठाता हुआ विचारोत्तेजक नाटक है।

नाटक की शुरुआत ही बुंदेली बोली में होती है जब बुड्ढो कहती है कि अरे रक्छा करना परभु जी। जै हो चंबल मैया की। मरे का नाम मंगल धुनिया। बाप का नाम बिसवा धुनिया। गांव अंबा, जिला मुरैना। अरे बिटवा। जाते जाते अपने गांव को याद रखियो। अपने बप्पा को याद रखियो। अपनी दादी को याद रखियो। अपने दोस्तन को याद रखियो। सभई को याद रखियो। भूल मत जइयो। बोलो, कौन मैं झूठ बोल रही? इसी प्रकार के कलेवर को समेटे इस नाटक के बारे में पीयूष ने सभी सवालों के जवाब बड़ी कुशलता से दिए हैं।

हरिजनों के साथ अत्याचार आज भी हो रहे हैं। हरिजन जाति के ही एक नौजवान की ठाकुर हरिभान हत्या कर देता है। हत्या का चश्मदीद गवाह उसी बिरादरी का युवक है। ठाकुर प्रभावशाली आदमी है। इसलिए वह बयान से मुकर जाता है। ग्रामीण परिवेश के इस नाटक में कई रोचक एवं प्रभावशाली घटनाएं इसे गंभीर बनाती हैं। पीयूष मिश्रा का यह नाटक पढ़ने के बाद अहसास होता है कि उन्होंने इस घटनाक्रम को स्वयं जिया है। नाटक अपनी तरह का एक अनूठा प्रयोग है, जिसमें ऐसे मुद्दे मुखर हुए हैं जो हाशिये पर धकेल दिए जाते हैं।

लेखक की यह रचना उद्देश्यपरक है, जिसमें समाज की विडंबना ही नहीं उदासीनता भी लक्षित होती है। बुंदेली बोली में लिखे इस नाटक में मंचन की पूर्ण संभावनाएं हैं। एक सशक्त और प्रभावशाली नाटक है 'वो अब भी पुकारता है'।

अनुभव-संवेदनाओं का संगम

पुस्तक : सफर की सुगंध
लेखक : मंगल राम अत्रि
प्रकाशक : अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
पृष्ठ : 103
मूल्य : रु. 150.

नाज़ खान

वरिष्ठ साहित्यकार मंगल राम सिंह अत्री एक अच्छे कवि भी हैं। उन्होंने न सिर्फ काव्य नाटक ही लिखे हैं, बल्कि ग़ज़लें और कविताएं भी उनकी संवेदनाओं को पूरे तौर व्यक्त करती नज़र आती हैं। उनके काव्य संग्रह 'सफर की सुगंध' को उनके जीवन के अनुभवों, संवेदनाओं के समन्वय का खूबसूरत संगम कहा जा सकता है। जहां अपने समाज, अपने माहौल को उनके शब्दों में अभिव्यक्ति मिली है, वहीं आज के समय में सियासत को भी उन्होंने अपने काव्य में जगह दी है।

कुल मिलाकर देखें तो 'सफर की सुगंध' उनके विचारों, समाज को लेकर उनकी सोच और एक कवि के तौर पर उनकी संवेदनाओं को कई रूपों में व्यक्त करती है। जहां एक ओर वह लिखते हैं, 'साथी मेरे यह मत पूछो, क्या बीती है नारों पर, कुछ गलियों में लटक गए, कुछ चिपक गए दीवारों पर', तो इसी में आगे उन्होंने एक बेटी के बाबुल के घर से विदा होने के भावुक समय को शब्दों में कुछ इस तरह बांधा है कि 'बाबुल के आंगन में जब-जब गीत सिसकियां भरते हैं, भारी होता जाता है, डोली का भार कहारों पर।' आज कल भले ही डोली-कहार का चलन न हो, लेकिन एक पिता और बेटी की भावनाओं में शायद ही कोई अंतर आया हो।

उन्होंने आज के ज्वलंत और मार्मिक विषय को भी उठाया है। कवि का ध्यान दुनिया की सुंदरता से इतर उन बच्चों की ओर भी गया है, जो भटकाव में आकर हाथों में हथियार उठा लेते हैं। बहुत एहतियात के साथ उन्होंने इस विषय पर संवेदना के साथ प्रश्न उठाया है।

संस्कारों की बाल कहानियां

पुस्तक : मधुकांत की बाल केंद्रित कहानियां
संपादक : प्रो. शामलाल कौशल
प्रकाशक : मोनिका प्रकाशन, दिल्ली
पृष्ठ : 112
मूल्य : रु. 300.

घमंडीलाल अग्रवाल

साहित्यकार डॉ. मधुकांत ने विपुल बाल साहित्य की रचना भी की है। डॉ. मधुकांत की नवीनतम बालकृति है 'मधुकांत की बाल केंद्रित कहानियां।' पुस्तक में 16 कहानियों को स्थान मिला है।

'तिरंगा हाउस' एक सैन्य परिवार के देशप्रेम और बलिदान को दर्शाने वाली कहानी है, जिसे अपने राष्ट्र-ध्वज से गहरा लगाव है। 'झण्डा' श्रमिक वर्ग का शोषण बयान करती है। 'ज्योत से ज्योत जले', 'जय शिक्षक', 'अध्यापक बनने और होने के बीच' तथा 'बाल दिवस' नामक कहानियां श्रेष्ठ शिक्षक के क्रियाकलापों पर आधारित हैं, जिनका केंद्र बिंदु है—गुरु-शिष्य प्रेम। 'लाक्षागृह' से सीख मिलती है कि हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए।

'एनीमिया से जंग' सरकारी तौर पर चलाये जा रहे जन-अभियान का अनुसरण करती है, जिसमें रक्त के बारे में जानकारी मौजूद है। '134-ए का दंश' नामक कहानी निजी स्कूलों द्वारा गरीब छात्रों के शोषण का खुलासा करती है। 'मेरी बेटी महक' तथा 'बरगद की बेटी' कहानियों में बेटियों की श्रेष्ठता व महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। 'सदी के पार' मानवीय मूल्यों के ह्रास व विघटन की कहानी है। 'परखनली में जन्म' के माध्यम से माता-पिता को पूरी तरह से औलाद पर न निर्भर रहने की सलाह दी गयी है।

प्रत्येक कहानी एक सार्थक एवं समाजोपयोगी संदेश देने वाली है जो सही दिशा दिखाने में सक्षम है।

epaper.dainiktribuneonline.com

निजामुद्दीन घटना के बाद हिमाचल हाई अलर्ट पर

257 तबलीगी क्वारंटाइन में, बाकियों की तलाश जारी

शिमला, 4 अप्रैल (निस)

दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज से हिमाचल प्रदेश लौटे तीन तबलीगी जमातियों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद पूरा प्रदेश हाई अलर्ट पर है तथा जमातियों की तलाश की जा रही है। कई शहरों की मस्जिदों व घरों में पनाह लेने वाले तबलीगियों को खोजकर पुलिस ने क्वारंटाइन में डाल दिया है। पुलिस ने 53 तबीलीगी जमातियों को बीते 24 घंटों में ढूंढ निकाला है। कांगड़ा जिला से 30 और सिरमौर से 23 जमातियों की पहचान की गई है। अब तक पुलिस 257 लोगों की पहचान कर चुकी है तथा इन्हें क्वारंटाइन में डाल दिया गया है।

हिमाचल लौटने की जानकारी छिपाने वाले 41 तबलीगी जमातियों के विरुद्ध पुलिस ने मामला भी दर्ज किया है। आज मंडी में 7, ऊना में 5, बिलासपुर में 4 व सिरमौर जिला में 1 तबलीगी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। ये लोग तबलीगी जमात से आने के बाद छुप कर रह रहे थे। केंद्र ने हिमाचल सरकार को 700 से अधिक लोगों की सूची सौंपी है जिनकी मार्च माह में मोबाइल लोकेशन दिल्ली में निजामुद्दीन मरकज व इसके आसपास पाई गई थी। हिमाचल के पुलिस महानिदेशक सीताराम मरढ़ी ने आज बताया कि सात जिलों में 41 जमातियों के विरुद्ध जानकारी छिपाने पर प्राथमिकी भी दर्ज की गई है वहीं 11 जमायती गिरफ्तार हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान कर्फ्यू व लॉकडाउन उल्लंघन के 43 मामले दर्ज हुए तथा 21 लोग गिरफ्तार किए गए। पुलिस प्रशासन अब तक 402 लोगों के विरुद्ध कर्फ्यू व लॉकडाउन उल्लंघन के मामले दर्ज कर चुका है। वहीं 393 लोग गिरफ्तार हुए हैं। 228 वाहनों को जब्त कर 1.85 लाख रुपये का जुर्माना भी पुलिस ने वसूला गया है। उधर, पूरा प्रदेश कोरोना से लड़ने के लिए एकजुट हो गया है और विपक्षी दल कांग्रेस भी इसमें सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है। इसी कड़ी में विपक्ष के नेता मुकेश अग्निहोत्री ने प्रदेश सरकार को स्वास्थ्य विभाग का बजट बढ़ाकर दो से तीन गुणा करने का सुझाव दिया है।

जालंधर शहर शनिवार को कर्फ्यू के दौरान इस तरह सुनसान नजर आया। -सरबजीत सिंह

घर के बाहर परिजनों से मिलकर लौटे डॉक्टर

चंडीगढ़ (एजेंसी) : नवांशहर के सरकारी अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर गुरपाल कटारिया मुश्किल से समय निकालकर अपने परिजनों से मिलने पहुंचे, लेकिन वह परिजनों से कुछ दूरी पर घर के बाहर ही रहे। उनकी यह मुलाकात कुछ मिनट की रही और चाय पीकर घर के बाहर से ही अस्पताल लौट गए। राज्य में नवांशहर कोरोना वायरस का प्रमुख केंद्र बन गया है। डॉक्टर के पास 60 किलोमीटर दूर जालंधर में अपने परिवार के पास जाने के लिए बहुत कम समय बचता है। वे फोन पर परिवार के संपर्क में रहते हैं और अंतिम बार दो हफ्ते पहले वे थोड़े समय के लिए अपने परिवार के पास गए थे। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर मैं घर के अंदर नहीं गया, सिर्फ उन्हें (परिवार) देखा और ड्यूटी पर लौट आया। नवांशहर में कोरोना वायरस के अभी तक 19 मामले सामने आए हैं जो पंजाब के किसी भी जिले में सर्वाधिक हैं।

ऊना कर्फ्यू में ढील

शिमला (निस): जिलाधीश ऊना संदीप कुमार ने पूरे जिला में कर्फ्यू में ढील के आदेश दे दिए हैं। यह ढील सुबह 7 बजे से 10 बजे तक राम नगर, अमलैहड़, कुठेड़ा खैरला, नकड़ोह तथा कैलाश नगर ग्राम पंचायतों में भी दी जाएगी। इस दौरान दोपहिया व चार-पहिया वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह ढील आगामी आदेशों तक जारी रहेगी।

सुजानपुर महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव

पठानकोट (निस) : कस्बा सुजानपुर में मोहल्ला शेखां निवासी महिला की कोरोना रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। महिला की पहचान 75 वर्षीय राजरानी के तौर पर हुई है। महिला के बीमार होने पर 2 दिन पहले उसे सिविल अस्पताल से अमृतसर मेडिकल कॉलेज में रैफर किया था। शनिवार दोपहर बाद उक्त महिला की पॉजीटिव रिपोर्ट पठानकोट पहुंचते ही जिला प्रशासन व सेहत विभाग के हाथ-पैर फूल गए। फिल्हाल प्रशासन ने महिला के 9 पारिवारिक मैंबरों को चिंतपूर्णी मेडिकल कॉलेज में आइसोलेट किया है। उनके सैंपल अमृतसर भेजे गए हैं।

नालागढ़ 46 जमातियों के लिए सैंपल

बीबीएन (निस) : बीबीएन में मुस्लिम समुदाय के 12 नए लोगों की पहचान करते हुए इन्हें क्वारंटीन केंद्र में रख लिया गया है। नालागढ़-रामशहर मार्ग पर बनाए गए क्वारंटीन केंद्र श्रमिक छात्रावास में समुदाय के लोगों की संख्या अब 88 पहुंच गई है। इससे पहले 76 लोगों की पहचान कर ली गई थी, जिसमें अलग अलग क्षेत्रों से 12 नए लोगों को शामिल किया गया है। इनमें से कुछ लोग जमात के और कुछ स्थानीय लोग शामिल है। वहीं प्रदेश में कर्फ्यू और जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई धारा-144 का उल्लंघन करने वालों पर पुलिस सख्ती से निपट रही है। जिला पुलिस बद्दी ने ऐसे 21 मामले दर्ज किए हैं और 15 वाहनों को जब्त किया है। जिला पुलिस द्वारा पड़ोसी राज्यों पंजाब व हरियाणा की सीमाओं से सटे बीबीएन की सीमाओं को पूरी तरह से सील कर दिया है ।

मैकलोडगंज में फंसे 8 विदेशी पयर्टक दिल्ली भेजे

धर्मशाला (निस) : कोरोना वायरस के चलते देशभर में लॉकडाउन के बीच हिमाचल सहित देश के अन्य स्थानों पर फंसे विदेशी पर्यटकों को उनके देश भेजने की प्रक्रिया के बीच शनिवार को मैकलोडगंज से आठ पयर्टकों को दिल्ली भेजा गया। मैक्लोडगंज में फंसे इन पयर्टकों में अमेरिका व स्पेन के पर्यटक भी शामिल थे। शनिवार को स्पेन के सात व अमेरिका के एक पर्यटक को धर्मशाला से दिल्ली भेजा गया। पर्यटकों को ले जाने के लिए दिल्ली स्थित स्पेन दूतावास के अधिकारियों ने आठ वाहनों का प्रबंध किया था, जिनमें ये सभी दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली से आगे इन सभी को इनके देशों को भेजा जाएगा। जानकारी के मुताबिक 25 पर्यटकों को विशेष विमान से उनके देशों को भेजने के लिए दिल्ली स्थित स्पेन दूतावास ने विदेश मंत्रालय से आग्रह किया था। विशेष विमान आज रात दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ान भरेगा।

187 की रिपोर्ट नेगेटिव

होशियारपुर (निस) : कोरोना वायरस के संबंध में जिले में अब तक 222 व्यक्तियों के सैंपल लिए गए है, जिनमें से 187 की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है तथा अभी 29 की रिपोर्ट आनी बाकी है। सिविल सर्जन डा. जसवीर सिंह ने बताया कि 187 मरीजों की रिपोर्ट नेगेटिव आई जबकि 6 सैंपलों की रिपोर्ट पाजिटिव आई तथा एक व्यक्ति की पिछली दिनों में मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सिविल अस्पताल के आईसोलेशन वार्ड में 12 मरीज दाखिल हैं ।

मानसा 3 कोरोना पॉजिटिव मरीज

फतेहाबाद (निस) : पंजाब के मानसा जिला के कस्बा बुढलाडा में एक साथ तीन कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने बाद खलबली मच गई है। फतेहाबाद जिला का कस्बा जाखल समीप स्थित होने व पंजाब सीमा से सटा होने के कारण यहां भी प्रशासन द्वारा सख्ती बढ़ा दी गई है। पंजाब हरियाणा बॉर्डर पर हरियाणा व पंजाब की पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से नाकेबंदी कर क्षेत्र को सील कर दिया है। विदित हो कि जाखल कस्बा बुढलाडा से मात्र 30 किमी दूरी पर स्थित है। मानसा के सिविल सर्जन लालचंद ठुकराल ने बताया कि बीते दिनों 10 लोग निजामुद्दीन में तब्लीगी जमात से वापस आकर बुढलाडा की मस्जिद में ठहरे थे। स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिलने पर टीम द्वारा मस्जिद में रुके हुए उक्त 10 लोगों व एक मौलवी का चेकअप किया गया, जिसमें तीन कोरोना पॉजिटिव, दो आशंकित और छह लोग स्वस्थ पाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने सरपंच से की वीडियो कॉल

मोहाली (निस) : कोविड -19 महामारी के संकट व कर्फ्यू के दौरान जमीनी स्तर पर लोगों की मुश्किलें जानने के लिए मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने बलौंगी के सरपंच बहादुर सिंह के साथ वीडियो कॉल के जरिए फोन पर बात की। मुख्यमंत्री ने इस मुश्किल घड़ी में राज्य सरकार द्वारा निचले स्तर पर चलाए जा रहे राहत कार्यों के बारे में भी फीडबैक लिया। जाट महासभा दिल्ली की प्रधान व समाज सेविका दीपिका देशवाल जो इस समय गांवों में जाकर लोगों की मदद कर रही हैं ने मुख्यमंत्री के साथ गांव के सरपंच की बात करवाई। । दीपिका ने कहा कि उसका मकसद ऐसी संकट की घड़ी में जहा लोगों की मदद करना है वहीं राज्य के मुख्यमंत्री के साथ निचले स्तर पर लोगों से राबता कायम करवाकर लोगों की हौंसला अफजाई करवाना भी है।

सीचेवाल की जांच, नहीं मिला संक्रमण

जालंधर (एजेंसी) : पर्यावरणविद बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल की जांच में शनिवार को कोरोना वायरस का संक्रमण नहीं पाया गया। पंजाब सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सीचेवाल ने कुछ दिन पहले पद्म पुरस्कार से सम्मानित भाई निर्मल सिंह खालसा से मुलाकात की थी जिनकी हाल ही में कोविड-19 से मौत हो गई। खालसा से हुई मुलाकात के बाद सीचेवाल पृथक-वास में चले गए थे। विशेष मुख्य सचिव केबीएस सिद्धू ने ट्वीट कर सीचेवाल के संक्रमित न होने को दोआबा क्षेत्र के लिए बड़ी राहत बताया और कहा कि बाबा सीचेवाल और 16 अन्य की जांच में कोरोना वायरस नहीं पाया गया।

कालोनियों को किया सील

राजपुरा (निस) : राजपुरा के नजदीकी गांवों को सील करने के बाद शहरों में रहने वाले लोगों ने भी अपनी कालोनियों को कोरोना वायरस से बचाने के लिए सील करना शुरू दिया गया है। कालोनी में बिना इजाजत न तो किसी को आने दिया जा रहा है और न ही किसी को बाहर जाने दिया जा रहा है। कालोनी के लोग सुबह शाम बाहर बैठकर पहरा देने का कार्य कर रहे हैं ताकि कोई भी अनजान व्यक्ति कालोनी में न घुस सके। अगर किसी को एमरजेंसी में वाहन समेत बाहर जाना होता है तो उसे दूसरे रास्ते से बाहर निकालने की इजाजत दी जाती है। राजपुरा के नजदीकी गांव राम नगर सैनियां में कोरोना पॉजिटव मरीज मिलने के बाद उसके नजदीकी गांव वालों ने अपने गांवों को 14 अप्रैल तक सील कर लिया है ।

खबर है...

जबरन किराया मांगा, मोहाली में बाप-बेटे के खिलाफ मामला दर्ज

मोहाली (निस) : कुंभडा में पीजी रहती एक युवती से उसके मकान मालिक द्वारा जबरन किराया मांगने व उसे धमकाने के आरोप में बाप-बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह मामला ऊषा नाम की महिला की शिकायत पर दलजीत सिंह कुंभडा व उसके बेटे हरबीर सिंह के खिलाफ दर्ज किया गया है। दोनों बाप-बेटा घर से फरार है। बता दें कि कर्फ्यू के दौरान किरायेदार व पीजी स्टूडेंट्स से किराया मांगने पर प्रशासन ने पूरी तरह से पाबंदी लगा रखी है

पुलिस मुलाजिम की फाड़ी वर्दी

मोहाली (निस) : कर्फ्यू के दौरान नाकेबंदी पर तैनात पुलिस मुलाजिम को डंडों से पीटने के आरोप में पुलिस ने 9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह मामला पुलिस मुलाजिम इसमाइल की शिकायत पर प्रिंस पांडे, राजन, चंदर भूषण, सुनैना व 5 अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया है। ये सभी आरोपी झुग्गी नंबर सी-45 सेक्टर-54 चंडीगढ़ के रहने वाले बताए जा रहे हैं। एसएचओ फेज-1 मनफूल सिंह ने यह जानकारी दी।

बलटाना पुलिस चौकी इंचार्ज सस्पेंड

जीरकपुर (निस) : ड्यूटी में लापरवाही करने के आरोप में बलटाना चौकी इंचार्ज एएसआई जगपाल सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है। जगपाल सिंह पर किसी वाहन को कथित तौर पर गैर कानूनी तरीके से छोड़ने का आरोप है। एसपी (इन्वेस्टिगेशन) हरमन हांस ने कहा कि मामला ध्यान में आने के बाद चौकी इंचार्ज को सस्पेंड कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बलटाना चौकी इंचार्ज एएसआई जगपाल सिंह ने दो महीने पहले अपना पदभार संभाला था। उनसे पहले चौकी इंचार्ज सहायक इंस्पेक्टर भिन्दर सिंह के प्रशिक्षण पर जाने के कारण यह पद खाली हो गया था जिनकी जगह पर बलटाना चौकी में ही तैनात एएसआई जगपाल सिंह को चौकी इंचार्ज बना दिया गया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चौकी इंचार्ज के द्वारा गैर कानूनी तरीके से एक भुक्की वाले वाहन को कथित तौर पर पैसे ले कर छोड़ दिया गया। मामला उच्च आधिकारियों के ध्यान में आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। वहीं बलटाना आरोपी जगपाल सिंह ने कहा कि उन्होंने किसी भी वाहन को गैर कानूनी तरीके से नहीं छोड़ा है।

मास्क पहनकर लिए फेरे

जालंधर में भी इस जोड़े ने मास्क पहनकर विवाह रचाया। -मलकीत सिंह

मोहाली (निस) : शादियों पर लाखों रुपए खर्च कर जश्न मनाने वाले परिवार अब सादी शादी करने को मजबूर है। कोरोना वायरस की महामारी के कारण अब दूल्हा-दुल्हन व उनके मां -बाप ही शादी में शामिल हो रहे हैं। शनिवार को मोहाली फेज-4 के गुरुद्वारा कलगीधर साहिब में दो जोड़ों की शादी 11 लोगों की मौजूदगी में की गई। शादी के जोड़े में तैनात दुल्हन चंडीगढ़ निवासी नवनीत कौर की शादी मोहाली के विक्रमजीत सिंह से हुई और मोहाली की रहने वाली भूपिंदर कौर की शादी गुरदासपुर के रमनदीप सिंह से हुई। इस शादी में अच्छी बात यह देखने को मिली कि कोरोना के डर के कारण दूल्हा-दुल्हन ने मास्क पहनकर फेरे लिए और शादी में पहुंचे लोगों ने ग्लब्ज पहने हुए थे और समय-समय पर इन सभी के हाथों को सैनेटाइज किया जा रहा था।

21 लाख रुपये का अंशदान

शिमला (निस) : मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा प्रदेश के लोगों से हि.प्र. कोविड-19 सॉलिडेरिटी रिस्पांस फंड के लिए दान देने की अपील पर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला ने फंड में ऑनलाइन 21 लाख रुपये का अंशदान किया। इसके अतिरिक्त बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी इस फंड के लिए पांच लाख 47 हजार 545 रुपये का अंशदान किया। यह जानकारी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सुरेश सोनी ने आज शिमला में दी।

सेना भर्ती रैली अगले आदेशों तक स्थगित

शिमला (निस) : प्रशिक्षण सेना भर्ती कार्यालय के प्रवक्ता ने आज शिमला में बताया कि आर्मी रिक्रूटिंग आफिस शिमला द्वारा रामपुर शहर में 16 से 25 अप्रैल को आयोजित की जाने वाली भर्ती रैली कोरोना के कारण आगामी आदेशों तक स्थगित की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी अभ्यर्थी को अगले आदेश प्राप्त होने पर सूचित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह भर्ती शिमला, सोलन, किन्नौर और सिरमौर के युवाओं के लिए आयोजित की जानी थी।

ऊना से टेलीमेडिसन की सुविधा कल से

शिमला (निस) : पीजीआई चंडीगढ़ से अपना इलाज करा रहे ऊना जिला के मरीजों को सोमवार से टेलीमेडिसन की सुविधा प्रदान की जाएगी। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त ऊना संदीप कुमार ने बताया कि इससे पीजीआई चंडीगढ़ में इलाज करा रहे मरीजों को बहुत बड़ी सुविधा मिलेगी। डीसी ने कहा कि पीजीआई चंडीगढ़ में फिलहाल ओपीडी की सुविधा बंद है। इसलिए मरीजों को सुविधा देने के लिए टेलीमेडिसन तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।

हेरोइन और 17 लाख बरामद, 3 गिरफ्तार

लुधियाना (निस) : लुधियाना ग्रामीण (जिला) पुलिस ने आज नशे के तीन सौदागरों को काबू करके उनसे एक किलो 500 ग्राम हेरोइन और 16 लाख 80 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेक शील सोनी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों के नाम सतनाम सिंह उर्फ निशान, लवप्रीत सिंह उर्फ लवली और सतबीर सिंह उर्फ खंडा हैं। तीनों को एक गुप्त सूचना के आधार पर लीलां गांव के निकट सिधवां केनाल पर नाकाबंदी कर गिरफ्तार किया गया कार को भी जब्त कर लिया जिसमें हेरोइन और नकदी ले जाई जा रही थी । एसएसपी ने बताया कि उनसे पूछताछ जारी है ।

गेस्ट हाउस के मालिक पर मामला दर्ज

सोलन(निस) : थाना धर्मपुर के तहत पुलिस ने मोहन बॉवडी सुबाथू रोड स्थित एक गेस्ट हाउस के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है । गेस्ट हाउस मालिक ने सरकारी आदेशों के पालन ना करते हुए गेस्ट हाउस में गेस्ट ठहरा रखे थे। ये गेस्ट 18 मार्च से इसी गेस्ट हाउस में ठहरे हैं । पुलिस व डॉक्टरों की टीम गेस्ट हाउस में सभी ठहरे हुए गेस्ट के कोरोना टेस्ट करवा रही है।

चारे की आपूर्ति पर दिया बल

शिमला (निस) : मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने आज शिमला में पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्हें निर्देश दिए कि प्रदेश में पशुओं के चारे की सुचारू व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि राज्य में चारे की कमी न हो।

आतंकी दविंदर सिंह भुल्लर को 42 दिन की पैरोल

अमृतसर केंद्रीय जेल से अब तक 529 कैदी रिहा

अमृतसर, 4 अप्रैल (ट्रिन्यू)

दिल्ली बम धमाकों के मामले में सजा काट रहे आतंकी प्रोफेसर दविंदरपाल सिंह भुल्लर को पैरोल पर रिहा कर दिया गया है। शनिवार को अमृतसर केंद्रीय जेल से रिहा किए 59 कैदियों में भुल्लर भी शामिल था। भुल्लर को 42 दिन की पैरोल दी गई है। कड़ी सुरक्षा के बीच भुल्लर को उसके रंजीत एवेन्यू स्थित निवास भेजा गया। पैरोल के दौरान भुल्लर को किसी भी व्यक्ति से मिलने की इजाजत नहीं होगी। न ही वह घर से बाहर जा सकेगा। इमरजेंसी में घर से बाहर जाने से पहले उसे नजदीक के थाने को सूचित करना होगा। थाने की मंजूरी मिलने पर ही वह घर से बाहर निकल सकेगा। भुल्लर को दिल्ली बम धमाकों में फांसी की सजा हुई थी। सिख संगठनों व एसजीपीसी के प्रयासों के बाद केंद्रीय ग्रह मंत्रालय ने भुल्लर की फांसी को उम्रकैद में बदल दिया था।

कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से घबराई पंजाब सरकार ने प्रदेश की अलग-अलग जेलों से छह हजार कैदियों को पैरोल पर रिहा करने का निर्णय किया है। अमृतसर केंद्रीय जेल से अब तक 529 कैदियों को पैरोल पर रिहा किया जा चुका है।

सुडोकू

सुडोकू 81 वर्गों का ग्रिड है, जो 9 वर्गों के ब्लॉक में बंटा हुआ है। कुछ वर्गों के अंक लिखे हैं और खाली वर्गों में 1 से लेकर 9 तक के अंक लिखने हैं। कोई नंबर 1 पंक्ति, कॉलम या 9 वर्ग वाले छोटे ब्लॉक में दोबारा नहीं आ सकता है।

		2		9	7			
	5		4					
	9			5				2
		1			6		3	9
	8	6		2		5	1	
9	7		8			4		
7				1			5	
					5		8	
			7	8		9		

पिछले कल का उत्तर

6	7	4	5	1	8	9	3	2
3	9	2	6	7	4	5	8	1
1	5	8	9	2	3	4	7	6
8	2	6	3	5	7	1	4	9
9	4	7	8	6	1	3	2	5
5	3	1	4	9	2	7	6	8
2	6	3	1	4	5	8	9	7
4	1	9	7	8	6	2	5	3
7	8	5	2	3	9	6	1	4

आज का दिन

-सत्यव्रत बैंजवाल

रविवार, 5 अप्रैल, प्रमादी नामक विक्रमी संवत् 2077, चैत्र शुक्ल पक्ष 12 तिथि (रात 7.25 तक), मघा नक्षत्र (दोपहर 2.57 तक), शूल योग (सुबह 6.57 तक बाद गंड योग रात 3.07 तक), चैत्र 23 प्रविष्टे।

व्रत-पर्व : प्रदोष व्रत, श्री विष्णु दमनोत्सव, आनंद नाम संवत्सर प्रारंभ, गंडमूल (दोपहर 2.57 तक), मदन द्वादशी, वामन द्वादशी, मेला नलवाड़ (घुमारवीं, हि.प्र.)।

दिशाशूल : पश्चिम दिशा की यात्रा पर पान और घी खाकर जाएं।

राहुकाल : सायं 4.30 से 6.00 तक।

	जम्मू	दिल्ली	चंडीगढ़
सूर्योदय	6.18	6.10	6.11
सूर्यास्त	6.48	6.38	6.40

सितारों के इशारे

-मदन गुप्ता सपाटू

आज 5 अप्रैल को जन्मदिन है तो कैसा रहेगा आपका साल

आपका शुभ अंक 5 है। आप खुशहाल और जीवंत व्यक्तित्व के स्वामी हैं। आपकी योजना और पद्धतिगत दृष्टिकोण से वरिष्ठ काफी प्रभावित होंगे। पहले आधे वर्ष तक पारिवारिक रूप से सुखद हैं। घर में खुशहाली का माहौल बना रहेगा। इसके बाद बड़े बुजुर्गों से अनबन हो सकती है। अगस्त में इगो प्रवृत्ति के कारण आपकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच सकती है। इसके लिए आपकी अंतर्रात्मा की आवाज सुन कर न्याय करें। यदि सरकारी नौकरी में हैं तो यह साल आपको सुखद समाचार दे सकता है।

शुभ रंग : हरा, फ़िरोजी, समुद्री हरा, नीला और सारे हरे शेड्स।

शुभ दिन : बुधवार और शुक्रवार

शुभ अंक : 5, 6

शुभ रत्न : पन्ना और माणिक जन्मदिन पर घी, गुड़, शक्कर दान करें और गिलहरियों को दाना डालें।

राज्यपाल ने की वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से कुलपतियों के साथ चर्चा

लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन शिक्षा ही एकमात्र विकल्प

शिमला, 4 अप्रैल (निस)

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज प्रदेश के राजकीय तथा निजी विश्वविद्यालयों के आठ कुलपतियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने ऑनलाइन लर्निंग माड्यूल्स और सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ-साथ लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाने के लिए अन्य तरीकों से कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए सरकारी स्तर पर उठाए जा रहे कदमों में योगदान देने पर चर्चा की। राज्यपाल के सचिव राकेश कंवर ने कॉन्फ्रेंस का संचालन किया। आज सभी कुलपतियों ने राज्यपाल को कोविड-19 के दृष्टिगत लॉकडाउन तथा उनके द्वारा की गई विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। कॉन्फ्रेंस के दौरान इस बात पर सर्वसम्मति जाहिर की गई कि इस महामारी से लड़ने में किसी भी तरह की कोताही न बरती जाए। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में लॉकडाउन के उपरांत उन्होंने कुछ कुलपतियों से बातचीत की तथा उनके द्वारा दिए गए सुझावों तथा भावी रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज हम पुनः वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि हम इस महामारी से लड़ सकें तथा विद्यार्थियों की पाठ्य प्रणाली को भी तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में ऑनलाइन शिक्षा ही एकमात्र विकल्प है ।

शिमला में शनिवार को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय निजी विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंस करते हुए। -दैनिक ट्रिब्यून

विश्वविद्यालय कैलेंडर को किया संशोधित

बंडारू दत्तात्रेय ने स्वयंसेवी विद्यार्थियों के माध्यम से सामाजिक कार्य तथा सामाजिक दूरी पर बल दिया। उन्होंने कुलपतियों को सुझाव दिया कि उन्हें सामूहिक कक्षाओं पर अधिक ध्यान देना चाहिए । बैठक में बताया गया कि सभी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर के विद्यार्थी स्वयंसेवी कार्य कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के कैलेंडर को संशोधित किया गया है तथा ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ाया गया है।

हिमाचल के 6 जिलों में भारी वर्षा, ओलावृष्टि व हिमपात का अलर्ट

शिमला (निस) : हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में फिर बदलाव आएगा। राज्य के उच्च पर्वतीय इलाकों में अगले 24 घंटों में बर्फबारी का दौर शुरू हो सकता है। सात व आठ अप्रैल को समूचे प्रदेश में मौसम के तेवर खराब रहेंगे। मौसम विभाग ने सात अप्रैल को पर्वतीय इलाकों में भारी बारिश, ओलावृष्टि व हिमपात की चेतावनी दी है तथा इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक मनमोहन सिंह ने बताया कि येलो अलर्ट शिमला, कुल्लू, चंबा सहित मंडी, सिरमौर व सोलन जिलों के उंचाई वाले इलाकों के लिए है। उन्होंने कहा कि उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में 5 से 10 अप्रैल तक बर्फबारी हो सकती है। जबकि मैदानी व पर्वतीय इलाकों में छह अप्रैल तक मौसम के साफ रहने के आसार हैं। लेकिन सात व आठ अप्रैल को वर्षा व हिमपात की संभावना है। इसके बाद मैदानों में मौसम साफ हो जाएगा। वहीं पर्वतीय इलाकों में सात से नौ अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। जबकि 10 अप्रैल को इन इलाकों में मौसम साफ हो जाएगा। आज प्रदेश भर में धूप खिलने से तापमान में एक से दो डिग्री का उछाल आया। हालांकि जनजातीय क्षेत्रों में अभी भी लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

अमृतसर का स्वर्ण मंदिर शनिवार को स्वच्छ पर्यावरण की वजह से इस तरह खूबसूरत दिखा। -सुनील कुमार

epaper.dainiktribuneonline.com

चीन ने मृतकों के लिए मनाया शोक

अमेरिका में एक दिन में 1500 की मौत

बीजिंग, 4 अप्रैल (एएफपी)

चीन ने शनिवार को उस स्थान पर कोरोना वायरस पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी जहां से इस वैश्विक महामारी की शुरुआत हुई थी। वहीं बीमारी के श्वसन से फैलने की चेतावनी के बीच अमेरिकी नागरिकों को मास्क पहनने की सलाह दी गई। यह सलाह ऐसे वक्त में आई है जब अमेरिका में एक दिन में सबसे ज्यादा 1500 लोगों की मौत हो गई और संक्रमण फैलता ही जा रहा है। कोविड-19 का संक्रमण पिछले वर्ष शुरू होने के बाद से करीब 11 लाख लोग बीमार पड़ गए हैं। करीब 60 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। चीन ने अपने यहां मृतकों के लिए शनिवार को राष्ट्रीय शोक का आयोजन किया। पिछले वर्ष यह वायरस से चीन में सबसे पहली बार फैला था जहां तीन हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय समायानुसार सुबह दस बजे झंडे आधे झुका दिए गए और कार, रेलगाड़ियां तथा जहाजों ने हॉर्न बजाए और सायरन बजाए गए।

अमेरिका में दो लाख 78 हजार लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और संक्रमण दर में कमी नहीं आ रही है जबकि 10 में से 9 नागरिक किसी न किसी तरह लॉकडाउन में है। यूरोप में शुक्रवार को 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई और सबसे ज्यादा मौत 24 घंटे में स्पेन में हुई जहां मौतों का आंकड़ा 900 से अधिक रहा। सर्वाधिक प्रभावित इटली में 766 नई मौतें हुईं हैं लेकिन यहां संक्रमण में कमी आ रही है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतेरेस ने कहा, 'सर्वाधिक बुरी स्थिति आने वाली है।'

फ्रांस में कड़े लॉकडाउन के बीच कोरोना की एक संदिग्ध मरीज को सहारा देकर ले जाता दमकल कर्मी। -एजेंसी

न्यूयॉर्क में ढाई मिनट में एक व्यक्ति की मौत, 24 घंटे में 562 मरे

न्यूयॉर्क (एजेंसी) : अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में कोरोना से एक दिन में 562 लोगों की मौत हो गई जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। इसका मतलब है कि लगभग हर ढाई मिनट में एक व्यक्ति की मौत हुई। गवर्नर एंड्रयू क्योमो ने अधिक जरूरत वाले अस्पतालों में वेंटीलेटर और रक्षात्मक उपकरणों के पुनः वितरण करने की मंजूरी दी है। अमेरिका में इस वैश्विक महामारी के केंद्र रहे न्यूयॉर्क में कोविड-19 के मामलों की संख्या 1,00,000 का आंकड़ा पार कर गई और 2 से 3 अप्रैल के बीच एक ही दिन में सबसे अधिक लोगों की मौत हुई। क्योमो ने बताया कि राज्य में अब तक 2,935 लोग जान गंवा चुके हैं। राज्य में कोरोना वायरस के पुष्ट मामलों की संख्या 1,02,863 है जो अमेरिका में सभी संक्रमित लोगों की लगभग आधी संख्या है। अकेले इस शहर में कोरोना वायरस के 56,289 मरीज हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' अखबार ने कहा, 'न्यूयॉर्क में मार्च के पहले 27 दिनों के मुकाबले पिछले 24 घंटे में अधिक लोगों की मौत हुई है। पिछले तीन दिनों में राज्य में मृतकों की संख्या लगभग दुगुनी हो गई है।' गवर्नर ने राज्य में बढ़ रहे मामलों से निपटने में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की मदद के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की कमी पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क में निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे कि मास्क, गाउन और चेहरे को ढकने वाले कवच का अभाव है।

पाकिस्तान में संक्रमण के 2,700 मामले

इस्लामाबाद (एजेंसी) : पाकिस्तान में कोरोना के मामलों की संख्या शनिवार को बढ़कर 2,708 हो गई। अकेले पंजाब प्रांत में इसका आंकड़ा 1000 के पार पहुंच गया है। 'नेशनल हेल्थ सर्विसेज' के मुताबिक कोविड-19 से अब तक 40 लोगों की जान जा चुकी है, देश में 140 लोग इसके संक्रमण के बाद ठीक भी हुए हैं। पाकिस्तान में इस बीमारी के मुख्य केंद्र के तौर पर पंजाब प्रांत उभरा है जहां कुल 1072 मामले सामने आए हैं। सिंध में 839, खैबर पख्तूनख्वा में 343, बलूचिस्तान में 175, गिलगित-बाल्तिस्तान में 193, इस्लामाबाद में 75, पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 11 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है।

चीन में 95 पुलिस, 46 मेडिकल स्टाफ ने गंवायी जान

बीजिंग (एजेंसी) : कोरोना जंग में चीन पुलिस के 95 अधिकारियों और 46 चिकित्सा कर्मियों की मौत हुई। चीन की आधिकारिक मीडिया ने शनिवार को यह खबर दी। यह पहली बार है जब इस वैश्विक स्वास्थ्य संकट के खिलाफ जंग में अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे अधिकारियों के हताहत होने का खुलासा किया गया है।

हिज्बुल के 4 आतंकी ढेर, 3 जवान जख्मी

जम्मू, 4 अप्रैल (हप्र)

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार सुबह मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 4 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के 3 जवान भी घायल हो गये। एक हफ्ते के दौरान कुलगाम में 4 नागरिकों की हत्या में ये आतंकी शामिल थे। 3 आतंकियों की पहचान शाहिद अहमद, आदिल ठोकर और एजाज नायकू के रूप में हुई है। तीनों कुलगाम जिले के ही रहने वाले थे। चारों आतंकी हिज्बुल मुजाहिदीन के सदस्य थे। सुरक्षाबलों को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुलगाम सेक्टर के मंज़गाम इलाके में कुछ आतंकी छुपे हुए हैं।

कोरोना सबसे बड़ा संकट : डब्ल्यूएचओ

नौकरियां बचाने के लिए जीवन बचाना जरूरी

जिनेवा, 4 अप्रैल (एजेंसी)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रमुखों ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी में नौकरियां बचाने के लिए जीवन बचाना 'जरूरी' है। उन्होंने इस संकट को 'मानवता के समक्ष सबसे बड़े संकटों में से एक' करार दिया। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक तेदरोस अदहानोम ग्रेबेयसस और आईएमएफ प्रबंध निदेशक क्रिस्तालीना जॉर्जियेवा ने कहा कि आर्थिक गतिविधि को संभालने के लिए कोरोना वायरस को नियंत्रित करना पहली आवश्यकता है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि सही संतुलन बिठाना मुश्किल है। वैश्विक अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस और संबंधित बंद के चलते चरमरा गयी है, जहां आधी से ज्यादा आबादी किसी न किसी तरह घर के अंदर रहने के आदेशों को पालन कर रही है।

महिलाओं के लिए डब्ल्यूईएफटी की पहल

लॉकडाउन में घरेलू हिंसा के खिलाफ 'लाल बिंदु'

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

सामाजिक कार्यों से जुड़ी उद्यमी इति रावत को हाल में एक ई-मेल मिला जिसमें एक महिला के हाथ पर एक लाल बिंदु बना था और संदेश लिखा था, 'मुझे आपकी मदद की जरूरत है।' महिला ने संकेत दिया कि उसके साथ घरेलू हिंसा हो रही है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देश में लॉकडाउन के बीच घरेलू हिंसा के मामले अचानक बढ़ गये हैं। बंद के कारण आने-जाने पर लगी पाबंदी के कारण कई महिलाएं अपने साथ हिंसा करने वाले लोगों के साथ फंसी हुई हैं। कई महिलाएं या तो असमर्थ हैं या पुलिस को बुलाने से डरती हैं। ऐसी महिलाओं से संपर्क साधने के लिए डब्लूईएफटी (वुमेन एंटरप्रेन्योर्स फॉर ट्रांसफॉर्मेशन) फाउंडेशन ने एक पहल की है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करने वाली इस गैर सरकारी संस्था की पहले के तहत कोई भी नागरिक किसी महिला की हथेली पर लाल बिंदु का निशान देखकर गैर सरकारी संगठनों या अधिकारियों को सूचित कर सकता है।

सहायता पाने के लिए 181 नंबर पर करें फोन

रावत ने कहा, 'कोई नागरिक अगर किसी महिला की हथेली पर लाल बिंदु देखता है तो वह डब्लूईएफटी से सोशल मीडिया के माध्यम से या ईमेल कर जानकारी दे सकता है या सहायता पाने के लिए 181 नंबर पर फोन भी कर सकते हैं।' रावत ने बताया कि 3 दिन पहले शुरू की गई पहल के बाद देश भर से घरेलू हिंसा की 20 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इस तरह का एक मामला कोलकाता से आया, जहां लॉकडाउन के बाद से पीड़िता अपने पति के साथ घर में थी। वह पत्नी को पीटता था, उसकी सारी जमा पूंजी ले ली और बेटे के सामने उससे मारपीट करता था। उन्होंने कहा, 'उसने लाल बिंदु के मार्फत डब्लूईएफटी से संपर्क किया। हमने उसे भोजन दिया और उसकी सहायता की।' रावत ने कहा कि इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए वह राष्ट्रीय महिला आयोग और यूएन वुमेन के संपर्क में हैं।

मस्जिद में नियमों का उल्लंघन, 30 गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 4 अप्रैल (एजेंसी)

केरल के विभिन्न मस्जिदों में लॉकडाउन के उल्लंघन कर भीड़ एकत्र करने के मामले में शुक्रवार को 3 मामले दर्ज किए गए और 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि ये मामले कोझिकोड, त्रिशूर जिले के चावक्कड और तिरुवनंतपुरम में पेरिंगमाला में दर्ज किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमने लॉकडाउन का उल्लंघन कर और नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में भीड़ एकत्र करने के सिलसिले में 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।'

ट्रंप ने खुफिया अधिकारी को हटाया

वाशिंगटन, 4 अप्रैल (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वह एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी को हटा रहे हैं, जिसकी उनके खिलाफ पिछले साल अगस्त में की गई शिकायत के बाद महाभियोग चलाने में अहम भूमिका रही। सीनेट खुफिया समिति को शुक्रवार को भेजे पत्र में ट्रंप ने कहा कि वह अमेरिकी खुफिया समुदाय के स्वतंत्र महानिरीक्षक माइकल एटकिंसन में विश्वास खो चुके हैं। एटकिंसन ने पिछले साल अगस्त में एक व्हिसल ब्लोअर की शिकायत की समीक्षा और संचारित किया।

जांच किट के खुले निर्यात पर अंकुश

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

सरकार ने जांच किट (डायग्नॉस्टिक किट) के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से अंकुश लगा दिया है। देश में कोरोना वायरस फैलने के बीच सरकार ने जांच किट के निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए यह कदम उठाया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से शनिवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जांच किट के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से अंकुश लगाया जाता है। अधिसूचना में कहा गया है कि इस कदम से कोरोना से निपटने में मदद मिलेगी।

सभी पद मूल निवासियों के लिए आरक्षित

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

केंद्र ने 3 दिन पुराने अपने आदेश में संशोधन करते हुए जम्मू-कश्मीर में सभी सरकारी नौकरियां वहां के मूल निवासियों के लिए आरक्षित कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी वे लोग माने जाएंगे जो वहां कम से कम 15 साल से रह रहे हैं। मूल निवासियों के लिए नियम बनाते हुए, बुधवार को सरकार ने समूह 4 तक के लिए ही नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान किया था हालांकि, स्थानीय दलों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद शुक्रवार रात एक संशोधित गजट अधिसूचना जारी की गई।

फुटबाल टूर्नामेंट के लिए भारत का इंतजार बढ़ा

फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप स्थगित

2 से 21 नवंबर के बीच 5 शहरों में होने थे मैच

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

भारत में नवंबर में होने वाला फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप कोरोना वायरस महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया। यह टूर्नामेंट पांच शहरों कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, अहमदाबाद और नवी मुंबई में 2 से 21 नवंबर के बीच होना था। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेने वाली थी जिसमें मेजबान होने के नाते भारत को स्वतः प्रवेश मिला था। यह अंडर 17 महिला विश्व कप में भाग लेने का भारत का पहला मौका था। फीफा परिसंघों के कार्यसमूह ने यह फैसला लिया। फीफा परिषद के ब्यूरो ने कोरोना वायरस महामारी के परिणामों से निपटने के लिये इस कार्यसमूह का गठन किया है । कार्यसमूह ने फीफा परिषद से पनामा कोस्टा रिका में 2020 में होने वाला फीफा अंडर 20 विश्व कप भी स्थगित करने का अनुरोध किया।

यह टूर्नामेंट अगस्त सितंबर में होने वाला था। इसके साथ ही नवंबर में भारत में होने वाला अंडर 17 विश्व कप भी स्थगित करने का अनुरोध किया गया है। फीफा ने एक बयान में कहा, 'नयी तारीखों की घोषणा की जायेगी।' इसके साथ ही महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पर काम करने के लिये एक उप कार्यसमूह के गठन का भी फैसला लिया गया जो फीफा के स्थगित टूर्नामेंटों के शेड्यूल में बदलाव पर गौर करेगा। कार्यसमूह में फीफा प्रशासन और महासचिव तथा सभी परिसंघों के शीर्ष कार्यकारी शामिल थे। टेलीकानफ्रेंस के जरिये हुई पहली बैठक में इसमें कई सुझावों पर सर्वसम्मति से मंजूरी जताई गई। भारत में अंडर 17 महिला विश्व कप का शेड्यूल फरवरी में जारी किया गया। नवी मुंबई में फाइनल होना था।

फैसला अपेक्षा के अनुरूप

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने कहा कि यह फैसला अपेक्षित था। एआईएफएफ महासचिव कुशाल दास ने कहा, 'कोरोना वायरस के कारण जिस तरह बाकी खेल आयोजन स्थगित हुए हैं, यह तो होना ही था। हमें यह फैसला मानना ही होगा।' उन्होंने कहा, 'यूरोप और अफ्रीका तथा अन्य परिसंघों में क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी नहीं हो सके हैं। इसलिये यह फैसला अपेक्षित था।' उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट अब अगले साल ही होने की संभावना है।

सख्त लॉकडाउन के बीच फ्रांस के सुर-लॉयर स्थित कैसल ऑफ ला बॉरडाइसेर पार्क में अभ्यास करते फ्रांसीसी हाफ मैराथन धावक योसी गोसाडॉए। -एजेंसी

रोहित और वार्नर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 सलामी बल्लेबाज : मूडी

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

पूर्व आल राउंडर टॉम मूडी ने शनिवार को भारत के रोहित शर्मा और साथी आस्ट्रेलियाई डेविड वार्नर को टी20 में सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज के तौर पर चुना। मूडी मशहूर कोच और कमेंटेटर हैं। मूडी ने चेन्नई सुपरकिंग्स को अपनी पसंदीदा आईपीएल टीम और महेंद्र सिंह धोनी को पसंदीदा कप्तान बताया। जब उनसे टी20 में सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज के बारे में पूछा गया तो 54 वर्षीय ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा, 'बहुत मुश्किल है, लेकिन मैं डेविड वार्नर और रोहित शर्मा का नाम लूंगा।' भारत में क्रिकेट की अपार प्रतिभा मौजूद है लेकिन मूडी को लगता है कि इनमें शुभमन गिल सबसे बेहतर हैं। गिल ने भारत के लिये दो वनडे खेले हैं।

ओलंपिक तक लय और एकाग्रता बरकरार रखना चुनौतीपूर्ण : वर्मा

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

अनुभवी भारतीय निशानेबाज अभिषेक वर्मा ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण ओलंपिक के एक साल टलने के बाद लय और एकाग्रता बरकरार रखना काफी चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन वह इसके लिए तैयार हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण देशभर में लागू लॉकडाउन के बाद खिलाड़ियों का अभ्यास सत्र प्रभावित हुआ है। 4 साल में होने वाले इन खेलों के स्थगित होने से उनका ध्यान भटका है। विश्व कप में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले इस निशानेबाज ने कहा, 'लय हासिल करना और फिर उसे बरकरार रखना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। इससे हालांकि हमें तैयारी का समय मिलेगा लेकिन एक साल का समय काफी होता है।' 30 साल के वर्मा लॉकडाउन के कारण चंडीगढ़ स्थित अपने घर में है लेकिन उनका ध्यान गुरुग्राम के अतिथिगृह में है जहां एससीएटीटी सहित उनके अभ्यास का सारा साजो-सामान रखा हुआ है। वह दो-तीन दिनों के लिए अपने माता-पिता से मिलने चंडीगढ़ गये थे लेकिन लॉकडाउन के कारण वहीं रुकना पड़ा। एससीटीटी सेंसर युक्त उन्नत उपकरण है। निशानेबाज इसका इस्तेमाल अंदर और बाहर दोनों तक अभ्यास में करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे साल के 365 दिन अभ्यास करना पसंद है लेकिन अभी मैं कामचलाऊ अभ्यास ही कर पा रहा हूं। घर पर सिर्फ दो-तीन दिन रुकने की मेरी योजना थी लेकिन लॉकडाउन की घोषणा के बाद मैं यहां फंस गया।'

मांसपेशियों को मजबूत कर रहे तीरंदाज राय

कोलकाता, 4 अप्रैल (एजेंसी)

कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण देश में लागू लॉकडाउन के बीच अनुभवी निशानेबाज तरुणदीप राय तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिए पुणे स्थित सेना खेल संस्थान में कंधे की मांसपेशियों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं। कोविड- 19 के कारण तोक्यो ओलंपिक को एक साल के लिए टाल दिया गया है जिससे 36 साल के राय जब तीसरी बार इन खेलों में भाग लेंगे तो उनकी उम्र में एक और साल का इजाफा हो जाएगा। विश्व चैम्पियनशिप में दो बार के इस रजत पदक विजेता ने पुणे से बातचीत में कहा, 'ओलंपिक के स्थगित होने का मेरे लिए मतलब यह है कि जब मैं मैदान में उतरूंगा तो मेरी उम्र एक साल और बढ़ जाएगी।

हजारों लोगों को भोजन में मदद कर रहे गांगुली

कोलकाता, 4 अप्रैल (एजेंसी)

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस्कॉन के कोलकाता केंद्र की मदद करके करीब 20000 लोगों के भोजन का इंतजाम किया है। कोलकाता इस्कॉन रोज करीब 10 हजार लोगों को भोजन दे रहा था। मास्क और दस्ताने पहनकर भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान ने इस्कॉन आकर मदद का वादा किया।

इस्कॉन के प्रवक्ता और उपाध्यक्ष राधारमन दास ने कहा, 'हम रोज दस हजार लोगों का खाना बना रहे थे। सौरव दा ने हमारी मदद की है और अब हम रोज 20000 लोगों को खाना दे रहे हैं।' इससे पहले गांगुली ने रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में 20,000 किलो चावल दिये थे। दास ने कहा, 'मैं दादा का बड़ा प्रशंसक हूं और क्रिकेट के मैदान पर उनकी कई पारियां देखी है। यहां भूखों को भोजन कराने की उनकी यह पारी सर्वश्रेष्ठ है। हम उन्हें धन्यवाद देते हैं।'

हाकी इंडिया ने 75 लाख, गोल्फर लाहिड़ी ने दिये 7 लाख

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसी)

हाकी इंडिया ने शनिवार को प्रधानमंत्री केयर्स कोष में 75 लाख रुपये और दान में दिये जिससे देश में कोविड-19 महामारी से निपटने के लिये उसका कुल योगदान एक करोड़ रुपये का हो गया। हाकी इंडिया ने इससे पहले एक अप्रैल को 25 लाख रुपये दान में दिये थे। हाकी इंडिया अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने बयान में कहा, 'इस संकट को देखते हुए यह समय की जरूरत है और भारत सरकार के साथ एकजुट होने का समय है जो कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिये सबकुछ कर रहे हैं। ' वहीं, शीर्ष गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने 7 लाख रुपये राहत कोष में दिये।

वहीं, पैरा शटलर प्रमोद भगत ने ओडिशा मुख्यमंत्री राहत कोष में 2 लाख रूपये दान में दिये हैं। वहीं, शीर्ष पैरा ऊंची कूद एथलीट शरद कुमार ने एक लाख रुपये पीएम केयर कोष में दान दिया है। भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) स्टाफ ने भी एक दिन का वेतन जबकि पीसीआई के मुख्य संरक्षक अविनाश राय ने एक महीने का वेतन दान में दिया है।

इंगलैंड के क्रिकेटरों ने की वेतन में कटौती की पेशकश

लंदन, 4 अप्रैल (एजेंसी)

इंगलैंड के पुरुष और महिला क्रिकेटरों ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई के लिये अपने वेतन में कटौती और 5 लाख पाउंड दान देने की पेशकश की है। इससे पहले इंगलैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों के वेतन में 20 प्रतिशत की कटौती का प्रस्ताव रखा था। पांच लाख पाउंड दान पुरुष क्रिकेटरों के वेतन में 20 प्रतिशत कटौती के बराबर है जबकि महिला क्रिकेटरों ने अप्रैल, मई और जून के वेतन में कटौती का प्रस्ताव रखा है।

सर्कुलेशन, विज्ञापन बुकिंग तथा अन्य संबंधित जानकारी हेतु कृपया निम्नांकित नंबरों पर सोमवार से शनिवार तक सुबह 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे के बीच सम्पर्क करें :
सर्कुलेशन : 0172-2670419
या ई-मेल करें : circulation@tribunemail.com
विज्ञापन :
क्लासिफाइड : 0172-2670257
या ई-मेल करें : classified@tribunemail.com
डिस्प्ले : 0172-2670256
या ई-मेल करें : advt@tribunemail.com

प्रकाशक व मुद्रक राजकुमार सिंह द्वारा द ट्रिब्यून ट्रस्ट की ओर से द ट्रिब्यून प्रेस, प्लाट नं. 123, सेक्टर-37, पेस सिटी-1, गुरुग्राम से मुद्रित व द ट्रिब्यून, सेक्टर 29-सी, चंडीगढ़ से प्रकाशित।
कॉपीराइट © द ट्रिब्यून ट्रस्ट, सर्वाधिकार सुरक्षित।
आर.एन.आई. रजि. नंबर CHAHIN/ 2017/ 72698
गुरुग्राम फोन : 0124-2210033, 2210044.
सर्कुलेशन : 0172-2670419, विज्ञापन : 0172-2670256-257.
संपादक : राजकुमार सिंह*
*पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु जिम्मेदार।

epaper.dainiktribuneonline.com

दैनिक ट्रिब्यून
लहरें
गुरुग्राम, रविवार, 5 अप्रैल, 2020

कोरोना वायरस के सामने पूरी दुनिया बेबस नज़र आ रही है। विश्व भर में इसकी रोकथाम को लेकर कार्रवाई युद्धस्तर पर हो रही है। कहीं लॉकडाउन है, कहीं कर्फ्यू तो कहीं मौत का सन्नाटा पसरा है। दूसरी तरफ कुछ ऐसे सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या कोरोना वायरस किसी किस्म का जैविक हमला है? क्या इसके पीछे किसी तरह की कोई साज़िश है? वैज्ञानिक इसे चमगादड़ों से फैली बीमारी बता रहे हैं तो अमेरिका इस संक्रमण के लिए चीन को कटघरे में खड़ा करने में लगा है। उसका कहना है कि चीन ने यह वायरस अपनी वुहान स्थित लैब में बनाया है। दूसरी तरफ चीन कई बार कह चुका है कि उसके यहां यह वायरस अमेरिकी सेना के ज़रिए पहुंचा, वुहान में इसे लाने के पीछे अमेरिकी सेना ने साज़िश रची।

वायरस का रहस्यमयी जाल

पुष्परंजन

वायरस का पता सबसे पहले किसने, और कहां लगाया था? यूक्रेन और तुर्की की सीमा से लगे बेसराबिया में तंबाकू के पौधे 1888 के दौर में ख़राब हो रहे थे, उसकी वजह का पता लगाने की ज़िम्मेदारी सेंट पीटर्सबर्ग यूनिवर्सिटी के शोध छात्र दिमित्रि इवानोस्की को दी गई। वर्ष 1890 में दक्षिणी यूक्रेन के क्रीमिया में तंबाकू के प्लांट पर शोध करते-करते दिमित्रि इवानोस्की को लगा कि यह बैक्टीरिया से अलग विषाणु यानी वायरस है, जो अत्यंत घातक है और तेज़ी से विस्तार करता है।

वर्ष 1882 में प्रकाशित 'ऑन टू डिज़ीजेज़ ऑफ टोबैको' के ज़रिये दिमित्रि इवानोस्की ने समकालीन विज्ञान जगत को जानकारी दी कि एक नये विषाणु की उत्पत्ति हुई है, जिसे 'वायरस' कहा जाए।

इसके छह साल बाद 1888 में डच वैज्ञानिक मार्टिनस डब्ल्यू बेजरिंक ने 'इन्फेक्शियस एजेंट' को पहचाना, जो तंबाकू के पौधों को नष्ट कर रहे थे। इसका नाम 'टोबैको मोज़ेक वायरस' रखा गया। 1915 में ब्रिटिश शोधार्थी फ्रीडरिक डब्ल्यू टोवर्ट और 1917 में फ्रेंच मूल के कैनेडियन वैज्ञानिक फेलिक्स एच. हेरेले इस नतीज़े पर पहुंचे कि यह एजेंट बैक्टीरियाफेग (बैक्टीरिया भक्षक विषाणु) है, जिसे वायरस ही कहा जाए।

एक अजीब सी बात यह हुई कि वैज्ञानिक शोध करने वालों ने जानवरों और दूसरे जंतुओं को वायरस परीक्षण का माध्यम बनाया। बाद में यही इंसानों के लिए संकट का कारण बने।

वायरस से परिचय

1933 में ब्रिटिश शोधकर्ताओं विल्सन स्मिथ, क्रिस्टोफर एच. एंड्रयू और पैट्री पी. लैडला ने नेवलों में इंफ्लुएंजा के वायरस इंजेक्ट किये। कुछ दिनों बाद नेवलों के ज़रिये यह वायरस चूहों में स्थानांतरित हो चुका था। वर्ष 1941 में अमेरिकन वैज्ञानिक जॉर्ज के हर्स्ट ने इंफ्लुएंजा के वायरस को मुर्ग़ियों के भ्रूण में विकसित होते देखा। वर्ष 1949 में अमेरिकी साइंटिस्ट जॉन एंडर्स, थॉमस वेलर, फ्रीडरिक रॉबिन्स ने पोलियो वायरस पर पहले शोध किये, फिर उसे शीशे की सतह पर उसके सेल्स को कल्चर करने की विधि निकाली। इस कालक्रम की चर्चा कर यह भी बताना है कि पश्चिम का विज्ञान जगत वायरस के बारे में सबसे पहले परिचित हुआ था।

चीन ने वायरस को 1950 के दशक में जाना

चीन 1956 के आसपास वायरस से वाकिफ हुआ था, उस साल वुहान इंस्टीच्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआईवी) की स्थापना हुई थी। इसके प्रकारांतर 1961 में चाइनीज़ अकादमी ऑफ साइंस, साउथ चाइना इंस्टीच्यूट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी जैसी संस्थाएं खुलती चली गईं। 2005 में वुहान इंस्टीच्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने कोरोना वायरस से संबंधित एक रिसर्च पेपर प्रकाशित किया था। उस शोध पत्र में बताया गया कि कोरोना वायरस को हॉर्स-शू बैट (एक क़िस्म के चमगादड़) ने ही फैलाया है। 2015 में वुहान के इस इंस्टीच्यूट ने एक शोध पत्र में इसका नाम 'बैट कोरोना वायरस' दिया था। 2019 के अंतिम महीनों में वुहान इंस्टीच्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने नये क़िस्म के कोरोना वायरस की पहचान की थी। उसका नाम 'सार्स-सीओवी-टू' या 'कोविड-19' इसी इंस्टीच्यूट का रखा हुआ है।

सार्स की पहली चर्चा 1931 में

स्टीफेंस एन. जे. कोर्समन ने अपनी पुस्तक 'वायरोलॉजी' में जानकारी दी है कि कोरोना वायरस (एचसीओवी 229ई) की पहली चर्चा 1931 में हुई थी, यह सार्स (सीवियर एक्यूट रेसपेरेटरी सिंड्रोम) परिवार का सदस्य बताया जाता है। वैसे तो यह गंभीर तीक्ष्ण श्वसन लक्षण (सार्स) 1965 में आइसोलेट किया जा चुका था। इंसान इससे बेफिक्र हो चुके थे। मगर, नवंबर 2002 में चीन के क्वांगदोंग प्रांत में सार्स फैमिली से जुड़े कोरोना वायरस की वापसी हुई। 'सार्स' के शुरूआती लक्षण में दरअसल, न्यूमोनिया और कॉमन कोल्ड ही दिखता है। 2002 में सार्स से इन्फेक्टेड एक डॉक्टर चियांग यांगयोंग, क्वांगदोंग से हांगकांग आया। उसके संपर्क में आये लोगों ने देखते-देखते पूर्वी एशिया, फिर उत्तरी अमेरिका, यूरोप, और बाद में पूरी दुनिया में फैला दिया। मार्च 2003 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) दुनिया को सतर्क करे, उससे पहले चीन, हांगकांग और विश्व के दूसरे हिस्सों में 800 लोग मौत के मुंह में समा चुके थे। उन दिनों सार्स अथवा कोरोना से प्रभावित आठ हज़ार लोगों का उपचार शुरू हुआ। जून 2003 तक इसे नियंत्रित कर लिया गया। कोरोना की कहानी फ़िर वहीं रूक गई।

वायरस पर प्रोपेगंडा वार

साल 2020 के प्रोपेगंडा वार का सबसे बड़ा लक्ष्य यह साबित करना रहा है कि 'कोविड-19' को पैदा करने वाला चीन है। **दुनियाभर में अब तक कोरोना से करीब 49 हज़ार लोगों की मौत, और साढ़े 9 लाख से अधिक लोगों को (*लेख लिखे जाने तक*)** 'कोविड-19' से ग्रस्त करने के साथ आर्थिक हाहाकार का ज़िम्मेदार भी चीन है। मगर, चीन ने कहना शुरू किया है कि इस सबके पीछे ट्रंप हैं। चीनी मीडिया के अनुसार, अक्टूबर 2019 में वुहान में सेवेंथ वर्ल्ड मिलिट्री गेम हुए थे, उस दौरान अमेरिकी सैनिक कोरोना वायरस चोरी-छिपे चीन छोड़ आये थे। चीन के इस प्रोपेगंडा वॉर में ईरान और रूस भी हामी भर रहे हैं। इस दुष्प्रचार युद्ध में दुनियाभर के वैज्ञानिक और शोधार्थी बंट से गये हैं। वैसे एक बात है, कोरोना के विरूद्ध खेमेबाज़ी के बावजूद दोनो में से कोई भी पक्ष इनकार नहीं कर रहा है कि इस सर्वाधिक घातक 'कोविड-19' वायरस का अधिकेंद्र वुहान नहीं रहा है। यह तो स्पष्ट है कि वुहान ही कोरोना का एपीसेंटर था, और वहीं से यह पूरी दुनिया में फैला है।

इटली में बसी चीनी आबादी बड़ा कारण

स्पेन और इटली में सबसे बड़ी संख्या में कोरोना से मौतें क्यों हुई, उसके कारण को छुपाने में इन देशों की सरकारें लगी रहीं। बाहरी दुनिया को बस इतना बताया गया कि घनी आबादी वाले घेट्टो में बसे लोगों की वजह से इटली में कोरोना का विस्तार हुआ। विश्व भर का मीडिया इसी के इर्द-गिर्द कहानी बुनने में व्यस्त रहा। इससे दो साल पहले की याद दिलाते हैं, इटालियन मिनिस्ट्री ऑफ लेबर एंड सोशल पालिसीज़ ने 2018 में जानकारी दी कि उसके यहां तीन लाख 9 हज़ार 110 चीनी श्रमिकों को रहने की अनुमति दी गई है। मिलान से लगा तुरिनो, लाम्बार्डी और सेंट्रल इटली के टस्कनी प्रांत का प्रातोये वैसे इतालवी नगर थे, जहां के गारमेंट इंडस्ट्री वालों ने वुहान से सस्ती लेबर लाकर बसा दिया था। वहां की फैक्ट्रियों में कपड़े, ये चीनी कारीगर तैयार करते, और उस पर 'मेड इन इटली' के लेबल लगा दिये जाते।

इटली में कोरोना जिस स्केल पर तबाही मचा गया, उसमें वुहान से चीनी नागरिकों की आवाजाही एक बड़ा कारण रहा है। स्पेन में भी वर्ष 1990 के दशक में चीनियों के बसने की रफ्तार तेज़ हुई। सन 2000 तक इनकी संख्या दो लाख पार कर चुकी थी। जाली जापानी पासपोर्ट के ज़रिये 'स्नेकहेड' नामक गैंग ने स्पेन के भ्रष्ट अधिकारियों से मिलकर मानव तस्करी को अंज़ाम दिया था। यहां के उद्योग जगत वाले और कारोबारी, सस्ती लेबर पाने की लालसा में ये सब कर बैठे। अब इसका अंज़ाम स्पेन भुगत रहा है।

कोरोनावैक्सीन पर प्रतिस्पर्धा

कल तक कोरोना वायरस रोधी वैक्सीन इज़ाद करने के वास्ते अमेरिका, रूस और जर्मनी, तीन दावेदार थे। अब चौथा चीन भी इसमें कूद पड़ा है। 26 मार्च 2020 को ग्लोबल टाइम्स में एक ख़बर छपी थी, 'चीन कोविड-19 टीके को विकसित करने के अंतिम चरण में है। इस प्रोजेक्ट को मेजर जनरल चन वेई देख रही हैं। 20 मार्च 2020 तक महिला वायरस विज्ञानी मेजर जनरल चन वेई ने 108 वालंटियर्स पर वैक्सीन का परीक्षण कर लिया है।' 2002-2003 में सार्स को नियंत्रित करने के लिये मेजर जनरल चन वेई ने नेज़ल स्प्रे इज़ाद किया था। उसके 11 साल बाद इबोला ने जब कहर बरपाया था, वायरोलॉजिस्ट चन वेई सिएरा लियोन पहुंच गईं थीं। इबोला जैसे वायरस को हराने के वास्ते 2014 से 2016 तक चन वेई पश्चिम अफ्रीका में ही थीं।

संदेह के घेरे में वेई

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में 3 मार्च 2020 को मिने चन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई कि चीनी वायरोलॉजिस्ट और बायोकेमिकल एक्सपर्ट मेजर जनरल चन वेई 2 जनवरी 2020 को वुहान अपनी टीम के साथ पहुंच चुकी थीं। उस समय ऐसा क्या हुआ कि वायरोलॉजिस्ट चन वेई का वुहान पहुंचना ज़रूरी हो गया था? एक बात और थी, नेशनल हेल्थ कमीशन के प्रमुख ज़ोंग नानशान जो ख़ुद वायरस के विशेषज्ञ रहे हैं, उन्हें मुंह बंद रखने को कहा गया। ज़ोंग नानशान 10 फरवरी को इतना भर संकेत दे पाये कि कोविड-19 का प्रकोप इस महीने के आख़िर तक चरम पर पहुंच जाएगा। ज़ोंग के इतना कहने भर से चीन से बाहर भी अफरा-तफरी मच चुकी थी।

एक और रिपोर्ट साइंटिफिक अमेरिकन ने 11 मार्च 2020 को प्रकाशित की जिसमें 'बैट वुमन' से ख्याति प्राप्त वायरोलिस्ट शी ज़ेंग-ली के हवाले से जानकारी दी गई कि 30 दिसंबर को वुहान इंस्टीच्यूट ऑफ वायरोलॉजी में वुहान सेंटर फॉर डिजीज़ कंट्रोल में भर्ती दो मरीज़ों के सैंपल लाये गये थे। वायरोलिस्ट शी ज़ेंग-ली ने कन्फर्म किया था कि ये उसी फैमिली के सैंपल थे, जो हॉर्स-शू बैट (एक क़िस्म के चमगादड़) में पाये गये थे। शी ज़ेंग-ली पिछले 16 वर्षों से क्वांगदोंग, क्वांगशी और युन्नान के उष्णकटिबंधीय प्रदेशों में चमगादड़ों में वायरस पर शोध कर रही थीं। इस वजह से शी ज़ेंगली 'बैट वुमन' के नाम से विख्यात हैं।

जैविक बम बनाने की तैयारी थी?

5 मार्च 2020 को द साइंटिस्ट में एमिली माकोवस्की की एक रिपोर्ट छपी, जिसमें यह शंका व्यक्त की गई कि क्या वुहान इंस्टीच्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआईवी) के लैब से सार्स-सीओवी-टू वायरस किसी चूक से बाहर निकल गये थे? वुहान के जिस सी-फूड मार्केट से वायरस फैलने की चर्चा पूरी दुनिया में हुई है, उससे 'डब्ल्यूआईवी' की दूरी 10 मील है। यह गौर करने वाली बात है कि सार्स-सीओवी-टू का नया नाम 'कोविड-19' दिसंबर 2019 में इसी वुहान इंस्टीच्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने दिया था। वर्जीनिया स्थित पॉपुलेशन रिसर्च इंस्टीच्यूट के सोशल साइंटिस्ट स्टीवेन मोशर ने फरवरी के आख़िर में न्यूयॉर्क टाइम्स को लिखे आलेख में शंका व्यक्त की, कि हो न हो डब्ल्यूआईवी की लैब में बायोकेमिकल एक्सपर्ट मेजर जनरल चन वेई की देखरेख में जैविक बम बनाने की तैयारी चल रही हो। स्थिति हाथ से निकलते देखकर उन्हें तत्काल बुलाया गया। इस कॉन्सपेरेसी थ्योरी को खड़ा करने के लिये दुनिया के कई हिस्सों से वैज्ञानिकों के बयान कोट किये गये हैं। 16 साल पहले 2004 में चीन ने सार्स वायरस की सुरक्षा के वास्ते डब्ल्यूएचओ के निर्देशों की अवहेलना की थी। 'लैब बेस्ड' प्रकोप की वजह से उसे पेइचिंग स्थित सीडीसी (सेंटर फॉर डिजीज़ कंट्रोल एंड प्रिवेंशन) के निदेशक को हटाना पड़ा था। पिछला संदर्भ दिसंबर 2019 में वुहान की लैब से सार्स-सीओवी-टू वायरस के निकल भागने की आशंका को मज़बूती दे रहा है। फिर भी, ऐसी आशंकाओं पर डब्ल्यूएचओ की मुहर नहीं लगी है।

घातक जैविक हथियार

लेकिन क्या जो सरकारें वायरस के खेल में लगी हैं, उन्हें इंसानी जिंदगी की परवाह है? एक तरफ ऐसे परीक्षणशालाओं में जानलेवा वायरस से बचने के वैक्सीन विकसित किये जाते हैं, दूसरी ओर इंसानी ज़िंदगियों को एक झटके में छीन लेने वाले जैविक हथियार ऐसी ही लैब में तैयार भी किये जाते हैं। दीगर है कि दुनिया अब भी 'बायोटेररिज़्म' के ख़तरे से मुक्त नहीं है। यह नाभिकीय हथियारों से कई गुणा अधिक विनाशकारी है। 1930-1940 के दौर को याद कीजिए, जापान-चीन युद्ध के दौरान प्लेग वाले बम चीनी शहरों पर गिरा दिये गये थे, जिसमें पांच लाख 80 हज़ार चीनी नागरिक मारे गये थे। अमेरिकी सेना ने मैरीलैंड के कैंप डेट्रिक में बायोलॉजिकल वॉरफेयर लेबोरेट्रीज स्थापित की थी, जहां घातक जैविक हथियार बड़ी संख्या में तैयार किये गये थे। उसकी देखादेखी सोवियत संघ ने 1970 से 1990 के बीच बेशुमार जैविक हथियार तैयार किये। वर्ष 1969 में रिचर्ड निक्सन ने बायोलॉजिक वेपन प्रोग्राम को विराम लगा दिया था। संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में 10 अप्रैल 1972 को लंदन, मास्को और वाशिंगटन में दुनिया के 109 देशों ने बायोलॉजिकल एंड टॉक्सिक कन्वेंशन (बीटीडब्ल्यूसी)पर हस्ताक्षर किये। तीन साल बाद, 26 मार्च 1975 को 'बीटीडब्ल्यूसी' लागू हुआ। बावजूद इसके चीन, ईरान, उत्तर कोरिया, रूस, सीरिया और क्यूबा इस संदेह से बाहर नहीं निकल पाये कि उनके यहां जैविक हथियार विकसित नहीं किये जा रहे। इनके विरूद्ध प्रोपेगंडा करने वाला अमेरिका ख़ुद कितना मासूम है, यह बात उसके यहां वायरस लैब्स की सर्वाधिक संख्या को देखकर समझ में आ जाती है। इन सरकारों से अलग पुनर्गठन का प्रयास कर रहा अल क़ायदा, आइसिस और तालिबान जैसे अतिवादी ग्रुप हैं, जिनकी चाहत कैमिकल या जैविक हथियारों को हासिल करने में बराबर बनी हुई है। दो शब्दों में कहें, तो दुनिया सुरक्षित नहीं है!

वायरस पर काम करने वाली लैब

पूरी दुनिया में वायरस पर शोध करने वाली लैब की दो तिहाई संख्या अकेले अमेरिका में है। साठ से भी ऊपर। वैसे तो रूस में वायरस लैब, अमेरिका के मुकाबले आधी हैं लेकिन रूसी लैब में हुई एक लापरवाही को पूरी दुनिया ने भुगता था। साइबेरिया के कोल्टसोवो में 'स्टेट रिसर्च सेंटर ऑफ वायरोलॉजी' में शीत युद्ध के दौर में बायोलॉजिकल हथियार तैयार किये गये थे। इनमें से एक लैब में 'वीज़ेडवी' वैरीसेला ज़ोस्टर वायरस थे, जिनसे चिकन पॉक्स होता है। 1977 में किसी परीक्षण के दौरान इस रूसी लैब में विस्फोट हुआ, और वायरस बाहर आ गये। देखते-देखते पूरी दुनिया में तबाही मच गई। 1976 में दक्षिणी सूडान और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला के पसर जाने के पीछे भी ऐसी ही कहानी बताई जाती है।

इबोला पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ। 2016 तक ज़ायरे, बमबाली, सूडान, रेस्टोन में डब्ल्यूएचओ ने इबोला वायरस की छह प्रजातियों का पता लगाया था। यही हुआ, 'मर्ज़ बढ़ता ही गया, ज्यों-ज्यों दवा की'।

नमस्ते दिल, दिमाग से अभिवादन

दोनों हाथों को जोड़ने में समग्रता समाहित है। इसलिए परमात्मा के सामने दोनों हाथ जोड़ते हैं। जहां भी निवेदन करते हैं, वहां दोनों हाथ जोड़ते हैं...

ओशो

दुनिया में बहुत तरह के प्रणाम हैं, लेकिन दोनों हाथ जोड़ कर प्रणाम करने की प्रक्रिया इस देश की है। और इसके पीछे बड़े रहस्य हैं, बड़े प्रतीक हैं। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधान भी इस बात के करीब आ रहा है। विज्ञान की नयी खोजें कहती हैं कि मनुष्य का मस्तिष्क दो हिस्सों में बंटा हुआ है। जो दाएं तरफ का हिस्सा है मनुष्य के मस्तिष्क का, वह बाएं हाथ से जुड़ा है। और जो बाएं तरफ का हिस्सा है मस्तिष्क का, वह दाएं हाथ से जुड़ा है। उलटा, क्रॉस के जैसा। बायां दाएं से जुड़ा है, दायां बाएं से जुड़ा है। चूंकि हमने दाएं हाथ को महत्वपूर्ण बना लिया है और हमारे सारे कृत्य उसी से हो रहे हैं, इसलिए हमारा बायां मस्तिष्क का हिस्सा सक्रिय है। बाएं मस्तिष्क के हिस्से के कुछ लक्षण हैं- गणित, तर्क, हिसाब-किताब, बहिर्यात्रा। और शायद इसीलिए दायां हाथ महत्वपूर्ण हो गया।

दाएं मस्तिष्क के लक्षण हैं- काव्य, भाव, अनुभूति, प्रेम। उनका तो कोई मूल्य नहीं है जगत में। इसीलिए बायां हाथ बेकार डाल दिया गया है। बाएं हाथ को बेकार डालने में हमने काव्य को बेकार कर दिया है, प्रेम को बेकार कर दिया है, अनुभूति को, भाव को बेकार कर दिया है। यह बड़ी तरकीब है। बड़ी जालसाजी है!

ये दोनों हाथ समान रूप से सक्रिय हो सकते हैं भविष्य में। और होने चाहिए। भविष्य के मनुष्य की जो प्रशिक्षण-प्रक्रिया होगी, उसमें ये दोनों हाथ सक्रिय करने की कोशिश की जाएगी। अभी तो हालत यह है, अगर कोई बच्चा बाएं हाथ से लिखता है, तो हम उसके पीछे पड़ जाते हैं कि दाएं से लिखो। दस प्रतिशत लोग बाएं हाथ से लिखने वाले पैदा होते हैं। दस प्रतिशत कोई छोटा आंकड़ा नहीं है। सौ में दस आदमी बाएं हाथ से लिखने वाले पैदा होते हैं। लेकिन मिलेगा तुमको शायद एकाध ही जो बाएं से लिखता हो, बाकी नौ को हम धक्का मार-मार कर, सजा दे-दे कर, स्कूल में मार-पीट कर दाएं हाथ से लिखवाने लगते हैं।

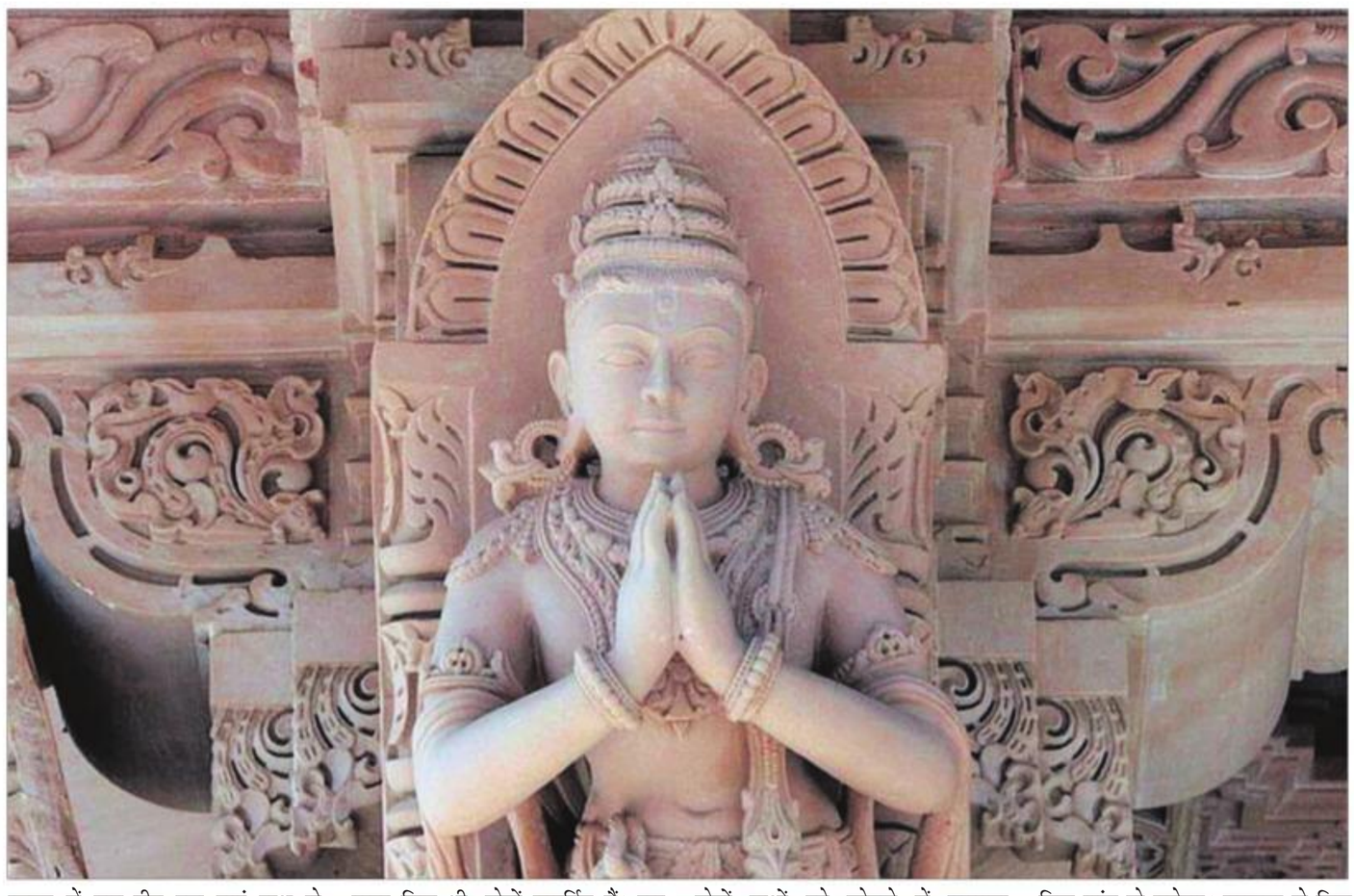

उसके पीछे कारण हैं। समाज तर्क को मूल्य देता है, काव्य को नहीं। समाज गणित को मूल्य देता है, प्रेम को नहीं। समाज हिसाब-किताब से जीता है, भाव से नहीं। यह भाव की हत्या की खूब तरकीब निकाली! मगर हजारों-हजारों सदियों से यह तरकीब चल रही है और हमारे मस्तिष्क का आधा हिस्सा निष्क्रिय होकर पड़ा है।

दोनों हाथों को एक साथ रख कर जोड़ने में प्रतीक है कि हम दोनों अंगों को जोड़ते हैं, हम इकट्ठे होकर नमस्कार कर रहे हैं। हम दोनों मस्तिष्कों को एक साथ लाकर नमस्कार कर रहे हैं। हमारा तर्क भी तुम्हें निवेदन है, हमारा प्रेम भी तुम्हें निवेदन है; हमारा गणित भी, हमारा काव्य भी; हमारा स्त्रैण चित्त भी, हमारा पुरुष चित्त भी, दोनों समर्पित हैं। हम इकट्ठे होकर समर्पित हैं।

अब भेद है! पश्चिम में लोग हाथ मिलाते हैं। उसमें एक ही हाथ का काम होता है। वह आधे मस्तिष्क का कृत्य है। उसमें समग्र मनुष्य समाहित नहीं है। दोनों हाथों को जोड़ने में समग्रता समाहित है। इसलिए परमात्मा के सामने दोनों हाथ जोड़ते हैं। जहां भी निवेदन करते हैं, वहां दोनों हाथ जोड़ते हैं।

जब तुम दोनों हाथ जोड़ते हो एक साथ, तो तुम्हारा मस्तिष्क और तुम्हारे दोनों हाथों की ऊर्जा वर्तुलाकार हो जाती है, विद्युत वर्तुल में घूमने लगती है। यह सिर्फ प्रतीक ही नहीं है, वस्तुतः यह घटना घटती है।

इसलिए ध्यान में कहा जाता है: पद्मासन। पद्मासन में एक पैर दूसरे पैर से जुड़ जाता है और हाथ पर हाथ रख लो तो हाथ भी एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं- तुम्हारा पूरा शरीर एक हो गया। तुम्हारा द्वंद्व टूट गया भीतर। तुम्हारे शरीर में विद्युत की ऊर्जा वर्तुलाकार घूमने लगी। यह जो वर्तुल है विद्युत का, बड़ा शांतिदाई है। इसलिए पद्मासन, सिद्धासन बड़े वैज्ञानिक आसन हैं। सुगमता से चित्त शांत हो सकेगा। सरलता से चित्त शांत हो सकेगा। शरीर को जोड़ कर हमने मस्तिष्क के दोनों खंडों को जोड़ दिया। दोनों मस्तिष्क के खंड जुड़ जाएं तो हमारे भीतर जो भाव का और विचार का द्वंद्व है, वह समाप्त हो जाता है। विज्ञान और धर्म का जो द्वंद्व है, वह समाप्त हो जाता है।

दोनों हाथों को जोड़ कर नमस्कार करना बड़ा वैज्ञानिक है। इसे हाथ मिलाने से मत बदल लेना, वह बहुत सस्ता है, उसका कोई मूल्य नहीं, उसकी कोई वैज्ञानिकता नहीं है।

दुई कर जोरि कै बिनती करिकै नाम कै मंगल गावहु रै

अब तो कुछ और बचा नहीं, दुई मिटा दी है, एक हो गया हूं और अब एक होने के बाद सिवाय मंगल गाने के और क्या बचता है! मंगल ही मंगल है!

(सौजन्य : ओशोधारा नानक धाम, मुरथल)

वास्तु

घर में पूजा स्थान

दिशा पर भी दें ध्यान

मदन गुप्ता सपाटू

कोरोना, कर्फ्यू या लॉकडाउन के कारण जब सभी धार्मिक स्थल बंद हैं, तब संभवतः लोग अपने घरों में पूजा स्थान के आगे कुछ अतिरिक्त वक्त बैठ रहे होंगे।

घर चाहे छोटा हो, या बड़ा, अपना हो या किराये का, लेकिन हर घर में पूजा का स्थान जरूर होता है। लेकिन, कई बार पूजा-पाठ के लिए स्थान बनवाते समय जाने-अनजाने में वास्तु संबंधी गलतियां हो जाती हैं। इन गलतियों की वजह से पूजा का फल प्राप्त नहीं हो पाता। सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए घर में मंदिर का उचित स्थान पर होना भी बहुत जरूरी है।

- पूजा घर हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। मंदिर का पश्चिम या दक्षिण दिशा में होना अशुभ फलों का कारण बन सकता है।
- पूजा घर के ठीक ऊपर, नीचे या आसपास शौचालय नहीं होना चाहिए। मंदिर को रसोईघर में बनाना भी वास्तु के हिसाब से उचित नहीं माना जाता।
- सीढ़ियों के नीचे भूलकर भी मंदिर न बनवाएं।
- बेडरूम में पूजा घर न बनाएं। यदि जगह की कमी के कारण मंदिर बेडरूम में ही बनाना पड़े तो ध्यान रखें कि वह कमरे की उत्तर पूर्व दिशा में हो और उसके चारों तरफ पर्दे लगा दें।
- ध्यान रखें कि घर में जहां मंदिर बना हो, उस तरफ पैर करके न सोयें।
- पूजा घर का द्वार टिन या लोहे की ग्रिल का नहीं होना चाहिए।
- पूजा घर का रंग सफेद या हल्का क्रीम होना चाहिए। पूजा कक्ष में सौंदर्य प्रसाधन का सामान, झाड़ू व अनावश्यक सामान न रखें।

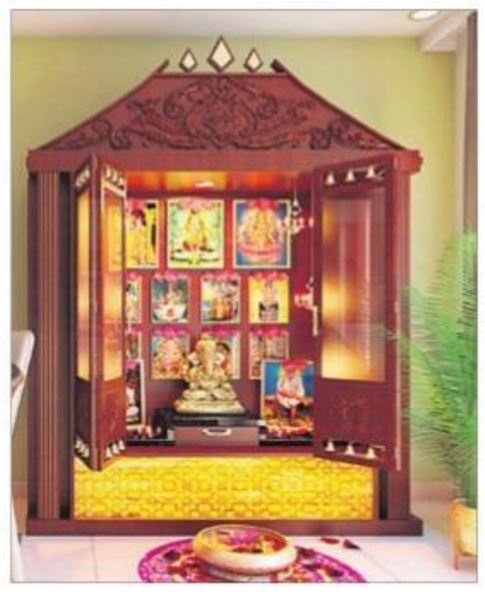

- भगवान की मूर्तियों को एक-दूसरे से कम से कम एक इंच की दूरी पर रखें। एक ही घर में कई मंदिर न बनाएं, वरना मानसिक, शारीरिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।
- घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य-प्रतिमा, तीन देवी प्रतिमा, दो द्वारका (गोमती) चक्र और दो शालिग्राम का पूजन करने से गृहस्वामी को अशांति प्राप्त होती है।
- भगवान की तस्वीर या मूर्ति नैऋत्य कोण में न रखें। इससे बनते कार्यों में रुकावटें आती हैं।
- ब्रह्मा, विष्णु, शिव, सूर्य, गणेश, दुर्गा, कार्तिकेय की मूर्तियों का मुंह पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिये। कुबेर, भैरव का मुंह दक्षिण की तरफ होना चाहिये। हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति का मुंह दक्षिण या नैऋत्य की तरफ रखना चाहिये।
- पूजन कक्ष में किसी भी देवता की टूटी-फूटी मूर्ति या तस्वीर न रखें। भगवान का चेहरा कभी भी ढकना नहीं चाहिए, यहां तक कि फूल-माला से भी चेहरा न ढकें।

कथा सार

सच्चा हितैषी

एक दरिद्र ब्राह्मण के मन में धन पाने की तीव्र कामना हुई। वह सकाम यज्ञों की विधि जानता था, किंतु धन ही नहीं तो यज्ञ कैसे हो? वह धन प्राप्ति के लिए देवताओं की पूजा और व्रत करने लगा। कुछ समय एक देवता की पूजा करता, उससे कुछ लाभ नहीं दिखाई पड़ता तो दूसरे देवता की पूजा करने लगता और पहले को छोड़ देता। इस प्रकार उसे बहुत दिन बीत गये। अंत में उसने सोचा- जिस देवता की आराधना मनुष्य ने कभी न की हो, मैं अब उसी की उपासना करूंगा। वह देवता अवश्य मुझ पर शीघ्र प्रसन्न होगा। ब्राह्मण यह सोच ही रहा था कि उसे आकाश में कुण्डधार नामक मेघ के देवता का प्रत्यक्ष दर्शन हुआ। ब्राह्मण ने समझ लिया कि मनुष्य ने कभी इनकी पूजा न की होगी। ये मेघदेवता देवलोक के समीप रहते हैं। वे मुझे अवश्य धन देंगे। बड़ी श्रद्धा से ब्राह्मण ने कुण्डधार मेघ की पूजा शुरू कर दी। प्रसन्न होकर कुण्डधार ने देवताओं की स्तुति की, क्योंकि वह स्वयं जल के अलावा कुछ दे नहीं सकते थे। देवताओं की प्रेरणा से यक्ष श्रेष्ठ मणिभद्र उनके पास आकर बोले, कुण्डधार क्या चाहते हो?

कुण्डधार- यक्षराज! देवता यदि मुझ पर प्रसन्न हैं तो मेरे उपासक इस ब्राह्मण को सुखी करें। मणिभद्र बोले, तुम्हारा यह भक्त यदि धन चाहता है तो इसकी इच्छा पूर्ण कर दो। यह जितना धन मांगेगा, मैं इसे दे दूंगा।

कुण्डधार बोले- यक्षराज! मैं इस ब्राह्मण के लिए धन की प्रार्थना नहीं करता। मैं चाहता हूं कि देवताओं की कृपा से यह धर्मपरायण हो जाये। इसकी बुद्धि धर्म में लगे। मणिभद्र बोले- अच्छी बात! अब ब्राह्मण की बुद्धि धर्म में ही स्थित रहेगी। उसी समय ब्राह्मण ने स्वप्न में देखा उसके चारों ओर कफन पड़ा हुआ है। यह देखकर उसके हृदय में वैराग्य उत्पन्न हुआ। वह सोचने लगा, इस प्रकार धन की आशा में ही लगे हुए जीवन बिताने से क्या लाभ? मुझे परलोक की चिंता करनी चाहिए।

ब्राह्मण वन में चला गया। उसने तपस्या करना प्रारंभ किया। दीर्घकाल तक कठोर तपस्या करने के कारण उसे अद्भुत सिद्धि प्राप्त हुई। वह स्वयं आश्चर्य करने लगा, 'कहां तो मैं धन के लिए देवताओं की पूजा करता था और अब मैं स्वयं ऐसा हो गया कि किसी को धनी होने का आशीर्वाद दे दूं तो वह निःसंदेह धनी हो जाएगा।' ब्राह्मण का उत्साह बढ़ गया। तपस्या में उसकी श्रद्धा बढ़ गयी। वह तत्परतापूर्वक तपस्या में लगा रहा। एक दिन उसके पास वही कुण्डधार मेघ आया। उसने कहा, ब्राह्मण! तपस्या के प्रभाव से आपको दिव्य दृष्टि प्राप्त हो गई है। अब आप धनी पुरुषों तथा राजाओं की गति को देख सकते हैं। ब्राह्मण ने देखा कि धन के कारण गर्व में आकर लोग नाना प्रकार के पाप करते हैं और घोर नर्क में गिरते हैं। कुण्डधार बोला, भक्तिपूर्वक मेरी पूजा करके आप यदि धन पाते और अंत में नर्क की यातना भोगते तो मुझसे आपको क्या लाभ होता? जीव का लाभ तो कामनाओं का त्याग करके धर्माचरण करने में ही है। उन्हें धर्म में लगाने वाला ही उनका सच्चा हितैषी है। ब्राह्मण ने मेघ के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। *(महाभारत)*

भगवान महावीर का संदेश

लाभ से ही बढ़ता है लोभ

ललित गर्ग

भगवान महावीर की जयंती मनाने की सार्थकता तभी है जब हम उनकी शिक्षाओं को जीवन में उतारें। महावीर ने जिन सत्यों का प्रतिपादन किया उन सत्यों का यदि जीवन में विकास करें, तो हमारा जीवन खुशहाल हो सकता है। उनमें से एक सत्य है कि जिस समय मनुष्य जाति में क्रोध, अहंकार, माया, छल और लोभ शांत होते हैं, तब समाज व्यवस्था अच्छी चलती है, अर्थव्यवस्था और राज्य व्यवस्था अच्छी चलती है। जब ये संवेग प्रबल बन जाते हैं, तब सारी व्यवस्थाएं विशृंखलित हो जाती हैं। जब मनुष्य के भीतर भय और लोभ का संवेग है, प्रभुत्व के विस्तार और घृणा का संवेग है, अपने को ऊंचा और दूसरे को हीन मानने का संवेग है, तब वह भूख मिटाने की चिंता क्यों करेगा? उसकी चिंता होगी शक्ति के निर्माण की। जहां शक्ति का निर्माण होगा, वहां शस्त्र निर्माण एक अनिवार्य शर्त है।

आवश्यकता का गड्ढा इतना गहरा है कि उसे कभी भरा नहीं जा सकता। महावीर ने कहा- 'लाभ से लोभ बढ़ता है।' जैसे-जैसे लाभ होता है वैसे-वैसे लोभ बढ़ता जाता है। एक आवश्यकता पूर्ण होती है तो दूसरी नई आवश्यकता जन्म ले लेती है। आवश्यकता की इस विशेषता के आधार पर अशांति का नियम निश्चित किया गया। आवश्यकता की असीमितता के कारण मनुष्य की शांति भंग होती है।

'लाभ से लोभ बढ़ता है'- का अध्ययन करने पर यह फलित होता है कि आवश्यकताओं की वृद्धि के क्रम में कुछ आवश्यकताओं की संतुष्टि की जा सकती है। किन्तु उनकी वृद्धि के साथ उभरने वाले मानसिक असंतोष और अशांति की चिकित्सा नहीं की जा सकती। इसलिए भौतिक कल्याण और आध्यात्मिक कल्याण के मध्य सामंजस्य स्थापित करना अनिवार्य है। यदि मनुष्य समाज को मानसिक तनाव, पागलपन, क्रूरता, शोषण, आक्रमण और निरंकुश प्रवृत्तियों से बचाना इष्ट है तो यह अनिवार्यता और अधिक तीव्र हो जाती है। इसी अनिवार्यता की अनुभूति करके ही महावीर ने समाज के सामने 'इच्छा-परिमाण' का सिद्धांत प्रस्तुत किया। इस आदर्श में अनिवार्यताओं और सुविधाओं को छोड़ने की शर्त नहीं है और विलासितापूर्ण आवश्यकताओं की परंपरा को चालू रखने की स्वीकृति भी नहीं है।

संयम है जरूरी

यह सर्वथा मनोवैज्ञानिक सत्य है कि मनुष्य हिंसा के लिए परिग्रह का संचय नहीं करता, किन्तु परिग्रह की सुरक्षा के लिए हिंसा करता है। जैसे-जैसे अपरिग्रह का विकास होता है, वैसे-वैसे अहिंसा का विकास होता है। परिग्रह का केंद्र-बिंदु मनुष्य का अपना शरीर होता है। वहीं से परिग्रह की चेतना फैलती है। जैन धर्म अपरिग्रह प्रधान भी है, अहिंसा प्रधान भी है और अनेकांत प्रधान भी है, सब कुछ है, वह तो सिद्धांत है। अनेकांत एक सिद्धांत है, अपरिग्रह एक सिद्धांत है, अहिंसा एक सिद्धांत है। सिद्धांत होना एक बात है, उनका पालन होना दूसरी बात है। भगवान महावीर ने मुनि के लिए अपरिग्रह का विधान किया है, गृहस्थ के लिए उन्होंने अपरिग्रह जैसे शब्द का प्रयोग नहीं किया। उन्होंने इच्छा-परिमाण की बात कही। जो अनन्त इच्छा है, उसकी कोई न कोई सीमा करनी चाहिए।

अर्जन के साधन अशुद्ध नहीं होने चाहिए, अप्रामाणिक नहीं होने चाहिए। महावीर की पूरी आचार-संहिता है गृहस्थ के लिए। उसमें अप्रामाणिकता के जितने व्यवहार हैं, उन सबका वर्जन किया गया है। अर्जित धन का उपयोग अपने विलास के लिए न किया जाए। व्यक्तिगत संयम किया जाए।

महावीर ने अध्यात्म और भौतिकवाद का समन्वय किया। महावीर ने जो कुछ कहा अनुभूति के आधार पर कहा। उन्होंने कहा- एक साथ किसी को आध्यात्मिक बनाना चाहोगे, असफल हो जाओगे। उसे इस क्रिया में धीरे-धीरे आगे बढ़ाओ। उसकी भूख को बढ़ाओ, ज्ञान-पिपासा को तेज करो, अपने आप काम हो जायेगा।

महावीर कहते हैं- अर्थ तुम्हारे लिए जरूरी है किन्तु उसका त्याग भी जरूरी है। हिंसा तुम्हारे लिए अनिवार्य है किन्तु अहिंसा भी उतनी ही अनिवार्य है। परिग्रह आवश्यक है तो अपरिग्रह भी जरूरी है।

धर्म वाक्य

कबिरा चिंता क्या करुं, चिंता से क्या होय
मेरी चिंता हरि करै, चिंता मोहि ना कोय।

कबीरा क्यों चिंता करे? चिंता से क्या होगा? मेरी चिंता प्रभु करते हैं। मुझे किसी तरह की कोई चिंता नहीं है।

आगे पीछे हरि खरा, आप समहारे भार
जन को दुखी क्यों करे, समरथ सिरजनहार।

भगवान भक्त के आगे पीछे खड़े रहते हैं। वे स्वयं भक्त का भार अपने ऊपर ले लेते हैं। वे किसी भक्त को दुखी नहीं करना चाहते, वे सर्व शक्तिमान हैं।

मेरी चिंता हरि करै क्या करुं मै चिंत
हरि को चित्यो हरि करै, ता पर रहु निहचिंत।

मेरे लिए प्रभु चिंता करते हैं। मुझे चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो ईश्वर का निरतंर चिंतन करता है- प्रभु उसकी चिंता स्वयं करते है।

व्रत-पर्व

5 अप्रैल : प्रदोष व्रत, श्री विष्णु दमनोत्सव, आनंद नाम संवत्सर प्रारंभ
6 अप्रैल : अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयंती (जैन)
7 अप्रैल : श्री सत्यनारायण व्रत, श्री हनुमान जयंती, श्री शिव दमनोत्सव, मेला कांसा देवी, देवी मेला (हथीरा, कुरुक्षेत्र)
8 अप्रैल : चैत्री पूर्णिमा (स्नानदानादि), वैशाख स्नान प्रारंभ, हनुमान प्राकट्योत्सव, अग्रोहा मेला, ओली समापन (जैन), धरती पूजा, खद्दी पर्व- छत्तीसगढ़, मेला सालासर-बाला जी (राजस्थान)
9 अप्रैल : मुस्लिम पर्व शब-ए-बारात
10 अप्रैल : गुड फ्राइडे
11 अप्रैल : श्री गणेश चतुर्थी व्रत, सती अनुसूया जयंती ईस्टर सेटरडे

-सत्यव्रत बेंजवाल